हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 26 सितंबर 2025

राज्य सरकार ने जारी किया नियुक्ति का आदेश

आईएएस विकासशील बनाए गए शासन के मुखिया, 13वें मुख्य सचिव होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

भारतीय प्रशासनिक सेवा 1994 बैच के अधिकारी विकासशील छत्तीसगढ़ के नए मुख्य सचिव नियुक्त किए गए हैं। वे अमिताभ जैन का स्थान लेंगे, जिनकी तीन माह की सेवावृद्धि के बाद कार्यकाल 30 सितंबर को समाप्त हो रहा है। संभावना है कि इसी दिन शाम को विकासशील अपना नया कार्यभार ग्रहण करेंगे। वे राज्य के 13वें मुख्य सचिव होंगे।

गौरतलब है, पिछले दिनों राज्य की नौकरशाही में विकासशील के नाम की चर्चा राज्य के संभावित मुख्य सचिव के रूप में सामने आई थी। हरिभूमि ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद गुरुवार 25 सितंबर को राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया।

2016 से प्रतिनियुक्त पर राज्य से थे बाहर: विकासशील राज्य के कई जिलों में कलेक्टर व अन्य पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। इसके बाद वे 2016 से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नई दिल्ली व देश से बाहर मनीला में भारत सरकार के लिए सेवाएं दे रहे थे। करीब 9 साल ▶▶| शेष पेज 5 पर

अमिताभ जैन 30 को हो रहे रिटायर

लंबे समय से चल रही अटकलों पर विराम

मुख्य सचिव के रूप में विकासशील की नियुक्ति का आदेश जारी होने के पहले तक राज्य में लंबे समय से मुख्य सचिव के पद को लेकर अटकलें चल रहीं थी। दरअसल श्री जैन 30 जून को अपना नियमित कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हुए थे। लेकिन इसी दिन सरकार ने उन्हे तीन माह की सेवावृद्धि का आदेश जारी किया था। इससे पहले श्री जैन के रिटायर होने से पहले राज्य की नौकरशाही में अटकलें शुरु गईं थीं कि अगला मुख्य सचिव कौन हो सकता है।

इस पद के ये थे दावेदार

राज्य में मुख्य सचिव पद के दावेदारों में कई अधिकारी शामिल थे। इनमें पहला नाम रेणु पिल्ले का था। वे 1991 बैच की आईएएस हैं। राज्य में अमिताभ जैन के बाद वरिष्ठता क्रम में वे पहले नंबर पर थीं। उनके बाद के क्रम में सुब्रत साहू 1992 बैच. अमित अग्रवाल 1993 बैच, ऋचा शर्मा 1994, निधि छिब्बर 1993 बैच और मनोज कुमार पिंगुआ 1994 बैच के अधिकारी शामिल रहे। अटकलों में इन्हें दावेदार माना जा रहा था।

कई अहम पदों की संभाली जिम्मेदारी

इसके अलावा छत्तीसगढ़ में कई अहम पदों पर काम कर चुके विकासशील 2016 से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं. वह स्वास्थ्य कल्याण विभाग में अतिरिक्त सचिव, जल शक्ति मंत्रालय में पेयजल और स्वच्छता विभाग में जल जीवन मिशन के अतिरिक्त सचिव और मिशन निदेशक और जनवरी 2024 से एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) में कार्यकारी निदेशक के सलाहकार पद पर पदस्थ रह चुके हैं।

केंद्र सरकार की बड़ी कार्रवाई, सीबीआई ने शुरू की थी वांगचुक के एनजीओ की जांच

लेह झुलसने के बाद एनजीओ पर फंदा विदेश से फंडिंग वाला लाइसेंस कैंसिल

लद्दाख के लेह में हिंसा के एक दिन बाद केंद्र सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गैर-लाभकारी संस्था का एफसीआरए रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। आरोप है कि एनजीओ ने विदेशी फंडिंग से जुड़े कानून का बार-बार उल्लंघन किया। यह कदम वांगचुक के नेतृत्व में केंद्र शासित प्रदेश में राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के 24 घंटे बाद लिया गया। इधर, लद्दाख में गुरुवार को कर्फ्यू जारी रहा, इस दौरान 50 लोगों को हिरासत में लिया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सीबीआई ने लद्दाख के शिक्षाविद् और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा स्थापित एक संस्थान के खिलाफ विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम के कथित उल्लंघन की जांच शुरू कर दी है। वांगचुक इससे पहले भूख हड़ताल पर थे और लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि कुछ समय से जांच जारी है, लेकिन अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। इस बीच, गुरुवार को गृह मंत्रालय ने स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख का विदेश फंडिंग लेने वाला एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिया है। यह संस्था जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से जुड़ी है। रद्द करने का कारण एफसीआरए नियमों के कई उल्लंघन बताए गए हैं। स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ ▶▶| शेष पेज 5 पर

- वांगचुक के एनजीओ पर कानून के बार-बार उल्लंघन का आरोप

हिंसा के दूसरे दिन भी कर्फ्यू जारी, 50 हिरासत में लिए गए

एनजीओ पर आरोप

- **एफसीआरए खाते में स्थानीय धनराशि का जमा होना** – वित्तीय वर्ष 2020-21 में तीन व्यक्तियों द्वारा जमा की गई 54,600 रुपए को गलती से एफसीआरए खाते में डाला गया।
- **विदेशी दान का सही तरीके से विवरण न देना** – वित्तीय वर्ष 2021-22 में सोनम वांगचुक से 3.35 लाख रुपये का योगदान एफसीआरए खाते में सही तरीके से नहीं दिखाया गया
- **एफसीआरए नियमों का अन्य उल्लंघन** – संस्था ने विदेशी दान प्राप्त करने के बाद भी उचित लेखा विवरण पेश नहीं किया

पाकिस्तान यात्रा की भी होगी जांच

अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने दो महीने पहले हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स लद्दाख की फंडिंग की जांच शुरू की थी। इसमें वांगचुक की इस साल 6 फरवरी को पाकिस्तान यात्रा की भी समीक्षा की जा रही है।

लद्दाख में हिंसा और गृह मंत्रालय का आरोप

हाल ही में वांगचुक ने लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर 10 सितंबर से भूख हड़ताल शुरू की थी। इस बीच बुधवार (24 सितंबर, 2025) को क्षेत्र में 1989 के बाद सबसे गंभीर हिंसा हुई, जिसमें युवाओं ने भाजपा मुख्यालय और हिल काउंसिल पर हमला किया और वाहनों को आग के हवाले कर दिया।

वांगचुक बोले- मुझे बनाया जा रहा 'बलि का बकरा'

इधर, वांगचुक ने लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के लिए गृह मंत्रालय द्वारा उन्हें जिम्मेदार ठहराए जाने को 'बलि का बकरा' बनाने की रणनीति बताया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य हिमालयी क्षेत्र की मूल समस्याओं से निपटने से बचना है। वह कड़े जन सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तारी के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया, ये कहना कि यह हिंसा मेरे या कांग्रेस द्वारा भड़काई गई थी, समस्या के मूल से निपटने के बजाय बलि का बकरा ढूंढ़ने जैसा है। इससे कोई हल नहीं निकलेगा। वांगचुक ने कहा, वे किसी को बलि का बकरा बनाने की चालाकी कर सकते हैं, लेकिन वे बुद्धिमान नहीं हैं। इस समय, हम सभी को 'चतुराई' की बजाय बुद्धिमत्ता की आवश्यकता है, क्योंकि युवा पहले से ही निराश हैं। जलवायु कार्यकर्ता ने कहा, मैं देख रहा हूं कि वे कुछ ऐसा मामला बना ▶▶| शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

2.46 करोड़ की धोखाधड़ी इंजीनियर गिरफ्तार

पुणे। पुणे पुलिस ने एक निजी विश्वविद्यालय के साथ 2.46 करोड़ रुपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी के आरोप में ब्रिटेन स्थित विश्वविद्यालय से मानद उपाधि हासिल करने वाले तेलंगाना के एक अभियंता को गिरफ्तार किया है। विश्वविद्यालय ने सितंबर के पहले सप्ताह में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि एक ऑनलाइन जालसाज ने संस्थान से कथित तौर पर 2.46 करोड़ रुपये की ठगी की है।

बस-ट्रक की टक्कर में पांच लोगों की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक ट्रक और बस की टक्कर में दो महिलाओं समेत कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 520 पर पूर्वाह्न करीब 11 बजे के. बालिंग थाने के पास हुई। उन्होंने कहा, दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

कुवैत के बैंक ने केरल की 13 नर्स पर कराए केस

कोच्चि। पुलिस ने केरल की उन 13 नर्स के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं, जिन्होंने कुवैत में काम करने के दौरान इस खाड़ी देश के अल अहली बैंक से लिया ऋण नहीं चुकाया। इससे पहले, एक अन्य वित्तीय संस्थान गल्फ बैंक ने केरल पुलिस से संपर्क किया था, जिसके परिणामस्वरूप दिसंबर 2024 में 10 मामले दर्ज किए गए थे। 13 नर्स ने कुल 10.33 करोड़ रुपए का ऋण नहीं चुकाया।

जमकर बारिश, मुसीबत भी जमकर

सूखा नदी उफान, स्कूल तक पहुंचना मुश्किल

मैनपुर। अमलीपदर हाईस्कूल, हायर सेंकेंडरी स्कूल तक उसरीजोर, गुढ़ियारी समेत दर्जनभर गांवों के बच्चों का स्कूल तक पहुंचना तपस्या से कम नहीं है। इनके लिए बड़ी बाधा सूखा नदी है, जो लगातार बारिश से ऊफान पर है। पुल नहीं है, मंजूरी के बावजूद अधूरा पड़ा हुआ है इसलिए बच्चों को नदी पार कर स्कूल पहुंचना होता है। चिंतित परिजन किसी तरह बच्चों को इस पार से उस पार तक का सफर तय कराते हैं। ▶▶| शेष पेज 5 पर

कोयलीबेड़ा इलाके में भी ऐसे ही हालात

कोयलीबेड़ा ब्लॉक के अंजाड़ी गांव के नेलडोडा नदी भी बारिश में लबालब है। इलाके में दो दिनों से बारिश हो रही है। यहां भी पुल की समस्या पढ़ने वाले बच्चों के लिए ही नहीं, पूरी ग्रामीण आबादी के लिए मुसीबत बनी हुई है। इस इलाके के लोग पुल पुलिया की मांग कर रहे हैं ताकि उनके बच्चे सुरक्षित स्कूल आना जाना कर सके। बच्चों की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर डाली गई है।

'झोलाछाप' इलाज, इंजेक्शन से बच्चे की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलरामपुर

झोलाछाप द्वारा लगाए गए इंजेक्शन से एक मासूम बच्चे की मौत हो गई। पैर में हुए घाव के लिए परिजन दवाई लेने के लिए मेडिकल दुकान में गए हुए थे। इस दौरान उनसे घाव सूखने के नाम पर इंजेक्शन लगाया, जिससे बच्चे की तबियत बिगड़ गई। बच्चे को आनन फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि नगर के वार्ड क्रमांक 8 निवासी 7 वर्षीय अनमोल एक्का आ. जितेंद्र एक्का के पैर में घाव हुआ था। ▶▶| शेष पेज 5 पर

पैर के जख्म के इलाज के लिए लाए थे परिजन

की जाएगी कार्रवाई

दवा दुकान में इंजेक्शन लगाने के बाद बच्चे के मौत की शिकायत मिली है। मामले की जांच के निर्देश दिए गए है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।
-डॉ. बसंत सिंह, सीएमएचओ

हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम से जुड़े मामले की सुनवाई

नि:संतान हिंदू विधवा की संपत्ति पर ससुराल वाले का हक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि निःसंतान हिंदू विधवा की मौत हो जाने के बाद उसकी संपत्ति का मालिकाना हकदार मायके वालों के बजाय ससुरालवाले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंदू विवाह में शादी के बाद महिला का गोत्र बदल जाता है। यह परंपरा हजारों सालों से चली आ रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को दी गई चुनौतियों पर विचार करते समय सावधानी बरतेगा। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ 1956 अधिनियम के तहत उत्तराधिकार के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा, हिंदू समाज की जो ▶▶| शेष पेज 5 पर

अधिवक्ता सिब्बल बोले- महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण प्रावधान

याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि चुनौती दिए गए प्रावधान महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण हैं। सिब्बल ने कहा कि महिलाओं को केवल परंपराओं के कारण समान उत्तराधिकार के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

सॉलिसिटर की ऐसी दलील

केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज ने अधिनियम का बचाव करते हुए कहा कि यह समुचित ढंग से तैयार किया गया अधिनियम है। आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता 'सामाजिक ढांचे को नष्ट' करना चाहते हैं।

क्या है मामला

शीर्ष अदालत के समक्ष विचारणीय मुद्दा हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 15 और 16 है। यह बिना वसीयत के या बिना वसीयत के मरने वाली हिंदू महिलाओं की संपति के हस्तांतरण को नियंत्रित करती है। अधिनियम की धारा 15 के अनुसार, जब किसी हिंदू महिला की बिना वसीयत के मृत्यु हो जाती है, तो उसकी संपति उसके माता-पिता से पहले उसके पति के उत्तराधिकारियों को मिलती है।

खबर संक्षेप

बस पलटने से मासूम बच्ची की चली गई जान

नगरी। धमतरी-नगरी स्टेट हाईवे में गुरुवार की दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार डीआरडी कंपनी की यात्री बस धमतरी से नगरी की ओर आ रही थी, दोपहर लगभग 12:30 बजे खड़ादाह गांव के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के समय बस में करीब 15 से 20 यात्री सवार थे। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि बस के नीचे दबने से एक मासूम बच्ची की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं बस में सवार कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों और 108 एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

भालू ने किसान पर हमला किया, अस्पताल में भर्ती

मैनपुर। गुरुवार सुबह मैनपुर वन परिक्षेत्र के गोपालपुर गाँव में एक किसान पर भालू ने हमला कर दिया। किसान, जो अपने धान के खेत की ओर जा रहा था, अचानक भालू के सामने आ गया, जिसने उसके हाथ को बुरी तरह काट दिया। घटना की जानकारी मिलने पर, ग्रामीणों ने घायल किसान को तुरंत मैनपुर अस्पताल पहुंचाया, जहाँ उसका इलाज चल रहा है। हमला होते ही किसान जोर से चिल्लाने लगा, जिससे भालू डरकर वापस जंगल की ओर भाग गया। घायल किसान की पहचान गोपालपुर के रहने वाले धनेश (52) के रूप में हुई है। वन परिक्षेत्र अधिकारी छबिलाल ध्रुव ने पीड़ित को तत्काल आर्थिक सहायता दी।

बिना बिजली कनेक्शन के लगा दिया गया प्रोजेक्ट, एक भी दिन नहीं हुआ रन, मशीनें हुईं चोरी

8 साल पहले लापरवाही की भेंट चढ़ी इंसिनेटर मशीन, फिर से करोड़ों खर्च करने की तैयारी

डॉ. संदीप उपाध्याय ▶▶| भिलाई

नगर निगम ने 8 साल पहले अहिरवारा विधानसभा अंतर्गत सेमरिया ग्राम पंचायत में मवेशियों के शव को बर्न करने के लिए 67 लाख रुपए की लागत से एक इंसिनेटर मशीन लगाई थी। मशीन तो लग गई, लेकिन बिजली व्यवस्था नहीं होने से प्रोजेक्ट एक भी दिन नहीं चला। पिछले 8 सालों में यहां की सभी मशीनें चोरी हो गईं हैं। अब निगम फिर से यहां करोड़ों रुपए खर्च करके इस प्रोजेक्ट को चालू कर रहा है।

खास खबर

निगम अंतर्गत बागडूमर से लगे सेमरिया गांव में निगम ने जमीन के दो बड़े पैच को अपने नाम पर लिया था। एक जमीन का पैच करीब 34 एकड़ और दूसरा 39 एकड़ का था। कुल 75 एकड़ शासकीय जमीन को लेकर साल 2016-17 में वहां 67 लाख रुपए की लागत से जानवरों के शव को जलाने के लिए शवदाह गृह इंसिनेटर मशीन लगाई थी। शेष जमीन में अवारा मवेशियों को रखने के लिए गौठान बनाने की योजना थी। इस प्रोजेक्ट को इतनी जल्दबाजी में आमलीजामा पहनाया कि जिस जगह प्रोजेक्ट लगाया जा रहा है उसे रन करने के लिए वहां बिजली की सुविधा है कि नहीं। निगम के अधिकारियों ने रायपुर के संजय मिश्रा को कंसलटेंट एजेंसी बनाया। संजय मिश्रा ने अमरावती प्राइवेट लिमिटेड गुड़गांव की कंपनी से मशीन मंगाई और प्रोजेक्ट को लगा दिया। जब मशीन को चालू करने की बारी आई तो पता चला कि वहां बिजली ही नहीं है। इसके बाद कंपनी मशीन फिट करके चली गई और वह एक दिन भी नहीं चला।

बिजली व्यवस्था के खर्च को देख निगम ने खड़े किए हाथः इस प्रोजेक्ट को निगम के तत्कालीन ईई पीके देवांगन, एई वेशराम सिन्हा और सब इंजीनियर कुलदीप गुप्ता की देखरेख में शुरू किया गया। जब उन्होंने मशीन लग जाने के बाद बिजली और ट्रांसफार्मर का खर्च बिजली विभाग से मांगा तो पता चला कि इसमें दो करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इतना बड़ा बजट देखकर निगम के अधिकारी डर गए और उन्होंने प्रोजेक्ट को चोरों के भरोसे लावारिश छोड़ दिया।

अब फिर से प्रोजेक्ट शुरू करने की तैयारी

निगम के इंजीनियर अर्पित बंजारे ने बताया कि फिर से इस प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निर्देश दिए हैं। जोन 2 को इसके सर्वे का काम दिया गया है। वहां बिजली व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्था को देखने और बजट बनाने का काम दिया गया है।

चोरी हो गईं सभी मशीनें जमीन पर हुआ कब्जा

निगम ने जो 67 लाख रुपए की लागत से प्रोजेक्ट लगाया था उसकी सभी मशीनों को नशेड़ी और आवारा किस्म के लोगों ने चोरी कर लिया है। स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने बताया कि उन्होंने भी वहां निरीक्षण के दौरान पाया है कि मशीनें चोरी हुई हैं और कुछ जमीन पर कब्जा हुआ है। निगम की टीम जल्द कब्जा हटाकर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाएगी।

रायपुर में दो नक्सली गिरफ्तार, इनमें एक महिला शामिल

गिरफ्तार नक्सली बीजापुर से इलाज कराने आया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) की टीम ने आंबेडकर अस्पताल में उपचार कराने आए बीजापुर के एक महिला नक्सली सहित दो को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना के आधार पर एसआईए ने दोनों नक्सली को गिरफ्तार किया है। एसआईए को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक महिला नक्सली लंबे अरसे से पहचान छिपाकर डीडीनगर में किराए पर मकान लेकर रह रही थी। दोनों नक्सलियों को एसआईए ने मंगलवार को गिरफ्तार कर पूछताछ करने के बाद कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल कर दिया है। गिरफ्तार नक्सली किस कैडर के हैं इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई है।

बताया जा रहा है गिरफ्तार नक्सलियों का नाम जग्गू तथा कमला है। कमला के रायपुर में होने की जानकारी मिलने के बाद जग्गू उसके बारे में जानकारी हासिल कर कमला के घर में रहकर अस्पताल में अपने पथरी का इलाज करा रहा था। सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में कमला का लीडर मारा गया था। इसके बाद कमला बुरी तरह से डर गई और वह छिपते-छिपाते रायपुर आ गई। कमला रायपुर में अपना पहचान छिपाकर रहने लगी। नक्सलियों से पूछताछ में एसआईए को क्या जानकारी मिली है, आने वाले दिनों में एसआईए इस संबंध में खुलासा कर सकती है।

पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

गोंडाहुर थाना क्षेत्र में बाईक सवार को पिकअप के चालक ने ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, जिसमें बाईक चालक की मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही पुलिस विस्तृत जानकारी जुटा रही है। जानकारी के अनुसार पीव्ही 52 निवासी रंजन मंडल पिता सुकुमार मंडल 25 सितंबर को दोपहर 1 बजे के बाद अपनी मोटर सायकल से अपने व्यक्तिगत कार्य के लिए जा रहे थे, उसी दौरान पिकप वाहन के चालक ने लापरवाही ढंग से पिकप को चलाते हुए बाईक को ठोकर मार दिया, जिससे बाईक चालक रंजन मंडल की मौके पर मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के समय पिकअप वाहन बेहद तेज गति से आ रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक बाईक से कुछ दूर जा गिरा। पिकप वाहन चालक की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ। घटनास्थल पर खड़े कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि वाहन चालक पीव्ही 53 निवासी विपरोजित सरकार पिता विष्णु सरकार था, जो एक्सीडेंट के बाद पिकप को छोड़कर रफूचक्कर हो गया। घटना की खबर मिलते ही पीव्ही 52 और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है।

घटना की खबर मिलते ही गोंडाहूर पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पीएम के लिए भेजा।

सीसी मेंबरों की मौत को नक्सलियों ने बताई 'हत्या'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

माड़ मुठभेड़ में मारे गए सीसी मेंबर कट्टा रामचंद्र रेड्डी उर्फ राजू दादा और कादरी सत्यनारायण रेड्डी उर्फ कोसा दादा के एनकाउण्टर को नक्सलियों की दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी ने फर्जी करार दिया है। पत्र में बताया कि पुलिस ने इन्हें रायपुर या ऐसे ही किसी अन्य स्थान से पकड़ कर मार दिया और इसे मुठभेड़ बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि 22 सितंबर को नारायणपुर जिले के माड़ इलाके में सुरक्षाबलों ने दोनों ही शीर्ष माओवादी नेताओं को मुठभेड़ में मार गिराया था। मारे गए दोनों शीर्ष नक्सली पिछले तीन दशक से दण्डकारण्य इलाके में सक्रिय थे। कोसा दादा और राजू दादा पर बड़ी संख्या में फोर्स पर

हमला और दर्जनों जवानों व ग्रामीणों की हत्या करने का आरोप है। वहीं दोनों के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद संगठन ने दावा किया कि दोनों नेताओं को पहले गिरफ्तार किया गया,उनसे पूछताछ की गई और फिर योजनाबद्ध तरीके से उनकी हत्या कर दी गई। बाद में इस हत्या को मुठभेड़ का रूप दे दिया गया। प्रेस विज्ञप्ति में पुलिस की ओर से जारी मुठभेड़ की कहानी को झूठ और मनगढ़ंत बताया गया है। आईजी सुंदरराज पी ने हरिभूमि से चर्चा में बताया कि माओवादी संगठन दिशाहीन और टूट चुका है। संगठन में अंदरूनी कलह चरम पर है शीर्ष नेतृत्व में मतभेद है। केन्द्रीय कमेटी के पत्र का स्टेट कमेटी खडंन कर रहा है। अभय व विकल्प के नाम से पत्र जारी कर रहा है। शासन का एजेंडा है कि माओवादियों का खात्मा करना है, सुरक्षाबलों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है और हम जल्द ही टॉरगेट को पूरा करेंगे। शासन की भी स्पष्ट पालिसी है आत्मसमर्पण कर वापस आएं और सामान्य जीवन व्यतीत करें, उनका स्वागत है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

ट्रेन मिसाइल की खासियत

- कम समय में हमलाः मिसाइल का रिएक्शन टाइम बहुत कम
- खोज करना मुश्किल : ट्रेन सामान्य कार्गो की तरह, दुश्मन को पता नहीं चलता
- मल्टी-लॉन्च : एक ट्रेन में कई मिसाइलें रखी जा सकती हैं
- मौसम से बेअसर : कैनिस्टर डिजाइन से बारिश, धूल या गर्मी में भी काम करता है।
- क्लब में एंट्री : अमेरिका, चीन, रूस और नॉर्थ कोरिया जैसे देशों के साथ भारत भी शामिल

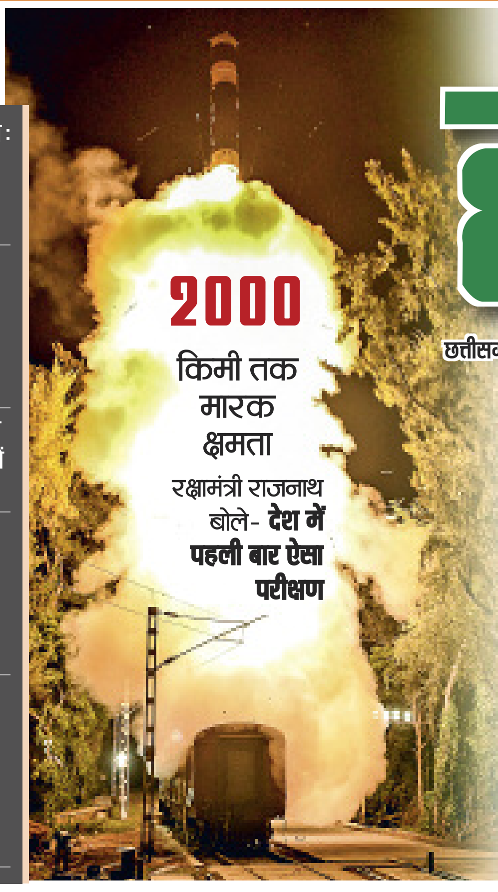

अब चलती ट्रेन से भी होगा दुश्मनों पर अटैक अग्नि-प्राइम मिसाइल का परीक्षण सफल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि को हासिल कर लिया है। देश ने पहली बार रेल पर बने मोबाइल लॉन्चर सिस्टम के जरिए अग्नि प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर टेस्ट रेंज में किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इसे अपनी तरह का पहला परीक्षण बताया है। इस प्रणाली की सबसे ▶▶|शेष पेज 5 पर

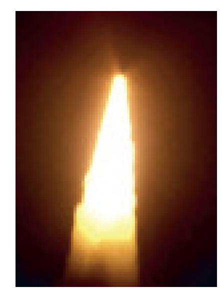

भारत अब इन देशों की सूची में शामिल

भारत से पहले रूस, चीन और उत्तर कोरिया इस तरह से मिसाइल दाग चुके हैं। 1980 के दशक में सोवियत संघ ने आरटी-23 मोलोडेट्स मिसाइल का परीक्षण किया था।

रेल लॉन्च प्रणाली क्या

आसान भाषा में समझें, तो भारत ने पहली बार ट्रेन पर लादकर मिसाइल दागी है। इसके लिए पटरियों पर चलने वाले रेल डिब्बे के आकार का एक विशेष लॉन्च पैड बनाया गया।

कैसे बढ़ेगी भारत की ताकत?

- इस तकनीक के जरिए न सिर्फ मिसाइलों की गतिशीलता बढ़ेगी, बल्कि उन्हें दुश्मन की सैटेलाइट से छिपाया भी जा सकेगा।
- इससे दुश्मन के लिए लॉन्चिंग पैड और मिसाइलों को ट्रैक करना मुश्किल होगा। मिसाइलों को ट्रेन में रखकर सुरंगों के भीतर भी छिपाया जा सकेगा।
- मिसाइलों की भंडारण क्षमता भी मजबूत होगी, क्योंकि आमतौर पर दुश्मन उन सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हैं जहां मिसाइलें रखी जाती हैं।

62 वर्ष का गौरवशाली सफर मिग-21 की आज विदाई

चंडीगढ़। छह दशकों से भी अधिक समय से भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की ताकत रहे प्रसिद्ध रूसी लड़ाकू विमान मिग-21 शुक्रवार को यहां आयोजित होने वाले एक समारोह में सेवामुक्त हो जाएंगे। मिग-21 विमानों के संचालन का आधिकारिक समापन 26 सितंबर को चंडीगढ़ में एक औपचारिक फ्लाईपास्ट और विदाई समारोह के साथ होगा, जहां इस प्रतिष्ठित विमान को 62 साल ▶▶|शेष पेज 5 पर

आखिरी उड़ान में दिखेगी नारी शक्ति

मिग-21 सुपरसोनिक फाइटर एयरक्राफ्ट शुक्रवार को अपनी आखिरी उड़ान भरेगा। इस ऐतिहासिक पल में भारतीय वायुसेना में नारी शक्ति की बढ़ती ताकत भी दुनिया को दिखेगी।

प्रधानमंत्री ने 2025 में बड़े आर्थिक सुधार की घोषणा की, कांग्रेस पर भी साधा निशाना

जीएसटी में अभी और होगी कटौती, पीएम ने दे दिए संकेत, कहा- हम रुकने वाले नहीं

जीएसटी पर अभी और कटौती होगी? इसके संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में जीएसटी में और सुधार होंगे। पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा कि 2025 में प्रमुख सुधार किए जाएंगे, साथ ही उम्मीद जताई कि जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी, लोगों पर टैक्स यानी कर का बोझ कम होता जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार कहा कि देश में वर्तमान में सुधारों के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति है। साथ ही उसके पास लोकतांत्रिक और राजनीतिक स्थिरता भी है। पीएम मोदी ने उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन किया। समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीएसटी में संरचनात्मक सुधार देश की विकास गाथा को नई उड़ान देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने करों में उल्लेखनीय कमी की है, महंगाई पर लगाम लगायी ▶▶|शेष पेज 5 पर

- अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का किया उद्घाटन

कांग्रेस शासनकाल में 'टैक्स की लूट'

प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए झूठ फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में 'टैक्स की लूट' मची थी। उन्होंने कहा, नए जीएसटी रिफॉर्म से गरीब नव मध्यम वर्ग, मध्यम वर्ग सब की बचत हुई है लेकिन इसके बावजूद कुछ राजनीतिक दल देश के लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

सरकार की गिनाई उपलब्धियां

पीएम मोदी ने कहा कि यह हमारी सरकार है जिसने कर को बड़े पैमाने पर कम किया है, महंगाई कम की है। हमने देश के लोगों की आमदनी बढ़ाई है और बचत भी बढ़ाई है। भारत वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, वैश्विक व्यवधानों और अनिश्चितता के बावजूद भारत का विकास आकर्षक बना हुआ है। व्यवधान भारत को भटकाते नहीं हैं, बल्कि नई दिशाएं दिखाते हैं। इन चुनौतियों के बीच भारत आने वाले दशकों के लिए एक मजबूत नींव रख रहा है।

देश में बने हर उत्पाद

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत को आत्मनिर्भर बनना होगा। हर उत्पाद भारत में ही बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित उद्यमियों और व्यापारियों से ऐसे व्यावसायिक मॉडल तैयार करने का आह्वान किया जो भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करें। मोदी ने कहा कि सरकार 'मेक इन इंडिया' और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है।

चिप से लेकर शिप तक

पीएम मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक प्रमुख सेमीकंडक्टर सुविधा का संचालन शुरू होने वाला है। यह सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को भी मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के सशस्त्र बल स्वदेशी समाधान चाहते हैं और उनका लक्ष्य बाहरी निर्भरता को कम करना है। उन्होंने इस बदलाव में उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए कहा, भारत में हम एक जीवंत रक्षा क्षेत्र विकसित कर रहे हैं।

हादसे पर नया खुलासा

स्टंटबाजी में नाबालिग ने कुचला था पदयात्री को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई/राजनांदगांव

हरिभूमि फॉलोअप

डोंगरगढ़ में माता बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए पदयात्रा कर जा रही हाउसिंग बोर्ड भिलाई निवासी महिमा साहू को ठोकर मार कर मौत की नींद सुलाने वाली थार के मामले में नया खुलासा हुआ है, थार नाबालिग चला रहा था। इतना ही नहीं, वह अपने दोस्तों को स्टंट दिखा रहा था, पुलिस के मुताबिक वह दोस्तों को मौज-मस्ती के लिए यह दिखाने की कोशिश कर रहा था कि उसकी ड्राइविंग कितनी अच्छी है। तेज रफ्तार के साथ अनियंत्रित ▶▶|शेष पेज 5 पर

सीसीटीवी कैमरे की मदद से हुई आरोपियों की पहचान

पुलिस ने घटना के बाद सीसी कैमरा खंगाला। इसके बाद कई तथ्य सामने आए। जांच में पता चला है कि थार मालिक भिलाई निवासी रजत सिंह है, वाहन को ट्रांसपोर्टर नयन सिंह किराए पर लिया था। उसने नाबालिग को थार दी थी। नाबालिग अपने दोस्तों के साथ डोंगरगढ़ जाने का प्लान तैयार किया था।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife Stand a chance to win 100% Cashback | 24 Carat Gold Coin and many more assured benefits*

Additional offers on Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. *Fastest compared to all air-cooled engine motorcycles in the 125cc segment as per internal testing. **66 km/l with E5 petrol under standard tests; mileage may vary. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price and GST benefits are applicable in Chhattisgarh. Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. T&C apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो 9289922351, आसरा हीरो 9289922864, राजधानी हीरो 9289922414, राजनांदगांव: जय हीरो 9289922357, धमतरी: सत्येन हीरो 9289922525, कांकेर: राहुल हीरो 9289922834, महासमुंद: कस हीरो 9289922623, बलौदाबाजार: अग्रवाल हीरो 9289922959, आरंग: श्री राम हीरो 9289922968, बेमेतरा: श्री साई हीरो 9289922835, कवर्धा: सरस्वती हीरो 9289922958, जगदलपुर: ... हीरो 9289923064, दंतेवाड़ा: ... हीरो 9289922990, खैरागढ़: ... हीरो 9289922983, भाटापारा: ... हीरो 9289923052, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, ... मोटर्स, 9289233817, दुर्ग: ... हीरो 9289923114, ... हीरो (स्टेशन रोड) 7000595300, ... 9289924245, 0771-4266555, ... 8770383767, ... 6261536855, ... 9754069392, ... 9926601111/ 9340379300, ... 8462900028/9340005833 ... 8349484458 / 7224880123, ... 9755583102, ... 9179036073, ... 9325529033, ... 9425240565, ... 9165525555/9009866899 ... 9977280000, ... 9424212141, ... 9425513611, ... 8085160380, ... 9340335286, ... 8109502100, ... 9893492107, ... 9131058752, ... 9131794017/9993861888, ... 9425596290, ... 9893199247, ... 9754069392, ... 9425594144, ... 6260472026, ... 9425611973, ... 9425583502, ... 9301361156, ... 8319358443, ... 9977166056, ... 9893542300/ 8720051135, ... 9826386346, ... 9993417123, ... 9977737000 / 9300093200, भिलाई-3: ... 8109100019, ... 8305711110/ 9993454103, ... 8085053343 / 7898813343, ... 9303664769, ... 6261421161,, ... (...) 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला) ... 0788-4911301, 8305597651, ... 7697868545/0771-4000233, ... 2274333/666, ... 0771-2420037, ... 2226732/7474. Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुर: ... हीरो 9285052265, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, खैरागढ़: लक्ष्मी हीरो 9289922983.

SAATCHI & SAATCHI

दुश्मन को 200 किमी दूर पकड़ता है मार्क-1ए तेजस

आईएएफ को मिलेंगे 97 विमान, ताकत होगी दोगुनी

हॉल के साथ 62,370 करोड़ की मेगा डील

यह प्रोजेक्ट जोड़ेगा 105 भारतीय कंपनियों को

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली। भारत की रक्षा ताकत को नई ऊंचाई देने वाला एक बड़ा कदम गुरुवार को उठा। रक्षा मंत्रालय (एमओडी) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (हॉल) के साथ 62,370 करोड़ रुपये का सौदा साइन किया। यह सौदा 97 लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) एमके1ए यानी तेजस के लिए है। इनमें 68 सिंगल-सीट वाले लड़ाकू विमान और 29 डबल-सीट वाले ट्रेनर शामिल हैं। साथ में जरूरी उपकरण भी मिलेंगे। यह खरीद 'बाय (इंडिया-आईडीडीएम)' कैटेगरी के तहत है, जो पूरी तरह स्वदेशी है। डिलीवरी 2027-28 से शुरू होकर 6 साल में पूरी होगी। इससे भारतीय वायुसेना (आईएएफ) को मजबूत प्लेटफॉर्म मिलेगा और 'आत्मनिर्भर भारत' को बल मिलेगा।

भारत की रक्षा ताकत को नई ऊंचाई देने वाला बड़ा कदम

यह सौदा 'मेक इन इंडिया' को देगा बढ़ावा

अर्थव्यवस्था और नौकरियों को बूस्ट

यह प्रोजेक्ट 105 भारतीय कंपनियों को जोड़ेगा। वे डिटेल्ड पार्ट्स बनाएंगी। 6 साल में हर साल 11,750 डायरेक्ट और इंडायरेक्ट नौकरियां पैदा होंगी। हॉल के शेयर 2% ऊपर चढ़ गए। एयरोस्पेस इकोसिस्टम मजबूत होगा। **MSME** और एकेडेमिया को फायदा।

1983 से शुरू हुई कहानी

एलसीए तेजस कार्यक्रम की शुरुआत 1980 के दशक में हुई। 1983 में भारत सरकार ने एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) को प्रोजेक्ट सौंपा। इसका मकसद था रूस के पुराने मिग-21 को बदलना। 2001 में पहली उड़ान भरी गई। 2003 में नाम पड़ा 'तेजस'। 2015 में आईएएफ को पहला उत्पादन मॉडल मिला। 2016 में पहला ऑपरेशनल तेजस सौंपा गया। लेकिन देरी हुई – टेक्नोलॉजी चैलेंजेस और फंडिंग की वजह से। फिर भी, भारतीय वैज्ञानिकों ने एवियोनिक्स और रडार खुद बनाए। आज तेजस 4.5 जेनरेशन का मल्टीरोल फाइटर है, जो हवा-हवा, हवा-जमीन और रेकॉन मिशन कर सकता है। 2006 में 20 तेजस का ऑर्डर मिला, 2021 में 83 और तेजस एमके1ए के लिए 48,000 करोड़ का सौदा हुआ। अब यह 97 का तीसरा बड़ा ऑर्डर है। कुल 220 विमान आईएएफ को मिलेंगे।

आईएएफ के लिए रणनीतिक महत्व

पुराने मिग-21 रिटायर हो रहे हैं। तेजस एमके1ए से नई स्क्वाड्रन बनेंगी। यह स्वदेशी फाइटर दुश्मन (पाकिस्तान, चीन) के खिलाफ मजबूत होगा। सरकार का फोकस इंडिजेनाइजेशन पर है। डिफेंस एक्विजिशन प्रोसीजर 2020 के तहत यह सौदा 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देगा।

एमके1ए में यह है खास

तेजस एमके1ए तेजस का सबसे एडवांस वर्जन है। यह सिंगल-इंजन, डेल्टा विंग वाला विमान है। इसमें हॉरिजॉन्टल टेल नहीं है, लेकिन फिन लगा है। खाली वजन करीब 5,450 किलोग्राम, अधिकतम टेकऑफ वजन 13,500 किलोग्राम। इंजन जीई एफ404-आईएन20 है, जो 85 केएन थ्रस्ट देता है। अधिकतम स्पीड 1.6 मैक (लगभग 1,900 किमी/घंटा)।

मुख्य फीचर्स

- उत्तम एईएसए रडारः एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरे. दुश्मन को 200 किमी दूर पकड़ता है। मल्टी-टारगेट ट्रैकिंग।
- स्वयं रक्षा कवचः इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, दुश्मन रडार से बचाता है।
- कंट्रोल सरफेस एक्ट्यूएटर्स : बेहतर मैन्यूवरिंग।
- स्वदेशी कंटेंटः 64% से ज्यादा. पहले सौदे से 67 नई चीजें जोड़ी गईं।

अन्यः डिजिटल फ्लाई-बाय-वायर, हेलमेट माउंटेड डिस्प्ले, मिड-एयर रिफ्यूलिंग. हल्का वजन (6,560 किग्रा), एडवांस एवियोनिक्स, स्टेल्थ फीचर्स। यह विमान आईएएफ की ऑपरेशनल जरूरतें पूरी करेगा। बालाकोट जैसे मिशनों में उपयोगी।

खबर संक्षेप

बीजेपी दबा रही लोगों की आवाज : केजरीवाल

लेह। लद्दाख लेह में बुधवार को एक 'शांतिपूर्ण बंद' ने हिंसक रूप ले लिया। यह हिंसा राज्य के दर्जे और छठी अनुसूची में शामिल किए जाने सहित संवैधानिक सुरक्षा उपायों की बढ़ती मांग के बीच भड़की। आंदोलनकारियों ने बीजेपी दफ्तर को आग के हवाले कर दिया, पुलिस से झड़प भी हुई। अब इस मामले पर सियासत भी शुरू हो गई है। वामपंथी दलों ने आग के लिए मोदी सरकार को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया है।

शाहरुख-गौरी के खिलाफ वानखेड़े ने किया केस

मुंबई। शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। आईआरएस समीर वानखेड़े ने उनके खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में मानहानि का केस दर्ज कराया है। वानखेड़े का आरोप है कि नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में उनकी व्यक्तिगत और पेशेवर छवि को नुकसान पहुंचाया गया है।

सहमति से यौन संबंध पर नवंबर में सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नाबालिगों के लिए सहमति से यौन संबंध बनाने की वैधानिक आयु से जुड़े मुद्दे की सुनवाई 12 नवंबर से करेगा। जस्टिस विक्रम नाथ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि हम चाहेंगे कि यह मामला एक बार शुरू होकर निरंतर चले, न कि टुकड़ों में। केंद्र सरकार ने 18 वर्ष की आयु को सहमति की वैधानिक सीमा बनाए रखने का समर्थन किया है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के माध्यम से दाखिल लिखित दलीलों में कहा गया कि यह निर्णय 'सावधानीपूर्वक और विचारपूर्वक' लिया गया नीति विकल्प है, जिसका उद्देश्य नाबालिगों को यौन शोषण से बचाना है।

बिहार चुनाव से शुरू होगा वोटों की गिनती का नया सिस्टम

मतगणना प्रक्रिया में बड़ा बदलाव

पूरे पोस्टल बैलेट गिनने के बाद ही अब ईवीएम के आखिरी राउंड की काउंटिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने डाक मतपत्रों की गिनती की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर दिया है। अब गिनती के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने से पहले ईवीएम की गिनती का अंतिम चरण शुरू न हो।

अब तक प्रचलन यह था कि गिनती के दिन सुबह 8 बजे डाक मतपत्रों की गिनती शुरू होती थी और सुबह 8:30 बजे ईवीएम की गिनती। पहले के नियमों के मुताबिक, ईवीएम की गिनती डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने से पहले भी खत्म हो सकती थी। हालांकि, अब आयोग ने तय किया है कि ईवीएम की गिनती का दूसरा अंतिम चरण तभी शुरू होगा जब डाक मतपत्रों की गिनती पूरी हो जाएगी।

इस साल के आखिर में होने हैं यहां विधानसभा चुनाव

पारदर्शिता और भरोसा का दावा

नई व्यवस्था का पहला प्रयोग बिहार विधानसभा चुनावों में होगा, जो नवंबर में होने जा रहे हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इससे गिनती प्रक्रिया अधिक एकरूप और पारदर्शी बनेगी। इससे मतदाताओं और उम्मीदवारों के बीच किसी भी तरह के भ्रम की स्थिति नहीं रहेगी। चुनाव आयोग का मानना है कि इस नए कदम से चुनावी प्रक्रिया पर जनता का भरोसा और मजबूत होगा।

डाक मतपत्रों की संख्या बढ़ी

आयोग ने बताया कि हाल ही में दिव्यांग मतदाताओं और 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए घर से मतदान की सुविधा शुरू की गई है। इसके चलते डाक मतपत्रों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में गिनती की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना बेहद जरूरी हो गया है। चुनाव आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि जिन निर्वाचन क्षेत्रों में डाक मतपत्रों की संख्या अधिक होगी, वहां पर्याप्त संख्या में टेबल और गिनतीकर्मी लगाए जाएं। इसका उद्देश्य गिनती में देरी को रोकना और प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है।

बिहार में प्रधान बने बीजेपी के चुनाव प्रभारी, मौर्य-पाटिल को भी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज : नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने बिहार और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को लेकर संगठन में अहम जिम्मेदारियों का बंटवारा कर दिया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को इस संबंध में नियुक्ति पत्र जारी किया है। बिहार विधानसभा चुनाव की कमान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को सौंपी गई है। उन्हें प्रदेश चुनाव प्रभारी बनाया गया है। उनके साथ केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को प्रदेश चुनाव सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह, पश्चिम बंगाल में भी नई नियुक्तियां की गई हैं। इसके साथ ही केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का प्रभारी और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को सह प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा तमिलनाडु में भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को प्रभारी और मुरलीधर मोहोल को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

6 अक्टूबर के बाद चुनाव का ऐलान, ईसी ने मुख्य सचिव को भेजा पत्र

बिहार में 6 अक्टूबर के बाद कभी भी चुनाव की घोषणा हो सकती है। बिहार सरकार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत को निर्वाचन आयोग ने पत्र भेजा है। सभी विभागों में ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरा करने का निर्देश दिया गया है। दरअसल निर्वाचन आयोग (बिहार) के पत्र में 6 अक्टूबर तक सभी ट्रांसफर-पोस्टिंग की जानकारी देने की बात कही गई है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि इसके बाद कभी भी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तारीख सामने आ सकती है। 23 सितंबर की तारीख में निर्वाचन आयोग (बिहार) की ओर से यह पत्र जारी किया गया है। पत्र पर विनोद सिंह गुंजियाल का हस्ताक्षर है जो बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी हैं। बता दें कि बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। मुख्य मुकाबला एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच है। हालांकि जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की एंट्री से इस बार का मुकाबला रोमांचक होगा।

कर्नल गद्दाफी से लिया चंदा, पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी को जेल

एजेंसी ▶▶| पेरिस

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को गुरुवार को पेरिस की एक अदालत ने पांच साल की जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने उन्हें लीबिया के तत्कालीन नेता मुअम्मर गद्दाफी से अवैध चुनावी चंदा लेने की आपराधिक साजिश में दोषी पाया है।

आरोप था कि 2007 के राष्ट्रपति चुनाव में सरकोजी ने गद्दाफी से गुप्त सौदा किया था और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़े लीबियाई शासन को समर्थन देने के बदले चुनावी फंडिंग ली थी। जज ने कहा कि यह साबित नहीं हुआ कि गद्दाफी ने सीधे सरकोजी को पैसे भेजे या वह धनराशि उनके चुनाव अभियान तक पहुंची लेकिन अदालत ने माना कि सरकोजी ने लीबिया के साथ अवैध चुनावी सौदेबाजी की। उन्हें अन्य भ्रष्टाचार के आरोपों से बरी कर दिया गया।

5 साल की सजा

सरकोजी को 5 साल जेल की सजा हुई है। अदालत ने उन पर 1 लाख यूरो का जुर्माना भी लगाया है। खास बात यह है कि अपील दायर करने पर भी सरकोजी को जेल जाना ही होगा। सरकोजी ने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि यह मामला राजनीतिक बदले की कार्रवाई है और उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है।

संजय कपूर प्रॉपर्टी विवाद

'बैंक अकाउंट से पैसा गायब' करिश्मा के बच्चों का दावा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संजय कपूर संपत्ति विवाद अभी दिल्ली हाई कोर्ट में लंबित है। करिश्मा कपूर के बच्चों- समायरा और कियान, साथ ही संजय की मां और बहन ने उनकी पत्नी प्रिया सचदेव कपूर के खिलाफ संजय की वसीयत को छुपाने और धोखाधड़ी करने का केस दर्ज कराया है।

गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान, संजय की एक्स वाइफ करिश्मा के वकील ने दावा किया कि दिवंगत बिजनेसमैन ने वसीयत में जिन पैसों का जिक्र किया था वो बैंक अकाउंट से गायब हो गए हैं। उनका कहना है बैंक अकाउंट से सारा पैसा गायब कर दिया गया है, जिसका खुलासा संजय द्वारा छोड़ी गई उनकी कथित वसीयत में किया गया है।

इधर, वसीयत गोपनीय रखनी चाहती है प्रिया

इस मामले में सुनवाई हुई, जिसमें प्रिया ने ये अनुमति मांगी कि वह संजय कपूर की संपत्तियों की सूची सीलबंद लिफाफे में दाखिल कर सकें। सुनवाई के दौरान प्रिया कपूर के वकील ने कहा कि, 'मेरी बस यही मांग है कि वसीयत को सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने की अनुमति दी जाए। ताकि यह जानकारी आम जनता और मीडिया तक न पहुंचे. हालांकि कोर्ट ने उनकी दलील को नकार दिया।

यह है मामला

मालूम हो कि, दिवंगत बिजनेसमैन संजय कपूर की करीब 30,000 करोड़ की संपतियों पर दावा किया जा रहा है। संजय कपूर की अचानक मृत्यु के बाद उनकी संपति पर विवाद खड़ा हुआ. इसके लिए अब उनकी पहली पत्नी, एक्ट्रेस करिश्मा कपूर से हुए बच्चे- समायरा और कियान हालिया पत्नी प्रिया कपूर के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं।

पर्सनैलिटी राइट्स नागार्जुन भी पहुंचे कोर्ट

नई दिल्ली। तेलुगु अभिनेता नागार्जुन ने अपनी तस्वीर, वीडियो और आवाज के तकनीकी दुरुपयोग से बचाव के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। यह याचिका उन्होंने अपने 'पर्सनैलिटी राइट्स' (व्यक्तित्व अधिकारों) की सुरक्षा के लिए दायर की है। नागार्जुन ने आरोप लगाया है कि तमाम वेबसाइट्स उनके नाम का गलत इस्तेमाल कर रही हैं। इसके साथ ही, बिना उनकी इजाजत के टी-शर्ट और दूसरी चीजों पर उनकी फोटो छापी जा रही है। नागार्जुन के वकील ने कोर्ट को बताया कि उनके क्लाइंट ने 95 फिल्मों में काम किया है और उन्हें दो नेशनल और तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड मिल चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एआई जनरेटेड कंटेंट के जरिए यूट्यूब पर तमाम वीडियो डाले गए हैं।

रास डांडिया की धूम...

बिलासपुर। भाटिया फ्यूल्स द्वारा फाउंडेशन क्रिकेट एकेडमी खेल मैदान में रास डांडिया के पहले दिन गुरुवार को मां दुर्गा की आराधना के साथ शहरवासियों ने जमकर गरबा खेला। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए आईएनएच हरिभूमि के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पत्नी कौशल्या देवी भी भाटिया फ्यूल्स के रास डांडिया में शामिल हुईं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में हुई 'तीन गड़बड़ियों' पर भड़के राष्ट्रपति ट्रंप

मेरे खिलाफ हुई साजिश... संयुक्त राष्ट्र को शर्म आनी चाहिए

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब मंगलवार, 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र में भाषण देने पहुंचे थे उनके साथ तीन ऐसी चीज हुई थी जिसे उन्होंने ट्रिपल साजिश करार दिया है- वो जिस एस्केलेटर (खुद चलने वाली सीढ़ी) पर थे वो अचानक रुक गया, भाषण के बीच उनका टेलीप्रॉम्प्टर खराब हो गया और साथ ही साउंड सिस्टम में भी खराबी आई।

अब ट्रंप इसे साजिश करार देते हुए जांच की मांग पर अड़ गए हैं। सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट डालकर ट्रंप ने अपनी नाराजगी दिखाई है। उन्होंने दुर्घटनाओं की श्रृंखला को 'बहुत भयावह' बताया है, लोगों की गिरफ्तार करने की मांग की है और कहा कि खुफिया एजेंसी भी जांच कर रही है।

महासचिव को पत्र लिखकर जांच कराने कहा

यूएन एस्केलेटर कांड की जांच करेगी अमेरिकी एजेंसी

यह कोई संयोग नहीं था

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा, 'यह कोई संयोग नहीं था, यह संयुक्त राष्ट्र में तिहरा सैबोटाज (जानबूझ कर खराबी लाना) था. उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए मैं इस लेटर की एक कॉपी यूएन महासचिव को भेज रहा हूं, और मैं तत्काल जांच की मांग करता हूं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र वह काम करने में सक्षम नहीं है जिसके लिए उसे बनाया गया था।' ट्रंप ने आगे कहा कि एस्केलेटर के रुकने से एक 'वास्तविक आपदा' हो सकता था। उन्होंने कहा, 'यह आश्चर्यजनक है कि मेलानिया और मैं इन स्टील सीढ़ियों के तेज किनारों पर चेहरे के बल नहीं गिरे।'

खुद ट्रंप के स्टाफ मेंबर दोषी?

हालांकि दूसरी तरफ संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि मंगलवार को न्यूयॉर्क में उसके मुख्यालय में ट्रंप से जुड़ीं जो घटनाएं हुईं। वे आकस्मिक थीं कोई साजिश नहीं। उन घटनाओं के लिए आंशिक रूप से व्हाइट हाउस के कर्मचारियों को ही जिम्मेदार ठहराया गया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि ट्रंप के ही एक वीडियोग्राफर ने एस्केलेटर पर 'अनजाने में सेफ्टी फंक्शन शुरू (ट्रिगर) कर दिया होगा। उन्होंने कहा कि टेलीप्रॉम्प्टर के बारे में, हमारे पास कोई टिप्पणी नहीं है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए टेलीप्रॉम्प्टर व्हाइट हाउस ही ऑपरेट करता है।

ट्रंप के साथ क्या हुआ था

वीडियो फुटेज में दिखा था कि जब 79 साल के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी (फर्स्ट लेडी) मेलानिया ट्रंप मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एस्केलेटर पर चढ़ रहे थे, अचानक एस्केलेटर बंद हो गया। उन्हें खुद से सीढ़ी चढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। फिर, जैसे ही उन्होंने अपना भाषण शुरू किया, उनका टेलीप्रॉम्प्टर काम नहीं कर रहा था। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र सभागार में साउंड सिस्टम भी 'पूरी तरह से बंद' था।

'आई लव मुहम्मद' को लेकर गुजरात में बवाल

एजेंसी ▶▶| गांधीनगर

गुजरात के गांधीनगर जिले के एक गांव में अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों ने कई दुकानों तथा वाहनों में तोड़फोड़ की और पथराव किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने बुधवार देर रात हुई झड़प और दंगे के लिए देहगाम तालुका के बहियाल गांव से लगभग 60 लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया कि हमले में चार दुकानें और पांच से छह वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। दरअसल ये पूरा मामला सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट के बाद शुरू हुआ। गांधीनगर के पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वासमसेट्टी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ''सोशल मीडिया पर चल रहे अभियान 'आई लव मुहम्मद' पर एक हिंदू व्यक्ति द्वारा किए गए एक पोस्ट ने अल्पसंख्यक समुदाय को नाराज कर दिया, जिसके कारण हमला हुआ।'' उन्होंने बताया कि बुधवार रात करीब 11 बजे एक बड़े समूह ने व्हाट्सएप पर स्टेट्स लगाने वाले एक व्यक्ति की दुकान का शटर तोड़ा और उसकी दुकान का सामान निकालकर जला दिया।

- **दुकानों में तोड़फोड़ और पथराव 60 हिरासत में**

रायपुर
शुक्रवार, 26 सितंबर 2025
आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्थी
वर्ष : 24, अंक : 71
पृष्ठ : 14+4+4 = 22 मूल्य : 5 .00**

मौसम
अधि. 31.7
न्यून. 23.0

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

स्कूल से आकर बना रहे थे रील, सात डूबे पांच किशोर की मौत

एजेंसी ⏭ गयाजी

बिहार के गयाजी में गुरुवार को सोशल मीडिया के लिए वीडियो शूट करते समय पांच किशोरों की फाल्गु नदी में डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सभी किशोर स्कूल से लौट रहे थे, तभी रील बनाने के चक्कर में नदी के किनारे चले गए और गहरे पानी में चले जाने से यह हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 1.30 बजे खिजरा सराय थाना क्षेत्र के केनिस्थल पहाड़ घाट पर हुई। उसने बताया कि मृतकों की पहचान जैन (14), शुफियाना (16), साजिद (16) और अनस कुमार (17) के रूप में की गई है, जबकि पांचवें की पहचान अभी नहीं हो पाई है। खिजरसराय के थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया, सात लड़के नदी में रील बनाने गए थे। तेज धारा में बह जाने से वे डूबने लगे। मौके पर मौजूद स्थानीय तैराक रंजय मांझी ने नदी में छलांग लगाकर दो बच्चों को बचा लिया। शेष पांच को नहीं बचाया जा सका। उन्होंने बताया कि बचाए गए बच्चों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी स्थिति खतरे से बाहर है। उन्होंने कहा कि मृतकों के शव बाद में नदी से निकाल लिए गए।

6 किशोरों की पहचान : निमचक बथानी अनुमंडल के एसडीएम केशव आनंद ने बताया कि अंचलाधिकारी और थाना अध्यक्ष की पहल पर 6 किशोरों की पहचान हो गई है। इनमें तौसीफ, जासिफ, साहिल, जैम, सूफियान और साजिद शामिल हैं। घटना केनी घाट के समीप हुई। सभी घायल किशोरों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल भेजा गया है।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ की वार्षिक बैठक 30 को, चुनाव भी, आज तय होगी रूपरेखा

वार्षिक बैठक में दिसंबर और जनवरी में प्रस्तावित टी-20 और वनडे इंटरनेशनल मैचों को लेकर होगी विशेष चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ की वार्षिक बैठक और चुनाव की तारीख तय कर दी गई है। बैठक 30 सितंबर को होगी और संघ का चुनाव भी उसी दिन होगा। इससे पहले शुक्रवार को संघ के सदस्यों की एक अहम बैठक रखी गई है, जिसमें पुरानी और संभावित नई कार्यकारिणी को लेकर चर्चा की जाएगी। जानकारी के मुताबिक इस बार संघ की कार्यकारिणी में कुछ बदलाव की संभावना है। कुछ नए चेहरों को भी मौका मिलने की चर्चा है। बैठक में चुनाव की रूपरेखा तय की जाएगी। इंटरनेशनल मैचों की मेज़बानी के बाद छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। ऐसे में वार्षिक बैठक में राज्य को क्रिकेट की दुनिया में नई पहचान दिलाने को लेकर भी चर्चा होगी।

इधर, ओलिंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा आज

छत्तीसगढ़ ओलिंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा बैठक 26 सितम्बर को कार्यालय न्यू सर्किट हाउस रायपुर में शाम 5 बजे से आयोजित की गई है, जिसकी अध्यक्षता विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन करेंगे। इस बैठक में छत्तीसगढ़ ओलिंपिक एसोसिएशन के समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं राज्य खेल संघ के पदाधिकारी सहित जिला ओलिंपिक संघ के पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

इंटरनेशनल मैच को लेकर बनेगी रणनीति

छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ की इस बार की वार्षिक बैठक खास होने वाली है, क्योंकि दिसंबर और जनवरी में प्रस्तावित टी-20 और वनडे इंटरनेशनल मैचों को लेकर इसमें विशेष चर्चा होगी। इन मुकाबलों की सफल मेज़बानी के लिए बेहतर योजना तैयार की जाएगी। साथ ही बैठक में सालभर होने वाले टूर्नामेंट्स के खर्च, व्यवस्थाओं और अन्य एजेंडों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी।

28 सितंबर को प्रभतेज सिंह भाटिया बनेंगे ज्वाइंट सेक्रेटरी

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ से जुड़े प्रभतेज सिंह भाटिया का प्रमोशन बीसीसीआई, भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड में लगभग तय हो चुका है। उन्होंने ज्वाइंट सेक्रेटरी के लिए नामांकन भर दिया है। उन्होंने रविवार को अनौपचारिक बैठक की, ताकि 28 सितंबर को होने वाली वार्षिक आम बैठक से पहले बोर्ड के खाली पड़े पदों के लिए उम्मीदवारों को अंतिम रूप दिया जा सके। जानकारी के मुताबिक जिन लोगों के नामों पर विचार किया गया, उन्हें बैठक में बुलाया गया था। 28 सितंबर को कोषाध्यक्ष से अब श्री भाटिया ज्वाइंट सेक्रेटरी बनेंगे। यह छत्तीसगढ़ के लिए एक और गर्व का क्षण है। श्री भाटिया इस समय में बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष हैं, जो पद छत्तीसगढ़ से पहली बार किसी व्यक्ति को मिला था। अब पुनः उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें ज्वाइंट सेक्रेटरी जैसी बड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। ज्वाइंट सेक्रेटरी का पद विशेष महत्व रखता है, क्योंकि अंडर-19 टीम और भारतीय महिला क्रिकेट टीमों के चयन की प्रक्रिया उनके निर्देशन में होती है। क्रिकेट प्रेमियों को विश्वास है कि उनकी अगवाई में शीघ्र ही छत्तीसगढ़ से खिलाड़ी भारतीय टीम में जगह बना पाएंगे।

हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा को घटाकर की 10-10 साल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

■ रायपुर के फारूख हत्याकांड मामला

हाईकोर्ट ने रायपुर के बहुचर्चित फारूख खान हत्याकांड मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए तीनों आरोपियों की उम्रकैद की सजा को घटाकर 10-10 साल कर दिया है। कोर्ट ने माना कि यह हत्या अचानक हुए झगड़े में गुस्से का नतीजा थी। इसमें कोई साजिश या योजना नहीं थी। रायपुर के बैजनाथपारा में एक शादी समारोह में डीजे पर डांस को लेकर कहासुनी हुई और देखते-देखते गाली-गलौच और धक्का-मुक्की में बदल गई। गुस्से में राजा उर्फ अहमद रजा ने जेब से चाकू निकाला और फारूख खान के सीने पर वार कर दिया। फारूख को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने राजा के साथ उसके साथियों मोहम्मद इश्तेखार और मोहम्मद शाहिद को गिरफ्तार किया। ट्रायल कोर्ट में राजा को हत्या धारा 302 और दोनों साथियों को हत्या में सहभागिता में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने सभी पक्षों की दलीलें सुनी।

सारी सजाएं साथ-साथ चलेंगी

आर्म्स एक्ट में एक साल की सजा पहले जैसी रहेगी और सारी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। कोर्ट ने कहा कि शादी में अचानक शुरू हुए विवाद में कोई पूर्व योजना या हथियारबंद साजिश नहीं दिखती। आरोपित ने एक ही वार किया और घायल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। यह हत्या नहीं बल्कि कुलपेबल होमिसाइड है, इसलिए सजा में राहत दी जाती है।

बांके बिहारी जी के किए दर्शन निधिवन की लगाई 'परिक्रमा'

18 कोच वाली विशेष ट्रेन से मथुरा पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

मथुरा। गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मथुरा पहुंचीं। वह अपने परिवार के साथ ठाकुर बांके बिहारी जी के दर्शन किए। इसके बाद निधिवन पहुंचीं और यहां उन्होंने परिक्रमा लगाई। इस दौरान मथुरा-वृंदावन में सुरक्षा व्यवस्था सख्त रही। राष्ट्रपति मुर्मू 18 कोच वाली विशेष ट्रेन से वृंदावन पहुंचीं। सुबह लगभग आठ बजे दिल्ली से रवाना हुई ट्रेन करीब 10 बजे वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन के 12 कोच केवल राष्ट्रपति और उनके स्टाफ के लिए आरक्षित थे।

भोपाल के यात्री की पैंट में घुस गया था चूहा

एयरपोर्ट पर चूहा कांड में डॉक्टर को हटाया, अस्पताल को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

■ सफाई संभाल रही पेस्ट कंट्रोल कंपनी पर जुर्माना

इंदौर एयरपोर्ट पर चूहे के यात्री को काटने की घटना में मैनेजमेंट एक्शन में आया है। एयरपोर्ट के मेडिकल रूम में तैनात डॉ. हर्षवर्धन सिंह को हटा दिया गया है। उनको नोटिस भी दिया गया है। डॉ. सिंह पर यात्री के इलाज में संवेदनशीलता नहीं दिखाने का आरोप है। इंदौर एयरपोर्ट पर साफ-सफाई का जिम्मा संभाल रही पेस्ट कंट्रोल ऑफ इंडिया (पीसीआई) को नोटिस जारी कर जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही एयरपोर्ट परिसर पर पेस्ट कंट्रोल शुरू कर दिया गया है। एयरपोर्ट डायरेक्टर वीके सेठ ने कहा- पेस्ट कंट्रोल में लापरवाही होने या दोबारा कभी ऐसी घटना होने पर कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट निरस्त किया जाएगा। एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध करवाने वाले अमलतास ग्रुप को नोटिस भी जारी किया है। चेतावनी दी है कि ऐसी घटना दोबारा न हो। गौर हो कि इंदौर एयरपोर्ट की देशभर के हवाईअड्डों में तीसरी रैंकिंग है।

डिपार्चर हॉल में इंतजार के दौरान पैंट में घुसा था चूहा

मामला 23 सितंबर का है। भोपाल के रहने वाले अरुण मोदी इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई 6739 से बेंगलुरु जा रहे थे। उनकी पत्नी साथ थीं। फ्लाइट इंदौर एयरपोर्ट से दोपहर 3 बजकर 5 मिनट उड़ान भरती। मोदी दंपती दोपहर करीब 1 बजे एयरपोर्ट पहुंचे। फ्लाइट में समय बाकी होने के कारण वे एयरपोर्ट के ग्राउंड फ्लोर पर डिपार्चर हॉल में इंतजार कर रहे थे।

चिंतन

स्वदेशी तेजस से मजबूत होगा देश का सुरक्षा तंत्र

महज एक दिन पहले ही अखबारों में सुर्खियां थी कि छह दशक से देश की सुरक्षा प्रणाली का स्तंभ 26 सितंबर को सेवानिवृत्त हो जाएगा। इसके लिए बाकायदा एक समारोह का आयोजन भी होगा जिसमें मिग-21 को विधिवत विदाई दी जाएगी। 1963 में सोवियत यूनियन (अब रूस) से मुम्बई उतरे मिग-21 ने देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाई। साल 1965 और 1971 में पाकिस्तानी हमलों को मुंह तोड़ जवाब देने वाले मिग-21 ने कारगिल युद्ध में विजय दिलाने में खूब योगदान दिया। मिग-21 की सेवानिवृत्ति पर सबसे बड़ा सवाल यही था कि अब उसका स्थान कौन लेगा। वैसे तो देश की वायुसेना के पास एक मिग 29, फ्रांसीसी मिराज और ब्रिटिश जगुआर विमान शामिल हैं। इस बेड़े का अधिकांश हिस्सा विरासत एंटोनोव एएन-32 , डोर्नियर 228 और हॉकर सिडली एचएस 748 विमानों से बना है। इसके बावजूद मुख्य विकल्प को लेकर साफ-साफ कहा जा रहा था कि स्वदेशी तकनीक से बना तेजस ही मिग-21 का उत्तराधिकारी बनेगा। मिग-21 का मुख्य और प्रत्यक्ष विकल्प भारतीय वायुसेना के लिए स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस एमके1ए लड़ाकू विमान है, जिसे हाल ही में वायुसेना में शामिल करने की मंजूरी मिली है। तेजस, अपने आधुनिक एईएसए रडार, अस्त्र मिसाइल और 65 फीसदी स्वदेशी सामग्री के साथ, मिग-21 से कहीं अधिक सुरक्षित और बहुमुखी है। इसके अलावा, भारतीय वायुसेना के पास राफेल और सुखोई जैसे अन्य उन्नत विमान भी हैं जो मिग-21 से कहीं ज्यादा उन्नत हैं। अब रक्षा मंत्रालय ने मिग-21 की विदाई से पहले ही रक्षा तंत्र को मजबूत करते हुए 62,370 करोड़ रुपये की लागत से 97 तेजस मार्क-1ए हल्के लड़ाकू विमानों की सप्लाई करने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ एक बड़े सौदे को औपचारिक रूप दिया है। यह स्वदेशी लड़ाकू विमान प्लेटफॉर्म के लिए अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। वहीं, दुनिया में अमेरिका, रूस, फ्रांस, इजरायल और चीन के पास पांचवीं पीढ़ी के विमान हैं। चीन तो छठी पीढ़ी के जेट भी बनाने का दावा कर रहा है। पांचवीं पीढ़ी की तकनीक सिर्फ अमेरिका, रूस और चीन के पास है। भारतीय वायु सेना को मजबूत करने के लिए एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के मॉडल को भी मंजूरी दे दी है। इस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी को दी गई है। एजेंसी प्राइवेट कंपनियों के साथ मिलकर काम करेगी। इस कॉन्ट्रैक्ट को भारत के लड़ाकू बेड़े के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो पुराने विमानों के कई फेज में रिटायरमेंट से पैदा हुईं खामियों को दूर करेगा। वैसे भी एचएएल ने 13वें सीरीज प्रोडक्शन तेजस एमके-11 की पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। यह उड़ान अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक के कैटेगरी-बी एफ-404 इंजनों से की गई थी। असली एफ-404-आईएन-20 इंजन अभी आने बाकी हैं। बीते दिनों वायुसेना चीफ एपी सिंह ने कहा था कि एक भी सिंगल प्रोजेक्ट टाइम पर पूरा नहीं हो पाया है। इसी को देखते हुए सरकार ने तुरंत सौदे को मंजूरी दे दी है ताकि किसी तरह की देरी न हो। एचएएल का दावा है कि वह अक्टूबर में 83 तेजस जेट विमानों में से पहले दो की डिलीवरी कर देगा। साफ है कि वायुसेना को तेजस मिलने के बाद देश की सुरक्षा अभेद होगी। एक और पाकिस्तान चीन से जे-35ए की खरीद कर रहा है, वहीं दूसरी ओर हम उससे कहीं उन्नत स्वदेशी का निर्माण कर रहे हैं। इससे न केवल हम अपनी सुरक्षा को मजबूत करेंगे बल्कि आत्मिनर्भर भारत का सपना भी पूर्ण होगा।

राष्ट्र-चिंतन
आचार्य श्रीहरि

अरब-मुस्लिम नाटो गठन की विफलता

अरब-मुस्लिम नाटो गठन का सपना अधूरा रह गया। पाकिस्तान, तुर्की और हमास का प्रयास विफल हो गया। कतर खुद पीछे हट गया। इस्लामिक सहयोग संगठन की गोलबंदी भी कोई काम नहीं आई। नाटो जैसा कोई भी अरब-मुस्लिम नाटो सैनिक फोर्स का खड़ा होना मुश्किल है। फिर इजरायल के पक्ष में सैनिक गठबंधन बनेगा, फिर भारत, दक्षिण कोरिया जैसे देश भी अपनी सुरक्षा के लिए इजरायल के साथ सैनिक गठबंधन के लिए मजबूर होंगे। नाटो और अमेरिका भी ऐसी कोई सेना को अपने विरुद्ध मानेगा। फिर पाकिस्तान-तुर्की और हमास जैसी शक्तियां अरब-मुस्लिम नाटों का सपना देखते रहें, यह सपना सच होने वाला नहीं है।

अरब-मुस्लिम नाटो गठन का सपना अधूरा रह गया। पाकिस्तान, तुर्की और हमास का प्रयास विफल हो गया। कतर खुद पीछे हट गया। इस्लामिक सहयोग संगठन की गोलबंदी भी कोई काम नहीं आई। अरब लीग और इस्लामिक सहयोग संगठन क्या सिर्फ हाथी के दांत हैं, गुब्बारे की हवा हैं, मंच पर सिर्फ बैठकर शेखी बघारने वाले संगठन हैं, इनमें शक्ति नहीं हैं, इनमें निर्णय लेने की क्षमता नहीं हैं? क्या ये यूरोपीय देशों की तरह मुस्लिम देशों का अपना कोई सैनिक शक्ति का निर्माण नहीं कर सकते हैं? क्या ये नाटो का विकल्प नहीं बना सकते हैं? इनके पास संगठन हैं, इनके पास दुनिया की सबसे बड़ी आबादी यानी मुस्लिमों का समर्थन है, ये सिर्फ भीखमंगे नहीं हैं, ये सिर्फ गरीब नहीं हैं, ये सिर्फ अर्थव्यवस्थाहीन नहीं हैं, ये सिर्फ अनिर्यातक नहीं हैं, बल्कि ये अमीर हैं, ये शक्तिशाली भी हैं, ये समर्थ भी हैं, इनके पास धन की कोई कमी नहीं है, इनके पास खनिज संपदाओं की कोई कमी नहीं हैं, ये तेल और गैस के निर्यातक भी हैं, संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिकाओं के नियंत्रक भी हैं।

इतना ही नहीं बल्कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक नियामकों में इनकी संख्या और सक्रियता भी हैं शक्तिशाली हैं। फिर ये मुस्लिम अधिकारों को लेकर एकजुटता दिखाने में कमजोर क्यों और कैसे साबित हो जाते हैं? इजरायल के खिलाफ इनकी एकजुटता क्यों नहीं पनप पाती है, अमेरिका के खिलाफ इनकी बोलती क्यों बंद रहती हैं, यूरोपीय देशों के खिलाफ भी ये अपनी भूमिका सर्वश्रेष्ठ और निर्णायक क्यों नहीं बना पाते हैं? क्या अरब लीग और इस्लामिक सहयोग संगठन भविष्य मे मुस्लिमों के अधिकार और भलाई के लिए मजबूत होने के लिए तैयार हैं? ख्याल यह रखना चाहिए कि दुनिया उसी की बात सुनती है, उसी के सामने सिर झुकाती है, उसी की अस्मिता और संप्रभुत्ता का सम्मान करती है जिसके पास शक्ति होती है, जिसके पास मजबूत संगठन होते हैं, जिसकी आबादी अपने अधिकारों के प्रति सक्रिय होती है और शक्ति का प्रयोग करती है। अमेरिका इसी कसौटी को आधार बनाकर दुनिया पर राज करता है। रूस इसी कसौटी पर यूक्रेन की संप्रभुता को रौंद रहा है। संदर्भ इजरायल बनाम अरब लीग और इस्लामिक सहयोग संगठन है। इजरायल ने छह मुस्लिम देशों पर मिसाइलें दांगी थी और लड़ाकू विमानों से हमले किए थे। खासकर कतर पर उसने बम बरसाये थे। इजरायल का आरोप है कि कतर सहित अन्य मुस्लिम देश हमास के नेताओं का संरक्षन देते हैं, पोषक की भूमिका निभाते हैं और संहारक भी बनाते हैं। जहां तक कतर की इस कसौटी पर संलिप्तता की बात है तो इसमें अनिवार्य तौर पर तथ्य शामिल हैं। कतर सभी मुस्लिम आतंकवादी संगठनों का संरक्षणकर्ता है और पालनहार है। आपको याद दिला दें कि हमास ही नहीं बल्कि तालिबान और अलकायदा का भी कतर संरक्षणकर्ता रहा है। तालिबान के बड़े नेता कतर में ही रहते थे और वहीं से अमेरिका के खिलाफ हिंसा की नीति को आगे बढ़ाते थे। अमेरिका और तालिबान के बीच में शांति समझौते को लेकर हुई बातचीत भी कतर में हुई थी। हमास के बड़े नेता कतर में संरक्षण पाए हुए हैं और कतर से ही इजरायल के खिलाफ अभियान जारी रखे हुए हैं। इजरायल का एक्शन हमास को समाप्त करने को लेकर जारी है। इजरायल कहता है

कि जब तक हमास का अस्तित्व नहीं मिटता है, उसका संहार नहीं होता है तब तक उनकी मिसाइलें और लड़ाकू विमानें उड़ती रहेंगी। हमारी मिसाइलें वहीं गिरेंगी जहां पर हमास के हिंसक आतंकवादी संरक्षण पाए हुए हैं। इसी दृष्टिकोण से इजरायल ने छह मुस्लिम देशों के स्थित हमास के ठिकानो पर हमला किया था। ईरान तो अब चुप हो गया है और ईरान की हमास के पक्ष में भड़काऊ बयानबाजी थम गई। ईरान को मालूम है कि हमास के पक्ष मे जितना ज्यादा बोलेगा, उतना ही उस पर इजरायल की मिसाइलें गिरेगी।

इजरायल के हमले के बाद मुस्लिम देश नाटो की तरह एक सुरक्षा कवच बनाना चाहते थे। इसी दृष्टिकोण से जुटे हुए थे। इस्लामिक सहयोग संगठन मुस्लिम देशों की एक साक्षा सुरक्षा कवच बनाने के लिए प्रतिबद्ध था और अपना इरादा भी जाहिर किया था। खासकर पाकिस्तान और तुर्की बहुत ज्यादा उत्साहित थे। पाकिस्तान इस मामले में बहुत ही उतावला था और आगे बढ़कर हिंसक रूप से समर्थन कर रहा था। पाकिस्तान की जल्दबाजी इतनी थी कि तुरंत ही नाटो की तरह हमारा रक्षा संगठन खड़ा होना चाहिए। इस प्रसंग में पाकिस्तान अपना हित देख रहा था और अपने हित की कसौटी पर मुस्लिम देशों को उकसा रहा था। पाकिस्तान भविष्य की दृष्टि से अपने आप को देख रहा था। हाल ही में पाकिस्तान पर भारत का हमला हुआ था और भारत ने उसकी संप्रभुत्ता को रौंदा था। पाकिस्तान अपने बल पर भारत का सामना नहीं कर पाया था। पाकिस्तान की दूरदृष्टि थी कि भारत के साथ संघर्ष में अरब-मुस्लिम नाटो उसका साथ देगा और भारत का संहार करेगा। तुर्की भी अरब मुस्लिम दुनिया का चौधरी बनने के लिए तत्पर था। लेकिन अन्य मुस्लिम देश भविष्य के खतरे और संकट को भांप गये। पाकिस्तान खुद कंगाल है, कटौरे लेकर भीख मांगता है और आतंकवाद की फैक्टरी लगाकर दुनिया को संकट में डालता है। पाकिस्तान के लोग मुस्लिम देश में जाते हैं तो फिर वहां पर विखंडन और मजहबी कुरीतियों की आग लगा देते हैं, इस कारण अरब के कई मुस्लिम देशों में पाकिस्तानी मुसलमानों को नापसंद किया जा रहा है। अरब-मुस्लिम नाटो संगठन खड़ा करने के पीछे नेतृत्व की समस्या थी, पैसे की समस्या थी। अरब-मुस्लिम नाटो का केन्द्रीय कार्यालय कहां बनेगा, किस देश में बनेगा और उसका प्रमुख कौन होगा? अरब मुस्लिम नाटो संगठन के गठन पर अरबो-खरबों डॉलर खर्च होगा, सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि हर साल इसकी सक्रियता पर करोड़ों और अरबों डॉलर खर्च होंगे। सबसे बडी बात यह है कि ऐसी सैनिक फोर्स किसके प्रति जिम्मेदार होगी, इस्लाम के प्रति जिम्मेदार होगी तो फिर किसी देश का नियंत्रण ऐसी फौज स्वीकार ही नहीं करेगी। इस कसौटी पर ऐसी कोई सेना खुद भस्मासुर की प्रतीक बन जाएगी।

हमास को लेकर खुद मुस्लिम देश एकमत नहीं है। हमास एक आतंकवादी संगठन है और उसकी हिंसक करतूतों ने मानवता के प्रति घिनौना उदाहरण प्रस्तुत किया है। नाटो जैसा कोई भी अरब-मुस्लिम नाटो सैनिक फोर्स का खड़ा होना मुश्किल है। हथियार कहां से आएगा? तकनीक कहां से मिलेगी? तकनीक और हथियार तो अमेरिका और यूरोप से मिलेंगे। चीन और रूस हथियार भी देंगे तो उसकी कीमत खूब वसूलेंगे। फिर इजरायल के पक्ष में सैनिक गठबंधन बनेगा, फिर भारत, दक्षिण कोरिया जैसे देश भी अपनी सुरक्षा के लिए इजरायल के साथ सैनिक गठबंधन के लिए मजबूर होंगे। नाटो और अमेरिका भी ऐसी कोई सेना को अपने विरुद्ध मानेगा। फिर पाकिस्तान-तुर्की और हमास जैसी शक्तियां अरब-मुस्लिम नाटों का सपना देखते रहें, यह सपना सच होने वाला नहीं है।

(ये स्वतंत्र लेखक के अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

कयास

संतोष कुमार भार्गव

मणिपुर में शांति और विकास फिर लौटेगा

निस्संदेह, पिछले दो वर्षों से अधिक समय से हिंसाग्रस्त मणिपुर का संकट लाइलाज-सा नजर आता रहा है। अब केंद्र सरकार और राज्य के दो प्रमुख कुकी-जो समूहों के बीच बीते गुरुवार को हस्ताक्षरित ऑपरेशन निलंबन समझौते से अशांत मणिपुर में शांति बहाली तथा सामान्य स्थिति बनाए रखने के प्रयासों को बल मिलने की उम्मीद जगी है। उम्मीद है कि इस प्रयास से राज्य की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित की जा सकेगी। समझौते के बाद निर्दिष्ट शिविरों को संवेदनशील क्षेत्रों से स्थानांतरित करने और राज्य में दीर्घकालिक शांति तथा स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में भी सहमति बनी है। वहीं, यह घटनाक्रम इस कारण से भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते दिनों मणिपुर का दौरा कर चुके हैं। विपक्ष लंबे समय से मांग करता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। अब विपक्ष का मुंह पीएम मोदी ने बंद कर दिया है। मई, 2023 में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री की इस संवेदनशील राज्य की यह पहली यात्रा थी। विगत में विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि केंद्र ने मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ दिया। विपक्ष ने राज्य में डबल इंजन सरकार के दौरान कुशासन का आरोप भी लगातार लगाया है। विरोधी जो भी कहें, यह नहीं भूलना चाहिए कि संघर्ष आरंभ होने के शुरुआती दिनों में ही गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य का दौरा किया था। उसके पहले से गृह मंत्रालय के अनेक अधिकारियों ने वहां डेरा डाला था। आशा है कि समझौते के मुताबिक कुकी विद्रोहियों के खिलाफ एक साल तक सैन्य अभियान रोकने पर बनी सहमति कायम रहेगी। यह समझौता पहले भी था, लेकिन हथियारबंद समूहों द्वारा हिंसा जारी रखने के कारण इसे निलंबित करना पड़ा। समझौते में कुछ नई शर्तें भी जोड़ी गई हैं, जिनमें कड़ी निगरानी के साथ उल्लंघन की स्थिति में समीक्षा शामिल है। इसका अर्थ हुआ कि सरकार ने न्यायसंगत मांगों को स्वीकार किया है, लेकिन हिंसा बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हाल के महीनों में अपेक्षाकृत शांति का एक मुख्य कारण यह भी है कि कई आतंकवादियों ने राज्य के अधिकारियों की अपील के जवाब में लूटे गए हथियार कानून प्रवर्तन एजेंसियों को लौटाए हैं। निश्चित रूप से हाल ही में हुआ समझौता लंबे समय से अशांत चल रहे मणिपुर के हित में एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। इसके बावजूद कुछ पेचीदा मुद्दे अभी भी सुलझाने बाकी हैं। इस मुहिम में विभिन्न हितधारकों को शामिल करने की जरूरत है। राज्य में एक प्रभावशाली नागरिक समाज समूह, कुकी-जो काउंसिल ने स्पष्ट किया है कि वह मैतेई और कुकी-जो क्षेत्रों के बीच बफर जोन में अप्रतिबंधित या मुक्त आवाजाही के पक्ष में नहीं। यह भी कि मणिपुर के नागाओं के शीर्ष निकाय ने मुक्त आवागमन व्यवस्था को समाप्त करने और भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का विरोध किया है। इसके अलावा विरोध में राज्य में समुदाय वाले सभी क्षेत्रों में व्यापार प्रतिबंध लागू करने की चेतावनी भी दी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में जातीय संघर्ष की मूल वजह बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा हासिल करने की मांग रही है। इस मांग पर उपजे टकराव को दूर करने तथा कुकी और नागाओं का विश्वास फिर से हासिल करने के प्रयास प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है। वर्तमान समझौते में मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने की प्रतिबद्धता शामिल है। यह कुकी समूहों की अलग प्रशासन की मांग में बदलाव का संकेत है। मैतेई इस मांग का विरोध करते रहे हैं। हालांकि सभी कुकी समूहों को इससे सहमत कराना कठिन है। समझौते पर हस्ताक्षर होने के कुछ ही समय बाद, सिविल सोसायटी समूह कुकी-जो काउंसिल ने भारतीय संविधान के तहत अलग प्रशासन के लिए राजनीतिक बातचीत की आशा का वक्तव्य दिया। ऐसा कहने वाले मिल जाएंगे कि जब तक वित्त और प्रशासन का नियंत्रण घाटी के लोगों के पास रहेगा, पहाड़ी जिलों के विकास की अनदेखी होगी। लेकिन सामूहिक आकांक्षाओं के मुताबिक विकास योजनाओं पर अमल हो तो यह सोच भी बदल जाएगी। पीएम मोदी ने अपनी हालिया यात्रा में कहा, 'मणिपुर आशा और आकांक्षाओं की भूमि है। लेकिन दुर्भाग्य से यह हिंसा की चपेट में आ गया है। मैं आने वाले दिनों में राज्य के लिए आशा और विश्वास की एक नई सुबह देख रहा हूं।' मोदी ने संघर्ष से विस्थापित लगभग 60,000 लोगों के उचित पुनर्वास और राज्य में स्थायी शांति लाने का आश्वासन दिया। उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों पक्ष शांति का माहौल कायम रखने में अपनी अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं, जिससे मणिपुर पुनः विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन ऊर्जा पर करें मन को केंद्रित

संकलित
दर्शन

बुद्धिमान व्यक्ति इस ब्रह्मांड, इस संसार से परे चले जाते हैं और अमरत्व को प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन कैसे? वस्तुतः हमारे भीतर कुछ ऐसा होता है, जो कभी नहीं मरता, जो कभी बूढ़ा नहीं होता। इस बारे में प्रत्येक व्यक्ति अपने ढंग से सोचता है। अगर आप देखें तो छोटे बच्चे बड़े हो रहे हैं और स्थितियां भी बदल रही हैं, लेकिन कई बार आप महसूस करते हैं कि आप नहीं बदल रहे हैं। कुछ लोग कहते हैं- मैं तो बूढ़ा हुआ ही नहीं/हुई ही नहीं। भीतर से आपको महसूस होता है कि सिर्फ समय बीता है, आपमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। यह सच भी है, क्योंकि आपके भीतर एक ऐसा अंश है, जो न तो बदलता है और न ही मरता है। यही एक दूसरी दुनिया है, जहां अमरत्व है। मृत्युलोक वह है, जहां सब कुछ बदल जाता है। मृत्यु का अर्थ है परिवर्तन या क्षय। आप इस नाशवान संसार से अमरत्व, अपरिवर्तनशील संसार, शाश्वत-आत्मा की ओर मुड़ जाते हैं, जो आपके भीतर है। आपके मन के पीछे है। आत्मा वह नहीं है, जिसे आप देख सकें, बल्कि वह है, जिसे आप अपने भीतर महसूस करते हैं। यह प्राणों का प्राण है। जब प्राण उच्च स्तर में होता है, तब आप हर परिस्थिति में मुस्कुरा सकते हैं। आप अपनी दैनिक गतिविधियों में प्राण ऊर्जा को खर्च करते हैं। यदि आप प्राण की कमी को पूरा किए बिना प्राण को खर्च करते रहते हैं, तब आपको अवसाद घेर लेता है। जीवन विरोधी चिह्न शरीर में उत्पन्न होने लगते हैं और सौंदर्य नष्ट होने लगता है। अपने प्राण, अपने श्वास का निरीक्षण करें।

श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद करता है!

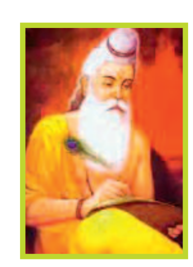

संकलित
प्रेरणा

महर्षि वेदव्यास ने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। उन्होंने उससे पूछा- हे क्षुद्र जंतु, तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? उनके प्रश्न ने कीड़े को चोट पहुंचाई और वह बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं। यहां क्षुद्र कौन है और महान कौन? क्या इस प्रश्न और उसके उत्तर की सही-सही परिभाषा संभव है? कीड़े की बात ने महर्षि को निरुत्तर कर दिया। फिर भी उन्होंने उससे पूछाः अच्छा यह बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? कीड़े ने कहा- मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूँ। देख नहीं रहे, पीछे से कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है। कीड़े के उत्तर ने महर्षि को चौंकाया। वे बोले, तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और बेहतर शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोलाः महर्षि, मैं तो इस कीट योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, परंतु ऐसे प्राणी असंख्य हैं, जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझसे भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। कीड़े की बातों में महर्षि को सत्यता नजर आई। वे सोचने लगे कि वाकई जो मानव जीवन पाकर भी देहासक्ति और अहंकार से बंधा है, जो ज्ञान पाने की क्षमता पाकर भी ज्ञान से विमुख है, वह कीड़े से भी बदतर है। महर्षि ने कीड़े से कहा- नन्हें जीव, चलो हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़ा बोला- किंतु मुनिवर श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद कर देता है। कीड़े के कथन ने महर्षि को ज्ञान का नया संदेश दिया।

अंतर्मन

आज की पाती

किसानों के लिए आफत बनती बारिश

कभी सूखे के कारण तो कभी बेमौसमी बारिश देश की कृषि के लिए आफत बनती है। कुछ राज्यों में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जबकि इस समय तक बरसात के मौसम का अलविदा कहने का समय है। यह बारिश धान और अन्य मौसमी फसलों के लिए बहुत हानिकारक सिद्ध हो रही है। यह बारिश मात्र फसलों के लिए ही हानिकारक नहीं है, बल्कि प्राणी जाति के लिए भी बहुत ज्यादा हानिकारक है। इससे फसल चक्र का सिस्टम तो बिगड़ ही रहा है, जिससे फसलों की पैदावार प्रभावित हो रही है, साथ ही यह हमें बीमारियों की तरफ भी धकेल रही है। लेकिन सवाल तो यह है कि बेमौसमी बारिश का आखिर क्या कारण है। ऐसे में, प्रकृति का संरक्षण ही एकमात्र समाधान नजर आता है।

– मनोज शुक्ला, बेमेतरा

ट्रेंड

विकास कार्यों का उद्घाटन

डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में राजस्थान लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आज बांसवाड़ा से हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास प्रदेश की प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। **-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

शुभांशु शुक्ला को बधाई

मुंबई कॉन्क्लेव 2025 में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की, जहाँ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री को सम्मानित किया गया। उन्हें 1.4 अरब दिलों के सपनों को समेटे, पूरे देश में साहस, समर्पण और असीम महत्वाकांक्षा को प्रेरित करने वाली यात्रा सफलतापूर्वक पूरी करने पर बधाई दी।
-देवेंद्र फडणवीस, सीएम, महाराष्ट्र

सेवा पखवाड़ा

सेवा पखवाड़ा दिल्लीवासियों के लिए हर दिन नई सौगातें लेकर आ रहा है। आज दिल्ली सचिवालय से शुरू हुई ये स्वास्थ्य सुविधाएं इलाज को और सरल व सुलभ बनाएंगी और हर नागरिक के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का नया संबल जोड़ेंगी।
-रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

चिकित्सा की उपेक्षा

सरकार 'मरीज और डॉक्टर' का अनुपात बताए मतलब वर्तमान में कितने मरीजों के लिए कितने डॉक्टर उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य और चिकित्सा की उपेक्षा देश के मानव संसाधन की उपेक्षा है।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

तटीय क्षेत्र मजबूत करने भारत- सिंगापुर में करार

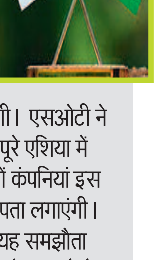

सिंगापुर की सीट्रियम ऑफशोर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (एसओटी) ने एशिया भर में तटीय क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत की सबसे बड़ी जहाज निर्माता और जहाज मरम्मत कंपनी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू के तहत दोनों कंपनियां अपनी पूरक शक्तियों – एसओटी की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, विशेष उपकरण और तटीय समाधान एवं सीएसएल के व्यापक बुनियादी ढांचे, निर्माण सुविधाओं और जहाज मरम्मत विशेषज्ञता को व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए इस्तेमाल करेंगी। एसओटी ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह साझेदारी एशिया में ग्राहकों के लिए रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल परियोजनाओं पर केंद्रित होगी। एसओटी ने कहा कि एमओयू पर डिजिटल तरीके से हस्ताक्षर किए गए, जो पूरे एशिया में तटीय इंजीनियरिंग में एक महत्वपूर्ण सहयोग को दर्शाता है। दोनों कंपनियां इस क्षेत्र के अन्य प्रमुख तटीय बाजारों में विस्तार के अवसरों का भी पता लगाएंगी। एसओटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रमुख विंस्टन चेंग ने कहा, ''यह समझौता ज्ञापन, एशिया भर में अपनी वैश्विक उपस्थिति बढ़ाने के सीट्रियम के प्रयासों में एक रणनीतिक मील का पत्थर है।

ऑफ बीट

मोटापा लोगों को गहराई तक प्रभावित करता है

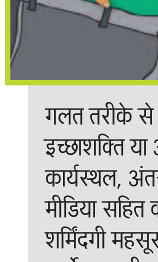

ज्यादा वजन वाले लोग एक ऐसे कलंक में जी रहे होते हैं, जो व्यापक है और इन लोगों को कहीं गहराई तक प्रभावित करता है। इसे भेदभाव के अंतिम स्वीकार्य रूपों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है। कुछ शोधकर्ता सोचते हैं कि 'मोटापा' शब्द ही समस्या का हिस्सा है, और कलंक को कम करने के लिए नाम बदलने की मांग कर रहे हैं। उनका सुझाव है कि इसका नाम 'वसा-आधारित पुरानी बीमारी' रख दिया जाए। बड़े शरीर में रहने वाले 42 प्रतिशत वयस्कों को अपने वजन को लेकर शर्मिंदगी का अनुभव होता है। ऐसा तब होता है जब दूसरों की उनके प्रति नकारात्मक मान्यताएं, दृष्टिकोण, धारणाएं और निर्णय होते हैं, उन्हें गलत तरीके से आलसी समझा जाता है और यह माना जाता है कि उनमें इच्छाशक्ति या आत्म-अनुशासन की कमी होती है। बड़े शरीर वाले लोग कार्यस्थल, अंतरंग और पारिवारिक संबंधों, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और मीडिया सहित कई क्षेत्रों में भेदभाव का अनुभव करते हैं। वजन को लेकर शर्मिंदगी महसूस करना बढ़े हुए कोर्टिसोल स्तर (शरीर में मुख्य तनाव हार्मोन), शरीर की नकारात्मक छवि और खराब मानसिक स्वास्थ्य सहित कई नुकसान से जुड़ा हुआ है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

MARUTI SUZUKI

NEXA

CELEBRATIONS JUST GOT BIGGER.

WITH GST BENEFITS + *LIMITED PERIOD FESTIVE OFFERS

	PRICE REDUCTION OF UP TO#	NOW STARTING AT#	ADDITIONAL FESTIVE OFFERS OF UP TO*
FRONX	₹ 1 12 600	₹ 6 84 900	₹ 75 000
GRAND VITARA	₹ 1 07 000	₹ 10 76 500	₹ 1 60 000 + 5 Year Extended Warranty
BALENO	₹ 86 100	₹ 5 98 900	₹ 92 500
IGNIS	₹ 71 300	₹ 5 35 100	₹ 85 000
INVICTO	₹ 61 700	₹ 24 97 400	₹ 1 55 000
XL6	₹ 52 000	₹ 11 52 300	₹ 55 000
JIMNY	₹ 51 900	₹ 12 31 500	₹ 1 10 000

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

*FESTIVE OFFERS VALID TILL 30TH SEP ONLY

NEXA SAFETY SHIELD

UP TO 100% WAIVER ON CAR LOAN PROCESSING FEE (ONLY TILL 30TH SEP)##

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Contact us at
1800-200-6392
1800-102-6392

For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Features and accessories shown may not be a part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers and features may vary subject to the model and variant purchased. *The mentioned offers include "Consumer Offer + Booking offer + Exchange Bonus + Rural offer", and may vary from city to city. Please contact nearby dealership for more details. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 30th September '25 or till stocks last. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities. ##Offers include consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offers (wherever applicable) on select models/variants. Finance is at the sole discretion of the financer by selected finance partners. #Prices and savings mentioned above are for select variants and may vary across cities/ variants.

बच्चो, दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक पर्व है। इस दिन श्रीराम ने अत्याचारी रावण का अंत किया था। दशहरे पर लोग बुराइयों के प्रतीक रावण का पुतला जलाकर अच्छाइयों के प्रतीक श्रीराम की विजय का उत्सव मनाते हैं, संकल्प लेते हैं कि वे अपने भीतर की बुराइयों का अंत करके सद्गुणों को अपनाएंगे।

दशहरा
अच्छाइयों की जीत का संकल्प

पर्व संदेश
डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, हमारे त्योहार जीवन को संवारने वाली कोई ना कोई सीख देते हैं। दशहरे का पर्व हमें हर तरह की बुराई से बचने की शिक्षा देता है। बच्चो, यह त्योहार भगवान श्रीराम द्वारा रावण पर विजय पाने की याद में एक उत्सव की तरह मनाया जाता है। दशहरे का पर्व हमें अपने भीतर बैठी बुराइयों को त्यागने का संदेश देता है। बुराई पर अच्छाई की जीत का पाठ पढ़ाता है दशहरा।

मन में बैठी बुराइयों को निकालो: बच्चो, मन में बैठी बुराई का रंग-रूप किसी डरावने राक्षस जैसा नहीं होता। हमारे भीतर रहने वाली कोई भी बुराई, सिर पर सींग या भयभीत करने वाले अट्टहास के साथ हमारे आस-पास घूमते किसी दानव जैसी नहीं होती। मन में बसने वाली बुराइयां असल में हमारी सोच की नकारात्मक दिशा होती है, जिससे न सिर्फ सब कुछ नकारात्मक लगने लगता है बल्कि हम खुद भी गलत सोच के जाल में फंस जाते हैं। बुरा सोचने लगते हैं। बुरा बोलने लगते हैं। जैसे दूसरों का अपमान करना, किसी के साथ ऊंच-नीच का व्यवहार करना और अपने सहपाठी, मित्र, रिश्तेदारों या आस-पड़ोस के लोगों को छोटा समझना। अपने मित्रों की अच्छी बातों को लेकर ईर्ष्या करना या खुद को खास समझने का ईगो पाल लेना। देखने में तो ये बुराइयां बहुत छोटी लगती हैं, लेकिन ये हमारा पूरा व्यक्तित्व दिशाहीन कर देती हैं। बच्चो, बहुत साधारण सी लगने वाली मन में बैठी बुराइयां हमारी सहजता छीन लेती हैं। किसी से निःस्वार्थ दोस्ती करने और साथ देने के भाव को खत्म कर स्वार्थी बना देती हैं। ऐसे में मन की इन बुराइयों को दूर करना, अपने जीवन को संवारने की सकारात्मक समझ देता है।

नकारात्मक व्यवहार से बचो: दशहरे का त्योहार अपने व्यवहार में जगह बना लेने वाली बुराइयों को पहचानने और उनमें सुधार करने का भी संदेश देता है। यह त्योहार भगवान श्रीराम के विनम्र और मर्यादित व्यवहार की जीत का भी उत्सव है। रावण के व्यवहार में बसे अहंकार की हार के माध्यम से हमारे लिए अपने व्यवहार को परखने का संदेश लेकर आता है। विनम्र व्यवहार व्यक्ति को समानता के भाव से जोड़ता है। प्रभु श्रीराम ने स्वयं एक वीर योद्धा होकर भी बिना किसी भेदभाव के वानरों को अपनी सेना में शामिल किया। यह बात सिखाती है कि जीवन में किसी की भी अहमियत कम नहीं है। दूसरों को कमतर मानने का व्यवहार नहीं अपनाना चाहिए। साथ ही दोस्ती की ताकत को भी कभी कम नहीं आंकना चाहिए। बच्चो, प्रभु श्रीराम का व्यवहार हमें बड़ों का सम्मान करना भी सिखाता है। अपने गुरुजनों को मान देने, शांति से अपना काम करने और कठिन वक्त में धैर्य रखने का व्यवहार भी उनसे सीखा जा सकता है।

दूर करो जीवनशैली की बुराइयां: बच्चो, बहुत सी बुराइयां मन में ही नहीं, हमारे जीवन में भी आ धमकती हैं। आलस, गुस्सा, गलत फूड हैबिट्स और स्क्रीन स्क्रॉलिंग की आदत। ये सब भी बुराइयां ही तो हैं। समझना यह है कि शारीरिक रोग हों या मानसिक भटकाव, बहुत सी परेशानियां हमारी गलत जीवनशैली की वजह से ही पैदा होती हैं। इसीलिए शारीरिक रूप से सक्रिय रहना चाहिए। तुम भी मन के मोटिवेशन वाले हथियार से जीवनशैली की इन बुराइयों से लड़ने और उसे हराने की ठानो। सही रुटीन बनाकर अपनी गलत आदतों को सुधारने के रास्ते पर चल पड़ो। स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर गलत आदतों से दूर रहने का दृढ़ संकल्प लो।

प्यार और सद्गुणों के अस्त्र-शस्त्र थामो: दशहरे के पर्व को विजयादशमी भी कहा जाता है। इस दिन मां दुर्गा और भगवान श्रीराम के पूजन के साथ ही शस्त्र पूजा की भी परंपरा है। अब समय बदल गया है, लेकिन शस्त्र पूजन का रिवाज निभाया जाता है। प्यारे बच्चो, जीवन के संघर्ष में तुम भी प्यार और सद्गुणों के अस्त्र-शस्त्र थामे रहो। याद रखो, स्नेह और सम्मान से सबका दिल जीता जा सकता है। अच्छे गुण जिंदगी के हर फ्रंट पर विजय दिलाते हैं। जैसे प्रभु श्रीराम ने पूरी योजना बनाकर युद्ध लड़ा और जीता, वैसे ही आलस छोड़कर एक योजना के साथ पढ़ाई करके परीक्षा में अच्छे अंक पाए जा सकते हैं। खेल की ट्रॉफी अपने नाम की जा सकती है। कुछ नया सीखा जा सकता है। बच्चो, भगवान राम के समान ही विनम्रता, दयालुता, मित्रता और निश्छलता जैसे सद्गुण अपनाने से तुम्हें मुश्किल से मुश्किल परिस्थिति में भी जीत ही मिलेगी। चुनौती चाहे जैसी हो, प्यार और अच्छे गुणों के अस्त्र-शस्त्र सदा विजयी ही बनाते हैं। *

याद रखो बापू की भी सीख

बच्चो, इस बार दशहरा 2 अक्टूबर यानी गांधी जयंती के दिन पड़ रहा है। महात्मा गांधी ने अहिंसा और सद्भावना को हर बुराई से लड़ने का अस्त्र बनाया। उन्होंने जीवन की बेहतरी के लिए अनुशासित दिनचर्या को भी बहुत जरूरी बताया। उनका मानना था कि अच्छी और सधी लाइफस्टाइल अपने लिए ही नहीं अपने देश की उन्नति के लिए भी आवश्यक है। बापू हमेशा सच बोलने और दूसरों को बदलने के बजाय अपने आप में बदलाव लाने के समर्थक थे। उनका कहना था कि भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आप आज क्या करते हैं? प्यारे बच्चो, दशहरे के इस पर्व पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन से मिली हर सीख को मन से अपनाने की सोचो। साथ ही महात्मा गांधी को उनके जन्मदिन पर याद करते हुए उनके भी विचारों को फॉलो कर अच्छी और सच्ची बातों को जिंदगी में उतारने का प्रयास करो।

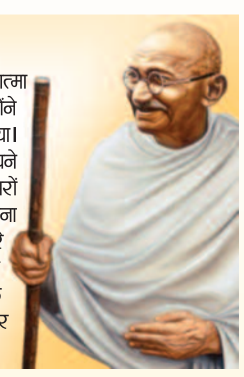

महात्मा गांधी ने किया था कई आंदोलनों का नेतृत्व

हमारे देश को अंग्रेजों से आजादी दिलाने में महात्मा गांधी का बहुत बड़ा योगदान रहा। उन्होंने अहिंसा और सत्याग्रह को ब्रिटिश राज के विरुद्ध संघर्ष में अपना हथियार बनाया। बच्चो, देश की आजादी के लिए गांधी जी के नेतृत्व में हुए कुछ प्रमुख आंदोलनों के बारे में जानो।

जानकारी
हर्ष रमेश

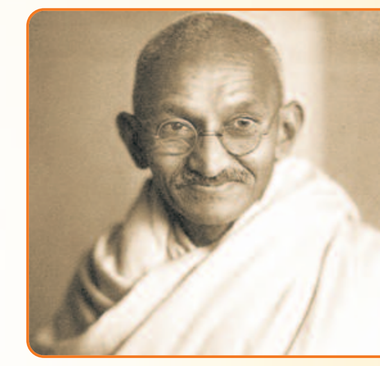

बच्चो, महात्मा गांधी ने देश की आजादी में अपना तन-मन पूरी तरह न्योछावर कर दिया था। ब्रिटिश राज के दौरान उन्होंने अपने आंदोलनों के माध्यम से अंग्रेजों द्वारा लागू गए कई अन्यायपूर्ण और दमनकारी कानून खत्म करवाए। साथ ही उन्होंने देश की आजादी के लिए हुए कई महत्वपूर्ण आंदोलनों का नेतृत्व भी किया, जो देश की आजादी की राह में महत्वपूर्ण कदम थे।

चंपारण सत्याग्रह: महात्मा गांधी ने 1917 में बिहार के चंपारण में सत्याग्रह शुरू किया था। उस समय चंपारण में किसानों को अपनी जमीन के एक हिस्से में नील की खेती करना अंग्रेजों ने अनिवार्य बना दिया था। इससे जमीन की उर्वरता कम हो जाती थी। खेती/पैदावार कम होने पर भी किसानों पर तरह-तरह के टैक्स लगा दिए जाते थे। गांधी जी ने अपने इस आंदोलन के जरिए नील की खेती करने वाले किसानों को अंग्रेजों के शोषण से मुक्त करवाया। यह भारत में उनका पहला नागरिक अवज्ञा आंदोलन था।

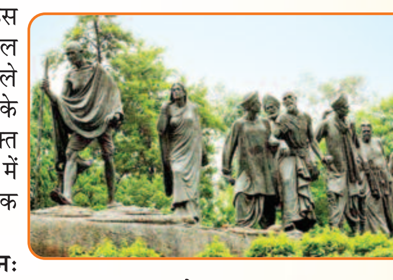

असहयोग आंदोलन: गांधी जी द्वारा 1920 में शुरू किया गया असहयोग आंदोलन, देशव्यापी स्तर पर पहला जन आंदोलन था। इसमें समाज के हर वर्ग ने हिस्सा लिया था। इस आंदोलन में गांधीजी ने लोगों से सरकार के किसी भी काम में शांतिपूर्ण तरीके से असहयोग करने का आह्वान किया था। इस आंदोलन में ब्रिटिश वस्तुओं, सेवाओं और संस्थानों का शांतिपूर्ण ढंग से बहिष्कार किया गया। असहयोग आंदोलन के जरिए भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा मिली।

नमक सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा आंदोलन: अंग्रेजों ने नमक पर टैक्स लगाने वाला कानून बना दिया था। इसके कारण नमक काफी महंगा हो गया था। नमक पर टैक्स गरीबों के साथ अन्याय था। 1930 ई. में गांधीजी ने इस टैक्स के खिलाफ आंदोलन छेड़ दिया। उन्होंने अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से समुद्रतटीय गांव दांडी तक पैदल मार्च किया। इसे दांडी मार्च के नाम से भी जाना जाता है। दांडी पहुंचकर उन्होंने नमक हाथ में लेकर नमक विरोधी कानून तोड़ने का आह्वान किया। इसके साथ ही सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत हुई, जिसमें बिना किसी हिंसा या उग्रता के अंग्रेजी सरकार एवं उसकी नीतियों का विरोध किया गया।

भारत छोड़ो आंदोलन: 8 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत हुई। देश की आजादी के लिए हुए इस महत्वपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व भी महात्मा गांधी ने ही किया था। आंदोलन का उद्देश्य अंग्रेजी हुकूमत को पूरी तरह समाप्त करना था। इस आंदोलन को अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है। इसी आंदोलन के दौरान गांधी जी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था। इस आंदोलन के बाद अंग्रेजों को इस बात का अहसास हो गया कि अब भारत को अधिक समय तक गुलाम नहीं रखा जा सकता।

इन आंदोलनों के अतिरिक्त अहमदाबाद मिल हड़ताल, खेड़ा आंदोलन जैसे कई आंदोलनों का नेतृत्व भी महात्मा गांधी ने किया था। *

कविता / अखिलेश श्रीवास्तव चमन

पर्व दशहरा

रावण था विद्वान बहुत,
धनवान बहुत, बलवान बहुत,
लेकिन उसमें एक कमी थी,
वह स्वभाव से क्रूर था।
थी उसकी सोने की लंका,
नाम का उसके बजता डंका,
निज ताकत को लेकर उसमें,
अहंकार भरपूर था।
दंभ से वह इतना भर आया,
छल से सीता को हर लाया,
दुष्ट दशानन आखिर अपनी,
आदत से मजबूर था।
गलत नतीजा, गलत काम का,
पर्व दशहरा इसी नाम का,
सत्य की ताकत के आगे,
बल-छल चकनाचूर था।

हंसगुल्ले

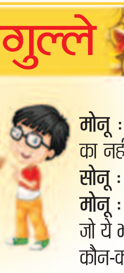

चिंटू : फाइव के बाद क्या आता है?
मिंटू : जीरो।
चिंटू : अरे! ऐसा कहां आता है?
मिंटू : फैन के रेग्युलेटर में।
-सान्या, रायपुर

डॉक्टर : मैंने तुम्हें जो दवाई दी थी, उससे तुम्हें फायदा हुआ?
मोनू : नहीं डॉक्टर अंकल, मैंने दवाई ली ही नहीं।
डॉक्टर : क्यों?
मोनू : क्योंकि दवा की शीशी पर लिखा था, इसे हमेशा बंद रखें। इसलिए मैंने शीशी खोली ही नहीं।
-जयेश, रोहतक

मोनू : यार, ये गूगल किसी काम का नहीं!
सोनू : क्यों, क्या हुआ?
मोनू : क्या फायदा ऐसे गूगल का, जो ये भी न बता पाए कि एग्जाम में कौन-कौन से प्रश्न आने वाले हैं।
-प्रियांश, बिलासपुर

टीचर : खरगोश और कछुए की कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
रिया : सर, यही कि रेस भले ही हार जाओ, पर नींद पूरी होनी चाहिए।
-अंकेश, भोपाल

जीके क्विज-172

1. हाल ही में किस फिल्म अभिनेता को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया?
2. साल 2025 का यूएस ओपन टेनिस एकल खिताब किसने जीता?
3. अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस कब मनाया जाता है?
4. गांधीजी अपना राजनीतिक गुरु किसे मानते थे?
5. गांधीजी को 'महात्मा' की उपाधि किसने दी थी?
6. गांधी जी के नेतृत्व में भारत में पहला आंदोलन कौन-सा हुआ था?
7. महात्मा गांधी ने किस आंदोलन के दौरान 'करो या मरो' का नारा दिया था?
8. गांधीजी ने भारत छोड़ो आंदोलन किस वर्ष आरंभ किया था?
9. ब्रिटिश काल में प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'यंग इंडिया' के संपादक कौन थे?
10. 'जय जवान जय किसान' का नारा किसने दिया था?

बच्चों, जीके क्विज-172 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-171 का उत्तर : 1 चीन, 2.सेबेस्टियन लेकोर्नु, 3.अश्विनी वैष्णव, 4.केरल, 5.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, 6.पामीर का पठार, 7.विटामिन बी और विटामिन सी, 8.केराटिन, 9.जोधपुर, 10.मत्स्य पालन

जीके क्विज-171 का सही उत्तर देने वाले : अरुण-भिलाई, लोकेश-मटियारी, हर्षित-रायपुर, दीपक-महासमुंद, कोमल-बिलासपुर, राहुल-ईमेल से, कबीर-हिसार, भावेश-ईमेल से, रितेश-दुर्ग, सुमित-रोहतक, अंकिता-बलौदा बाजार

कहानी
डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

इस बार गांधी जयंती-विजयादशमी का पर्व एक ही दिन पड़ रहा है। स्कूल में बच्चों को रामलीला से जुड़े नाटक के लिए डायलॉग स्वयं लिखने थे। हनुमान की भूमिका कर रहे ललित ने जब अपने डायलॉग बोले तो चौहान सर ने अभिनय और डायलॉग जोरदार होने के बाद भी उसकी प्रशंसा नहीं की। ऐसा उन्होंने क्यों किया?

रिहर्सल

महाराज रावण! यह अंतिम चेतावनी है। नहीं तो मरने के लिए तैयार रहो। मैं स्वयं भी तुम्हें मृत्यु दंड देने की शक्ति रखता हूं किंतु मुझे श्रीराम की आज्ञा नहीं है।' स्कूल में 'बाल रामलीला' का रिहर्सल चल रहा था। ललित, हनुमान का रोल कर रहा था। उसने जैसे ही यह डायलॉग बोला। तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा।

देर तक 'गुड! गुड! वेरी गुड!' की आवाजें आती रहीं। ललित फूला नहीं समा रहा था। वह आगे बोलने चला, लेकिन चौहान सर ने उसे रोक दिया। लग रहा था, वे उसकी इस प्रस्तुति से संतुष्ट नहीं हैं। लेकिन क्यों...? डायलॉग तो गजब का था और उसकी डिलीवरी भी। कितने अच्छे से, पूरे हाव-भाव से उसने यह संवाद बोला था।

स्कूल के सारे सांस्कृतिक कार्यक्रम चौहान सर ही देखते हैं। वह बहुत मेहनत करते हैं। हर बार नए से नए प्रयोग भी। इस बार तो गांधी जयंती और विजयादशमी का पर्व एक ही दिन पड़ रहा है, इसलिए यह बात भी उठी कि गांधी जयंती मनाई भी जाएगी या नहीं? लेकिन प्रिंसिपल सर ने असेंबली में स्पष्ट कर दिया था कि गांधी जयंती तो अवश्य मनाई जाएगी। और हां, इस बार बच्चों के द्वारा रामलीला से जुड़ा कोई छोटा-सा नाटक भी होना चाहिए।

चौहान सर 'लंका दहन' के प्रसंग पर नाटक तैयार करा रहे थे। बच्चों को नाटक की कहानी सुनाई और समझाई। रोल सौंप दिए। एक शर्त रखी कि इस बार संवाद बच्चे खुद लिखकर लाएंगे। कोई नकल नहीं की जाएगी।

सूरज लंबा-तड़ंगा था। वह रावण के रोल में फब रहा था, लेकिन उसके डायलॉग बिल्कुल अच्छे नहीं थे। वैसे उसने सर को बता दिया था, 'मैंने बहुत कोशिश की, लेकिन डायलॉग नहीं बना पाया।' सर उसके सच बोलने से बहुत खुश हुए। हंसते हुए बोले भी, 'मैंने नाहक ही तुम्हें रावण बना दिया। तुम्हें तो गांधी जी का रोल करना चाहिए था। दरअसल, संवाद बोलना और लिखना दोनों ही एक कला है। ज्यादातर संवाद लिखता तो कोई और है, लेकिन अभिनय कोई और करता है। कम ही अभिनेता ऐसे होते हैं, जो खुद संवाद लिख पाते हैं।' सर ने यह भी कहा, 'परेशान न हो। मैं तुम्हें संवाद लिखकर दे दूंगा।' लेकिन हनुमान बने ललित के द्वारा इतने अच्छे संवाद के बाद भी चौहान सर का उसे रोक देने का कारण समझ में नहीं आया।

सर कुछ अनमने से थे। उन्होंने ललित से पूछा, 'सच-सच बताओ, यह संवाद तुमने खुद ही लिखा है?'

'जी स....र। मैं...ने ही... मैं...ने ही...।' ललित के स्वर में हकलाहट थी। माथे पर पसीने की बूंदें भी। जैसे उसकी कोई चोरी पकड़ी गई हो। सर ने फिर से पूछा, 'तुमने ही लिखा है न?' तो ललित ने धीमे से स्पष्ट किया, 'सर! थोड़ी सी मदद इंटरनेट और एआई की भी ली है।'

सर बोले, 'थोड़ी सी ...मदद नहीं, यह डायलॉग तो पूरा ही 'रामायण' सीरियल का है।'

ललित चौंककर रह गया। वास्तव में ललित ने एक बार भी नहीं सोचा था कि उसकी यह चोरी, जिसे वह होशियारी समझ रहा था, सर इतनी आसानी से पकड़ लेंगे।

चौहान सर ने समझाया, 'बेटे! यह नाटक गांधी जयंती के दिन खेला जाएगा। गांधी जी कभी झूठ नहीं बोलते थे। तुम हनुमान का रोल कर रहे हो। हनुमान जी तो बुद्धि और विवेक के निधान कहे जाते हैं। तुमने संवाद लिखने में अपनी बुद्धि का प्रयोग क्यों नहीं किया?' थोड़ा रुककर सर आगे बोले, 'एआई तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नाम है। एआई तुम्हें जो भी मैटर देगा, वह हूबहू असल जैसा कभी नहीं हो सकता। एकदम मौलिक दृष्टि तो अपनी ही बुद्धि से संभव है। तुमने इंटरनेट पर हनुमान का डायलॉग मांगा, उसने पुराना डायलॉग तुम्हारे सामने रख दिया। और तुम व्यर्थ में ही झूठे बन गए। बेटे, मैं समझता हूं कि यह तुम्हारी पहली और आखिरी गलती होगी।' चौहान सर बच्चों को देखते हुए आगे बोले, 'रावण बने सूरज का डायलॉग भले ही ज्यादा अच्छा नहीं हो पाया, लेकिन उसने सच का साथ नहीं छोड़ा। यही असली गांधी जयंती मनाना है।'

ललित यह सुनकर रो पड़ा। वह बोला, 'बस दस मिनट का समय दीजिए सर। मैं अभी खुद संवाद लिखकर दिखाऊंगा।'

सारे बच्चों की फिर से जोरदार तालियां बज उठीं। *

कविता
डॉ. करुणा पांडेय

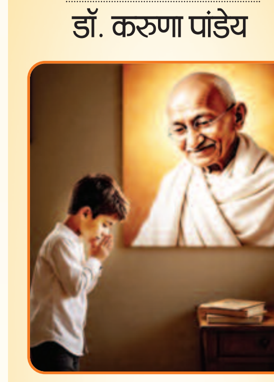

बापू

बापू तुम महान हो।
इस देश की शान हो।
तुमने देश का मान बढ़ाया,
आजादी का बिगुल बजाया,
सत्य धर्म का मार्ग दिखाया।
राज धर्म का मर्म बताया
तुम हमारी आन हो,
बापू तुम महान हो।
खादी को तुम खुद बुनते थे
पैदल ही यात्रा करते थे,
तेरी इक हुंकार पे बापू
सब जन पीछे चल पड़ते थे
तुम सुरों की तान हो,
बापू तुम महान हो।
इस जग में तुम जैसा बापू,
अब तक हमको नहीं मिला,
अपना सारा जीवन तुमने,
वतन की खातिर लुटा दिया।
निज वतन का मान हो
बापू तुम महान हो।।

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दशहरे के अवसर पर होने वाले रावण वध से संबंधित दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें दो मिनट में ये पांचों अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट पांच अंतर खोजो।

उत्तर: 1. बीच में रावण के माथे पर तिलक नहीं लगा है। 2.रावण के दस के बजाय नौ सिर हैं। 3.राम बनकर रावण वध कर रहे लड़के की दोनों आंखें खुली हुई हैं। 4.बीच में खड़े लड़के के कुर्ते पर सिलवटें नहीं हैं। 5.दाहिनी तरफ खड़ी लड़की की ड्रेस का कलर ब्लू है।

रोचक-ज्ञानवर्धक किताब / सुरेंद्र विक्रम

सूरज का बिल आ जाए तो!

बच्चो, तुम्हारे घर में पंखा, टीवी, फ्रिज, ट्यूब लाइट जैसे कई ऐसे उपकरण होंगे, जो बिजली से चलते हैं। तुमने देखा होगा इन उपकरणों से जितनी बिजली खर्च होती है, उसका बिल हर महीने आता है, जिसका पेमेंट पापा करते हैं। लेकिन सोचो अगर, हर रोज इतनी रोशनी और ऊर्जा हम सभी को देने वाला सूरज अपना बिल भेज दे तो क्या होगा! किताब 'सूरज का बिल' में यही कहानी रोचक तरीके से पेश की गई है। मजा तो तब आता है, जब सूरज, धरती पर रहने वाले इंसानों और चंद्रमा से बिल वसूलना चाहता है, उसी समय सूरज के चारों ओर परिक्रमा करने वाले ग्रह, नक्षत्र सूरज को अपना बिल देने की योजना बनाने लगते हैं। इस रोचक कहानी के अंत में क्या होता है? क्या वास्तव में सूरज का बिल धरती वालों को देना पड़ता है? यह जानने के लिए तुमको यह किताब पढ़नी पड़ेगी। अच्छी बात है कि रोचकता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी इस कहानी में दिया गया है। *

पुस्तक: सूरज का बिल, **लेखक:** गोविंद शर्मा, **चित्रांकन:** धीरज सोमबासी, **मूल्य:** 60 रुपए, **प्रकाशक:** राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

जैकेट के शेष

आईएएस विकासशील बनाए ....

बाद राज्य में मुख्य सचिव के रूप में उनकी वापसी हो रही है। माना जा रहा है कि 30 सितंबर को अमिताभ जैन के सेवानिवृत्त होने के बाद ही वे मुख्य सचिव का कार्यभार ग्रहण करेंगे।

विकासशील का परिचय : भारतीय प्रशासनिक सेवा 1994 बैच के अधिकारी विकासशील का जन्म 10 जून 1969 को उत्तर प्रदेश में हुआ था. उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से बीई और इलेक्ट्रिकल में ही पोस्ट ग्रेजुएशन यानी एमई भी किया है. उन्होंने 4 सितंबर 1994 को आईएएस की सर्विस जॉइन की थी। वे मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अफसर थे, जिन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ कैडर चुन लिया। वह बिलासपुर और रायपुर के कलेक्टर भी रहे चुके हैं।

लेह झुलसने के ....

लद्दाख के सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए विदेशी योगदान प्राप्त करने के लिए पंजीकृत किया गया था। 20 अगस्त 2025 को शो कॉज नोटिस जारी किया गया। 10 सितंबर को अनुस्मारक भेजा गया। संस्था ने 19 सितंबर को जवाब दिया।

इधर, वांगचुक ने बताया कि सीबीआई की एक टीम लगभग 10 दिन पहले 'एक आदेश' लेकर आई थी, जिसमें कहा गया था कि वे हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स लद्दाख में कथित विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन के संबंध में गृह मंत्रालय की शिकायत पर कार्रवाई कर रहे हैं। वांगचुक ने दावा किया, आदेश में कहा गया था कि हमने विदेशी धन प्राप्त करने के लिए एफसीआरए के तहत मंजूरी नहीं ली है। हम विदेशी धन पर निर्भर नहीं रहना चाहते, लेकिन हम अपने ज्ञान के जरिये राजस्व जुटाते हैं। ऐसे तीन मामलों में, उन्हें लगा कि यह विदेशी योगदान है। उन्होंने बताया कि सीबीआई की एक टीम ने पिछले हफ्ते एचआईएएल और स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) का दौरा किया और 2022 और 2024 के बीच उन्हें मिले विदेशी धन का ब्योरा मांगा। उन्होंने बताया कि टीम अब भी लद्दाख में डेरा डाले हुए है और संगठनों के खातों और बैंक विवरण की जांच कर रही हैं। वांगचुक ने आरोप लगाया, यह एक बहुत ही शरारतपूर्ण कार्य था। उन्होंने इसे देखा और वे आश्वस्त हो गए। वे समझ गए कि इससे उन्हें कोई मदद नहीं मिल रही है, इसलिए उन्होंने उस अवधि के बाहर के खाते मांगने शुरू कर दिए। उनका अधिदेश 2022 और 2024 के दौरान खातों की जांच करने का था, लेकिन उन्होंने 2021 और 2020 के खाते मांगने शुरू कर दिए। फिर वे हमारे स्कूल गए और अपने अधिदेश की अवधि के बाहर के विभिन्न दस्तावेज और शिकायत के दायरे से बाहर के एक स्कूल के बारे में जानकारी मांगी। वे दोनों स्कूल जरूरतमंद युवा छात्रों को मुफ्त शिक्षा देते हैं। उन्होंने कहा कि एचआईएएल में छात्रों को विभिन्न परियोजनाओं पर उनके काम के लिए वजीफा दिया जाता है। वांगचुक ने कहा, "सीबीआई अधिकारी अब भी लद्दाख में डेरा डाले हुए हैं और रिकॉर्ड की गहन जांच कर रहे हैं।"

वांगचुक ने 1988 में की थी संस्था की स्थापना : स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख की स्थापना 1988 में सोनम वांगचुक ने की थी। यह संगठन लद्दाख में शिक्षा सुधार, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में काम करता रहा है। सरकार के इस कदम के बाद लद्दाख में राजनीतिक और सामाजिक हलचल तेज हो गई है। वांगचुक पहले से ही लद्दाख की पर्यावरणीय और संवैधानिक मांगों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।

युवाओं की हताशा से हिंसा : जलवायु कार्यकर्ता ने हिंसा भड़कने के लिए लंबे समय से चली आ रही शिकायतों, खासकर क्षेत्र के युवाओं में व्याप्त हताशा को जिम्मेदार ठहराया और तर्क दिया कि असली वजह 'छह साल की बेरोजगारी और हर स्तर पर अधूरे वादों की हताशा' है। उन्होंने सरकार पर नौकरी में आरक्षण पर सफलता का दावा करके जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया तथा कहा कि राज्य का दर्जा एवं लद्दाख के आदिवासी दर्जे और पर्यावरण की रक्षा के लिए छठी अनुसूची के विस्तार की मुख्य मांगों पर पांच साल की शांतिपूर्ण अपीलों के बाद भी गौर नहीं किया गया हैं।

वांगचुक बोले- मुझे ....

रहे हैं, ताकि मुझे जन सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार करके दो साल के लिए जेल में डाल सकें। मैं इसके लिए तैयार हूं, लेकिन सोनम वांगचुक को आजाद रखने के बजाय जेल में डालने से समस्याएं और बढ़ सकती हैं।

सूखा नदी ऊफान, स्कूल ....

सात करोड़ का पुल - यहां पर 2020 में पुल निर्माण की मंजूरी मिली थी, पर पांच बरस में 20 फीसदी ही काम हो पाया, उसके बाद से काम बंद है। सात करोड़ की लागत से बनने वाले इस पुल का काम आगे ही नहीं बढ़ पा रहा है।

'छोलाछाप' इलाज, इंजेक्शन....

घाव होने पर बच्चे की मां सुशीला एक्का 24 सितंबर की रात 8.30 बजे उसे लेकर नगर के शम्भू मेडिकल स्टोर गई हुई थी। महिला का आरोप है कि दवा दुकान व क्लिनिक संचालक शम्भू विश्वकर्मा ने बच्चे को टेक्सिम 500 इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगने से साथ ही बच्चा बेहोश हो गया जिसके बाद दुकान संचालक खुद ही महिला के साथ जिला अस्पताल में ले गया। जिला अस्पताल में बच्चे की हालत गंभीर होने और मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर कर दिया जहां से देर रात बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद परिजन शव लेकर वापस बलरामपुर लौट आए। इस घटना से परिजन सदमे में है इसके साथ ही लोगों में भी रोष का माहौल है।

पुलिस ने शुरू की जांच : बच्चे की मौत के बाद बच्चे की मां ने बलरामपुर कोतवाली थाने में घटना की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पीएम उपरान्त शव को परिजन के सुपुर्द कर दिया है इसके साथ ही घटना की जांच चल रही है। थाना प्रभारी भापेंद्र साहू का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएंगी।

दवा दुकान की आड़ में क्लिनिक : बताया जा रहा है कि शम्भू विश्वकर्मा द्वारा दवा दुकान की आड़ में क्लिनिक का संचालन किया जाता है। दुकान के पीछे झोलाछाप लोगों का उपचार करता है। शम्भू विश्वकर्मा की लापरवाही का यह पहला मामला नहीं है। पूर्व में भी शम्भू विश्वकर्मा अवैध रूप से क्लिनिक का संचालन करता था जिसे स्वास्थ्य विभाग ने सील किया था लेकिन बाद में उसने दवा दुकान खोल लिया और दवा दुकान की आड़ में क्लिनिक संचालित करता है।

नि:संतान हिंदू विधवा ....

संरचना पहले से मौजूद है, उसे कमतर मत कीजिए। एक अदालत के रूप में, हम आपको सावधान कर रहे हैं। एक हिंदू सामाजिक संरचना है और आप इसे गिरा नहीं सकते... हम नहीं चाहते कि हमारा फैसला किसी ऐसी चीज को नष्ट दे जो हजारों सालों से चली आ रही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यद्यपि महिलाओं के अधिकार महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सामाजिक संरचना और महिलाओं को अधिकार देने के बीच संतुलन होना चाहिए। पीठ ने व्यापक मुद्दों पर विचार किए जाने तक समाधान की संभावना तलाशने के लिए संबंधित पक्षों को उच्चतम न्यायालय के मध्यस्थता केंद्र में भेज दिया।

पेज एक के शेष

अब चलती ट्रेन से भी होगा...

बड़ी खासियत ये है कि मिसाइलों को अब सड़क मार्ग के अलावा रेलों के जरिए भी कहीं भी ले जाया जा सकेगा। मिसाइलों को दागने के लिए खास लॉन्च पैड की जरूरत नहीं होगी। ये प्रणाली एक चलते-फिरते लॉन्च पैड की तरह काम करेगी। इसी के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिनके पास रेल नेटवर्क से मिसाइल लॉन्च करने वाली प्रणाली है। गौरतलब है कि गुरुवार को डीआरडीओ ने अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर टेस्ट रेंज से रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर से किया गया। यह मिसाइल 2000 किलोमीटर दूर तक निशाना मार सकती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे राष्ट्रीय गौरव बताया।

62 वर्ष का गौरवशाली सफर मिग-21 की...

पहले वायुसेना में शामिल किया गया था। यह भारत की वायुशक्ति में एक ऐतिहासिक अध्याय के समापन का प्रतीक होगा। 'पैंथर्स' उपनाम वाले तेईसवें स्क्वाड्रन के अंतिम मिग-21 विमान को चंडीगढ़ वायुसेना स्टेशन पर आयोजित समारोह में विदाई दी जाएगी, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह शुक्रवार को विमान की अंतिम उड़ान में सवार होंगे। मिग-21 विमानों के बारे में हाल ही में 'एक्स' पर एक पोस्ट में भारतीय वायुसेना ने कहा था, छह दशकों की सेवा, साहस की अनगिनत कहानियां, एक ऐसा योद्धा जिसने राष्ट्र के गौरव को नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाया। **भारत के आसमान का सिकंदर रहा है मिग-21 :** सोवियत संघ (आज का रूस) में डिजाइन हुए मिग-21 का भारत में सफर 1960 के दशक में शुरू हुआ था।

जीएसटी में अभी और होगी कटौती, पीएम ने...

है और लोगों की आय तथा बचत दोनों में बढ़ोत्तरी की है। उन्होंने कहा कि 12 लाख रुपये तक की आय को कर-मुक्त करके और नए जीएसटी सुधारों को लागू करके देश के नागरिक इस वर्ष 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने साल 2017 में जीएसटी लागू करके अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में सुधार किये। यह अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था और इसके बाद इस साल सितंबर में और सुधार किए गए। उन्होंने कहा, आज देश गर्व से जीएसटी बचत उत्सव मना रहा है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम यहीं नहीं रुकेंगे। 2017 में हम जीएसटी लाए और फिर 2025 में भी (सुधार लाए)। हम अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेंगे। जैसे-जैसे आर्थिक मजबूती बढ़ेगी, कर का बोझ कम होता जाएगा। नागरिकों के आशीर्वाद से जीएसटी में सुधार जारी रहेंगे।

स्टंटबाजी में नाबालिग ने कुचला...

हुई और महिला साहू थार की चपेट में आ गई। इसका खुलासा सोमनी पुलिस की जांच में हुआ है। पुलिस ने नाबालिग समेत चार लोगों को हिरासत में लिया है। चारों के खिलाफ हिट एंड रन के अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है। 23 सितंबर को थार सीजी 04 क्यूसी 8007 को एक नाबालिग चला रहा था। उसमें चालक समेत चार लोग सवार थे। दो नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं। महिमा साहू अपने जत्थे के साथ डोंगरगढ़ जाने के लिए निकली थी। मनकी खंडेलवाल बांस डिपो के सामने राजनांदगांव के पास पहुंचते ही नाबालिग ने महिमा को जोरदार ठोकर मार दिया। हादसे में गंभीर रुप से महिमा घायल हो गई। उपचार के लिए सोमनी पुलिस सेक्टर 9 अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद थार चालक वाहन लेकर फरार हो गया। महिमा 12वीं में टॉपर रही और आईएएस की तैयारी कर रही थी।

नाबालिग को बचाने रची गई साजिश : बताया गया कि हादसा होने के बाद नाबालिग को बचाने के लिए थार के चालक के रूप में राज कुमार ध्रुव नामक युवक को पेश किया गया था, लेकिन सोमनी पुलिस के बारीकी से जांच करने पर इसका खुलासा हुआ। तब पुलिस ने नाबालिग समेत चार को पकड़ लिया। उनके खिलाफ हिट एंड रन के तहत अपराध कायम किया है। इसके अलावा थार को किराए पर चलाने वाले और साजिश रचने वालों पर भी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। पुलिस ने धारा 106 के तहत कार्रवाई किया है। जांच में अन्य धारा जुड़ सकते है।

मौज मस्ती में हुआ हादसा : *मौज-मस्ती के फेर में गई होनहार महिमा की जान हादसे में चली गई। जानकारी के मुताबिक थार में चार लोग सवार थे। जिसमें दो युवतियां भी थी। कार चला रहा आरोपी ने पहले तो रिजर्व रूट में जानबूझकर गाड़ी डाली। इसके बाद लगातार स्टेयरिंग को इधर-उधर घुमाकर मस्ती करने लगा। अचानक स्पीड बढ़ाता फिर ब्रेक भी लगाता। इसी मौज मस्ती के बीच थार के चालक ने अपने दोस्तों के साथ आ रही महिमा साहू को रौंद दिया।*

परिजनों ने उठाया सवाल : *पूरी कार्रवाई पर मृतका के परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा दिया है। पुलिस पर रिश्वत लेकर आरोपियों का सहयोग करने का आरोप लगाते हुए सोमनी थाना में जमकर बवाल हुआ है। उनका यह भी कहना है कि आरोपियों को विशेष सुविधा देते हुए प्राइवेट गाड़ी में कोर्ट ले जाया गया है।*

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

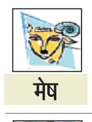
वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

केंद्र ने तीन राज्यों के ग्रामीण स्थानीय निकायों को दी अनुदान की पहली किस्त

हरिभूमि न्यूज : नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने पंद्रहवें वित्त आयोग के अंतर्गत बिहार, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ग्रामीण स्थानीय निकायों को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए असंबद्ध अनुदान की पहली किस्त जारी कर दी है। बिहार को राज्य की 38 पात्र ज़िला पंचायतों, 530 ब्लॉक पंचायतों और 8046 ग्राम पंचायतों के लिए 801 करोड़ रुपये मिले हैं। हिमाचल प्रदेश को सभी 12 ज़िला पंचायतों, 80 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 3576 ग्राम पंचायतों के लिए लगभग 68 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश को 73 पात्र ज़िला पंचायतों, 813 ब्लॉक पंचायतों और 57,633 ग्राम पंचायतों के लिए 1548 करोड़ रुपये मिले हैं ।

परमाणु दुर्घटनाओं से निपटने 'न्यूक्लियर देयदायित्व निधि' की तैयारी

हरिभूमि न्यूज : नई दिल्ली । केंद्र सरकार देश में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को मज़बूती देने और निवेश आकर्षित करने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। केंद्र सरकार अब एक ऐसे प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रही है जिसके तहत देश में संभावित परमाणु दुर्घटनाओं की स्थिति से निपटने और प्रभावितों को पर्याप्त मुआवज़ा देने के लिए एक विशेष "न्यूक्लियर देयदायित्व निधि" (न्यूक्लियर लाइबिलिटी फण्ड) स्थापित की जाएगी।

यह निधि उस स्थिति में उपयोग की जाएगी जब किसी परमाणु संयंत्र में दुर्घटना हो और मुआवज़े की राशि 1,500 करोड़ रुपए से अधिक हो जाए।

कांग्रेस संगठन को हर घर तक ले जाने का संकल्प : राहुल

हरिभूमि न्यूज : नई दिल्ली । कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को अपने संगठन को और मजबूत करने तथा जनता के बीच अपनी पहुंच को गहराई तक ले जाने का संकल्प दोहराया। "संगठन सृजन अभियान" के तहत आयोजित एआईसीसी पर्यवेक्षकों की बैठक में पार्टी नेताओं ने जमीनी स्तर पर कांग्रेस को सशक्त बनाने की रणनीति पर चर्चा की। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बैठक के बाद फेसबुक पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा,"आज संगठन सृजन अभियान की एआईसीसी पर्यवेक्षकों की बैठक में, हमने यह सामूहिक संकल्प और मजबूत किया कि कांग्रेस संगठन को हर गांव, हर शहर और हर घर तक पहुंचाया जाएगा।

हम अपनी पार्टी की जन-केंद्रित विरासत को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं । जमीनी स्तर पर मजबूत, सेवा से प्रेरित, भारत के लिए एकजुट दृष्टिकोण के साथ, और हमारे लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा के कर्तव्य के प्रति अडिग हैं।

हमारा उद्देश्य चुनावी राजनीति नहीं

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का उद्देश्य केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के हर नागरिक तक पहुँचकर लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों की रक्षा करना है।

जुबीन गर्ग केस : म्यूजीशियन गोस्वामी गिरफ्तार

नई दिल्ली। असम के मशहूर गायक जुबिन गर्ग की असामयिक मौत की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने संगीतकार शेखर ज्योति गोस्वामी को गिरफ्तार किया है।

गोस्वामी उस विवादित यॉट ट्रिप पर मौजूद थे, जिसे मामले से जोड़ा जा रहा है। उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है, लेकिन अभी तक उनके खिलाफ आरोपों का खुलासा नहीं किया गया है और न ही स्पष्ट है कि उनके खिलाफ क्या चार्जेस लगाए गए हैं। सूत्रों के अनुसार जांच कई मोर्चों पर जारी है, जिसमें गर्ग की अचानक मौत की घटनाओं की गहनता से जांच की जा रही है। साथ ही, उद्यमी और सांस्कृतिक कार्यकर्ता श्यामकानु महंता भी एसआईटी की जांच में हैं। वे वर्तमान में एयरपोर्ट लाउंज में हैं और कथित तौर पर सीआईडी से संपर्क कर आत्मसमर्पण की इच्छा जता चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि उनकी गिरफ्तारी जल्द हो सकती है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विद्युत कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या.: टीआरडी-बीएसपी-286-25-26, दिनांक: 22.09.2025.

कार्य: (1) बिलासपुर: बिलासपुर डिवीजन में सीआईसी सेक्शन पर भूमिगत केबल द्वारा 33 केवी ओवरहेड पावर लाइन क्रॉसिंग का संशोधन। (2) बिलासपुर डिवीजन में बैहाटोला-अंबिकापुर, बोरीडांड-चिरिमिरी और बिलासपुर यार्ड के बीच भूमिगत केबल द्वारा 33 केवी ओवर हेड पावर लाइन क्रॉसिंग का संशोधन। (3) बिलासपुर मंडल अंबिकापुर में वाशिंग पिट/कोचिंग मेंटेनेंस टर्मिनल का प्रावधान। **निविदा मूल्य: ₹ 3,10,86,685.05. अमानत राशि: ₹ 3,05,400.00.**

निविदा जमा करने की तिथि: 14.10.2025 के 15:00 बजे तक।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।

वरि. मंडल विद्युत अभियंता(क.वि.)/ बिलासपुर

सीपीआर/10/338

South East Central Railway @secrail

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड

बैलाडीला लौह अयस्क परियोजना निक्षेप क्रमाँक-4, तहसील - बड़े बचेली, जिला - दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़ (494553)

आम सूचना दिनांक: 26.09.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड, बैलाडीला लौह अयस्क परियोजना निक्षेप क्रमाँक-4 तहसील - बड़े बचेली, जिला - दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा में अनुषांगी गतिविधियों हेतु वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. No.: OL/EC/MIN/DANTEWADA/3076 दिनांक: 22.09.2025 (राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ के द्वारा जारी) के माध्यम से पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति पत्र की प्रति छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, छत्तीसगढ़ एवं वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार की वेबसाइट http://www.parivesh.nic.in पर भी देखी जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली

रिसाली सेक्टर बी.एस.पी. स्कूल नं.-35, पिन-490006

Website: risali.urbanecg.gov.in

क्र./लो.क.वि./2025/1156 रिसाली, दिनांक- 24/09/25

// निविदा सूचना //

नगर पालिक निगम, रिसाली की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु लोक कर्म विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लो.क.वि. भवन एस.ओ.आर 01.01.2015 एवं रोड एस.ओ.आर 01.01.2015 के आधार पर प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम	निविदा लागत (रु. लाख में)
1	वार्ड क्र. 11 मरोदा सेक्टर बी पॉकट दुर्ग उत्तरी रोड में फैंसिंग कार्य।	1.00
2	वार्ड क्र. 12 मरोदा सेक्टर पश्चिम आई पॉकेट में 7 ए एवं 15बी के पास पुलिया संधारण कार्य।	0.99
3	वार्ड क्र. 38 स्टोर पारा पुरैना में सिद्धि विनायक चौक स्टेशन रोड में पाथवे निर्माण कार्य। (पार्षद निधि)	2.00
4	वार्ड क्र. 40 पुरैना बस्ती के मनकी अम्मा मंदिर प्रांगण में शेड निर्माण कार्य। (पार्षद निधि)	1.50

नियम एवं शर्तें तथा कार्यों का विस्तृत विवरण संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in एवं विभागीय risali.urbanecg.gov.in में भी देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, रिसाली

न्यायालय अनुविभागीय (रा.) बेरला जिला बेमेतरा
रा.प्र.क्र. 202412231600015/अ-5/ वर्ष 2024-25

//राजस्व मामले में नोटिस //

क्र./2024/ वा./ अ.वि.अ/ 2025 बेरला
दिनांक: 10.09.2025

पन्नालाल ताम्रकार पिता अभय सिंह
विरूद्ध
कृष्ण कान्त पिता स्व. अशोक ताम्रकार वगै.
प्रति
1. शिखा ताम्रकार पिता अशोक ताम्रकार
2. शालिनी पिता स्व. अशोक ताम्रकार
3. मल्लिका पिता स्व. अशोक ताम्रकार
4. सन्तु पति स्व. अशोक ताम्रकार
चारो निवासी मुकुट नगर पानी टंकी के पीछे रायपुर तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)
5. पवन साहू पिता कलीराम साहू
निवासी ग्राम देवादा तहसील भिंभौरी जिला बेमेतरा(छ.ग.)

--:000:--

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि, अपीलार्थीगण द्वारा माननीय अधिनस्थ न्यायालय रा.प्र.क्र. 202305231800003/ अ-5/वर्ष 2022-23 पारित आदेश दिनांक 24/05/2024 से क्षुब्ध होकर यह अपील प्रस्तुत किया गया है।

प्रकरण मेरे न्यायालय में लंबित है जिसकी सुनवाई दिनांक 10.10.2025 के दिन के समय 11.00 बजे स्थान बेरला में नियत है। अतः आप नियत तिथि को इस न्यायालय में होंवे अन्यथा आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 10.09.2025 को न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेरला, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.EPC-CECONIV BBS2025041, दिनांक : 18.09.2025

कार्य का नाम: EPC मोड में सम्बलपुर सिटी-जरपड़ा तीसरी एवं चौथी लाइन परियोजना से संबंधित मेजर (Major) पुल, रोड ओवर ब्रिज एवं रोड अण्डर ब्रिज का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 41036.00 लाख, EMD (रुपये में) : 2,00,00,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक **18.11.2025 को 1200 बजे।**

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी(निर्माण)/ भुवनेश्वर

PR-118/CI/25-26

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

अनुलग्न-अ

कार्य विवरण: 'रेलवे भूमि के प्रबंधन के लिए नीति' पर मास्टर परिपत्र के तहत रेलवे भूमि के अनुमत उपयोग लाइसेंस के आवंटन के लिए ई-नीलामी।

रेलवे भूमि के प्रबंधन के लिए नीति पर मास्टर परिपत्र के तहत रेलवे भूमि के अनुमत उपयोग के लिए लाइसेंस के कार्य हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटेलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार है:-

कैटेलॉग क्रमांक	श्रेणी	नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
PABSP-CP-KJZ1	Misc-Static-Services	03.10.2025 15:00	MSS-BSP-KJZ-ST Gen-109-25-2	क) यह नीलामी केवल अनुमोदित कार्गो संबंधी सुविधाओं (सभी गतिविधियां जो कम से कम एक दिशा के लिए परिवहन के साधन के रूप में रेलवे का उपयोग करती हैं, जैसे गोदाम, भंडारण सुविधाएं, साइलो, टैंक, कन्वेयर बेल्ट,	अनुमोदित संयुक्त प्रक्रिया आदेश के अनुसार

डिकेंटिंग सुविधाएं और रेल/सड़क वजन पुल, ट्रक पार्किंग इत्यादि जैसे कार्गो के लिए अन्य सक्षम सुविधाएं) की सुविधा के उद्देश्य से बिलासपुर डिवीजन के अधिकार क्षेत्र में 'रेलवे भूमि के प्रबंधन के लिए नीति' (अनुलग्नक - I के अनुसार) पर मास्टर परिपत्र के तहत रेलवे भूमि के अनुमत उपयोगों से संबंधित है। स्टैकिंग, हैंडलिंग, स्टोरेज और ट्रांसशिपमेंट सहित कार्गो से संबंधित गतिविधियां।

ख) रेलवे, पीएसयू, मौजूदा कंटेनर टर्मिनल ऑपरेटरों, नए कंटेनर टर्मिनल ऑपरेटरों, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स ऑपरेटरों, उद्योगों, बंदरगाहों, खानों और रेलवे नेटवर्क पर कार्गो ले जाने में रुचि रखने वाली किसी भी अन्य इकाई सहित किसी भी इकाई द्वारा कार्गो से संबंधित गतिविधियां की जा सकती हैं। **ग)** पट्टे पर दिए गए क्षेत्र में किसी तीसरे पक्ष की वाणिज्यिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक
द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/333

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर

बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि भैंसा वितरण केन्द्र के अंतर्गत आने वाले 33/11 के. व्ही. विद्युत लाईन में दिपावली पूर्व आवश्यक सुधार कार्य एवं मरम्मत कार्य हेतु लाईन बंद होने निचे तालिका में दर्शित दिनॉक को सुबह 10.00 से शाम 04.00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण फिडर से निकलने वाले समस्त दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी । आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	दिनांक	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	29.09.2025	11 के.व्ही. भैंसा फीडर	भैंसा, कर्मा, अछोली, खोरसी के समस्त उपभोक्ता
2	30.09.2025	11 के.व्ही. कनकी फीडर	कनकी, पाडाभाठ, मादाडीह, देवरतिल्दा, पाडा परसवानी, घोरभटठी, भेजरीरीह के समस्त उपभोक्ता
3	03.10.2025	11 के.व्ही. कुम्हारी फीडर	खपरीडीह, मंजिठा, लांजा, परसवानी, मोतिमपुर कला, चिंगरिया, कुम्हारी, आलेसुर के समस्त उपभोक्ता
4	04.10.2025	11 के.व्ही. कुम्हारी पम्प फीडर	पम्प फीडर के समस्त उपभोक्ता

"विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं. 1912 पर दर्ज कराऐं"

Credible Chhattisgarh विश्वसनीय छत्तीसगढ़ — असुविधा के लिए खेद है

" विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध हैं कृपया इससे बचे "
"स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए"

(धनंजय कुमार वर्मा)
कर्मचारी संख्या - 92315604
कार्यपालन यंत्री (संचा. / संधा.) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लि., रायपुर

S-45372/2

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि खरोरा उपसंभाग के अंतर्गत आने वाले 33/11 के.व्ही. विद्युत लाईन में दिपावली पूर्व आवश्यक सुधार कार्य एवं मरम्मत कार्य हेतु लाईन बंद होने निचे तालिका में दर्शित दिनॉक को सुबह 10.00 से शाम 04.00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण फिडर से निकलने वाले समस्त दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी । आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	दिनांक	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	29.09.2025	33 के.व्ही. खरोरा फीडर	खरोरा, केशला, माठ, कनकी, भैंसा, खोलीडबरी, भरूवाडीहकला व खुर्द, पचदेवरी व परसवानी, बेलदारसिवनी, तथा खरोरा एवं भैंसा सबस्टेशन से संबंधित सभी गांव
2	03.10.2025	33 के. व्ही. एच.टी. फीडर	एच.टी. फीडर से संबंधित सभी उपभोक्ता
3	06.10.2025	33 के.व्ही. बेलटुकरी फीडर	भडहा, बेलटुकरी, सुंदरा तथा बेलटुकरी सबस्टेशन से संबंधित सभी गांव ।
4	08.10.2025	33 के.व्ही. कोसरंगी फीडर	कोसरंगी, बाना, बुडेरा, गुमा, तथा कोसरंगी सबस्टेशन से संबंधित सभी गांव।
5	10.10.2025	33 के.व्ही. आई.टी.बी.पी. फीडर	आई.टी.बी.पी. फीडर से संबंधित सभी उपभोक्ता ।

विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं. 1912 पर दर्ज कराऐं ।

Credible Chhattisgarh विश्वसनीय छत्तीसगढ़ — असुविधा के लिए खेद है।

"विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध हैं कृपया इससे बचे"
"स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए"

(धनंजय कुमार वर्मा)
कर्मचारी संख्या - 92315604
कार्यपालन यंत्री (संचा./ संधा.) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लि., रायपुर

S-45384/2

इंडियनऑयल

IndianOil — CIN - L23201MH1959GOI011388

इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड को पैनल डॉक्टर की आवश्यकता है

चिकित्सा पेशेवरों से रिटेनरशिप के आधार पर अंशकालिक डॉक्टर-इन-अटेंडेंस के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। वे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एक्सप्लोसिव एसएमएस प्लांट कुसमुंडा, विकास नगर, डाकघर कुसमुंडा, जिला-कोरबा, (छ.ग.) पिन-495054 स्थित हमारे कार्यालय में सप्ताह में 2 दिन प्रतिदिन 2 घंटे के लिए उपस्थित हो सकते हैं। न्यूनतम एमबीबीएस योग्यता और सामान्य चिकित्सक के रूप में 5 वर्षों का अनुभव रखने वाले डॉक्टर आवेदन करने के पात्र हैं। रिटेनर शुल्क 1460/- रुपये प्रति घंटा (एमडी/एमएस के लिए) और 1130/- रुपये प्रति घंटा (एमबीबीएस के लिए) या समय-समय पर संशोधित होगा। पारिश्रमिक का भुगतान वास्तविक उपस्थिति के आधार पर किया जाएगा।

इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन एक सीलबंद लिफाफे में, जिस पर **'पैनल डॉक्टर के लिए आवेदन'** लिखा हो, श्री आर.एस. मार्को, महाप्रबंधक (विपणन), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एक्सप्लोसिव, प्लांट कुसमुंडा, विकास नगर, डाकघर कुसमुंडा, जिला-कोरबा, (छ.ग.) पिन-495054 को 06.10.2025 तक निम्नलिखित प्रारूप में भेज सकते हैं:-

1. नामः 2. जन्म तिथिः 3. योग्यताः 4. अनुभवः
5. निवास और क्लिनिक का पता, टेलीफोन नंबर और ईमेल आईडी सहितः

हस्ताक्षर, दिनांक सहित

अधिक जानकारी के लिए, कृपया ईमेल आईडी RSMARKO@INDIANOIL.IN पर लिखें या लैंडलाइन नंबर 07815-272289/272043 या मोबाईल नंबर +919424141095 पर संपर्क करें

शब्द पहेली - 6000

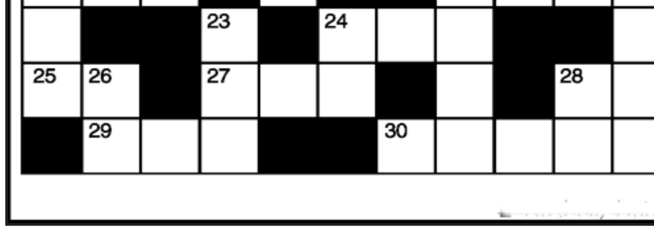

बाएँ से दाएँ
1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे
1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली- 5999 का हल

■	म	हा	भा	र	त	■	प	र	वा	ना
त	न	■	स्क	■	मा	हि	र	■	र	ग
न	■	त	र	क	श	■	ख	र	■	वा
ब	न्ध	क	■	■	बी	वी	■	न	ज	र
द	■	दी	■	दा	न	■	फां	■	ल	■
न	ज	र	बं	द	■	न	सी	ब	वा	ला
■	रु	■	दी	■	म	न	■	च	■	प
श	री	र	■	जं	हा	■	■	प	गा	र
रा	■	न	म	■	सा	ग	वा	न	■	वा
फ	ल	■	स	ज	ग	■	च	■	आ	ह
त	क्ष	शि	ला	■	र	द्द	क	र	ना	■

सूडोकु नवताल - 6010

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल - 6009 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

फूलरथ की हुई दूसरी परिक्रमा, समय पर पहुंची सिंहड्योढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

विश्वप्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा की महत्वपूर्ण रस्म फूलरथ परिक्रमा नियत समय पर शुरू हुई। सिंहड्यौढ़ी से शुरू हुई परिक्रमा जगन्नाथ मंदिर पहुंचने पर विशेष पूजा अर्चना की गई, जिसके बाद दूसरी परिक्रमा पूरी की गई। बुधवार को पहली परिक्रमा देर रात पहुंची थी। लेकिन दूसरी परिक्रमा समय पर पूरी की गई।

गौरतलब है कि पहली परिक्रमा देर से प्रारम्भ हुई थी और देर रात लगभग एक बजे सिंहड्यौढ़ी तक पहुंची थी लेकिन दूसरी परिक्रमा समय पर शुरू कि गई जो रात लगभग 9 बजे दंतेश्वरी मंदिर परिसर तक पहुंचाया गया। बारिश के बावजूद रथ खींचने ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण व शहर के श्रद्धालुओं ने भी अपना योगदान देते हुए परम्परानुसार रथ परिक्रमा पूरी कराई। दंतेश्वरी मंदिर के सामने सिंहड्यौढ़ी से शुरू हुई फूलरथ की दूसरी परिक्रमा सिरहासार भवन के सामने से होते हुए जगन्नाथ मंदिर पहुंची यहां विशेष पूजा अर्चना के बाद रथ को गोलबाजार, जयस्तभं, गुरूगोविंदसिंह चौक होते हुए दंतेश्वरी मंदिर स्थित सिंहड्यौढ़ी तक वापस पहुंचाया गया। तिथि में परिवर्तन के चलते इस वर्ष 6 दिन फूल रथ की परिक्रमा होगी। हालांकि दशहरा समिति द्वारा पहली परिक्रमा में हुए विलंब को देखते हुए दूसरी परिक्रमा से पूर्व पूरी तैयारी कर ली गई थी। जिसके चलते नियत समय में रथ परिक्रमा हो सका। परिक्रमा से पूर्व रथ को फूलों से सजाया गया था जो आकर्षण का केन्द्र बना हुआ था।

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Government of Chhattisgarh Undertaking)
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No. 1, Telibandha, Raipur (C.G.) - 492006 CIN : U45203 CT1981SG001853, PAN: AABCM6288N, GST Regn. No. 22AABCM6288N5ZY Phone: 0771-6621000 Fax: 0771-2583794, Website : www.csidc.in,
Email address: csidc.cg@nic.in, cside_raipur@yahoo.com

प्रथत निविदा आमंत्रण सूचना (मैन्यूअल पद्धति)

निविदा क्रमांक 19/ ई.ई.-01/सीएसआईडीसी/संभाग-1/ 2025-25 / रायपुर दिनांक 25/09/2025

मुहरबंद निविदा फार्म 'ब' (आईटम दर) पर वांछित श्रेणी में पंजीकृत 'अ' वर्ग विद्युत लाईसंसधारी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि रू.	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू.
1	औद्योगिक क्षेत्र जी-जामगांव जिला धमतरी में संपवेलपम्प हाऊस, स्टॉफ क्वार्टर, ए.डी.एम. एवं सड़कबत्ती हेतु एच.टी. लाईन विस्तार का कार्य (External Electrification Work)	9.77 लाख	7,500 /-	रू.885/-

निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि : दिनांक 15/10/2025 समय 2.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि : दिनांक 16/10/2025 समय 3.00 बजे तक
जानकारी / शर्तें वेबसाईट www.csidc.in पर उपलब्ध है ।

कार्यपालन अभियंता,(संभाग -01)

S-45373/2 कार्यालय एवं दुकान हेतु स्थान उपलब्ध, वेबसाईट देखे www.csidc.in

कार्यपालक अभियंता का कायलिय
पेयजल एवं स्वच्छता स्वणरिखा वितरण प्रमंडल, बुटी, राँची–834009

शुद्धि–पत्र

पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, बुटी, राँची अन्तर्गत ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–पे0स्व0वि0 / वितरण / 02 / 2025–26 दिनांक 12.09.2025 जो (PR No. 361939)* 25-26 D के द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित थी, जिसका प्रथम शुद्धि–पत्र (PR No. 362804)* 25-26 D के द्वारा समाचार पत्रों में प्रकाशित है, में क्रम संख्या–2 में बीड प्राप्ति (ऑन लाईन बिडिंग) की अंतिम तिथि एवं समय तिथि 03.10.2025 के जगह पर तिथि 03.09.2025 एवं क्रम संख्या–3 में (निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई–गवर्नेस विभाग झारखण्ड मंत्रालय धुर्वा, राँची के आदेश सह ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के अनुरूप Online करने की तिथि) में तिथि 03.10.2025 के जगह पर तिथि 03.09.2025 टंकण भूलवश अंकित हो गया है।

अतः शुद्धि–पत्र में क्रम संख्या–2 एवं क्रम संख्या–3 में प्रकाशित तिथि 03.09.2025 के जगह पर तिथि 03.10.2025 पढ़ा जाय।

यह शुद्धि–पत्र परिमाण विपत्र का भाग होगा एवं शेष पूर्ववत् रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, बुटी, राँची

PR 362952 Drinking Water and Sanitation(25-26)#D

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर
जिला- जाजंगीर-चाम्पा (छ. ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 176380 निविदा सूचना क्र. 20/व.ले.लि./ ई- प्रोक्युरमेंट/ 2025-26, दि. 24-09-2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 15.10.2025, समय-17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम : जांजगीर चाम्पा जिले के चाम्पा एनीकट के अपस्ट्रीम एवं डाऊन स्ट्रीम में प्रोटेक्शन कार्य एवं एनीकट में Wearing Coat एवं सौंदर्यीकरण कार्य ।

अनुमानित लागत : रूपये 277.39 लाख।

(विभाग के एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2014 एवं पुनरीक्षित दर दिनांक 22.08.2022 पर आधारित)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 01.10.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर
जिला-जांजगीर- चाम्पा (छ.ग.)

G-252603723/4

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-बलौदाबाजार
Office Phone No. :- 07727-296695, Email ID :- ee-res.abhanpur@nic.in

// ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्र.-13//
(प्रथम बार)

क्रमांक/2772/निविदा/ग्रा.यां.से./2025 बलौदाबाजार, दिनांक 23/09/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 05.10.2025 तक ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	प्रत्येक जोनल के लिए अनुमानित लागत (लाख में)	कुल अनुमानित लागत (लाख में)	ऑनलाईन निविदा आमंत्रण की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
Balodabazar 05 176342 Pallari 05 176343 Kasdol 08, 09, 10, 11 176344, 176346 176347, 176349	Zonal Tender-5 Block-Balodabazar Zonal Tender-5 Block- Pallari Zonal Tender- 8, 9, 10, 11 Block- Kasdol	40.00 लाख रू	240.00	निविदा आमंत्रण की अंतिम तिथि 05.10.2025

2/ निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति (परिशिष्ट 2.10 एवं निविदा दस्तावेज परिशिष्ट-2.13) यथा संशोधित व अन्य जानकारी बेबसाइट http://eproc.cgstate.gov. in में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 13.09.2025 से देखी जा सकती है।

(योगेश कुमार खाण्डे)
कार्यपालन अभियंता
ग्रा.यां. सेवा संभाग-बलौदाबाजार
जिला बलौदाबाजार -भाटापारा (छ.ग.)

G-252603720/2

सत्यमेव जयते

Government of Maharashtra
Public Works Department
Office of The Executive Engineer, Public Works Solapur Electrical Division, Solapur 916, Civil Lines, National Highway Quarters Solapur-413003

O.N.EE/SED/1791/2025 Date: 17/09/2025

Telephone:-(0217) 2312894
Email ID :- elsolapur.ee@mahapwd.gov.in

Recall E-Tender Notice No.02/2025-26

The Executive Engineer, Public Works Solapur Electrical Division is inviting tenders online through the E-tendering system for the B-1 (Percentage Rate) tender format., and the eligibility criteria for the contractors are mentioned in the tender. Tender documents should be downloaded from the government website www.mahatenders.gov.in, and the undersigned reserves the right to accept or reject the tenders. Conditional Bids will not be accepted.

Name of Work:- Est.No. 1310460 of 2025-26 Providing 250KVA Transformer, LT cable, 250 KVA DG set with required accessories and 15 Passenger stretcher lift (2 Nos.) at CATH Lab Centre in 100 bedded district Hospital, Solapur Dist-Solapur **Amount Put to Tender: 1,11,70,510/-** (Rs. One Crore Eleven Lakh Seventy Thousand Five Hundred Ten Only)

1) Period of Sale Documents & Submission : Dt.26.09.2025 @11.00am to Dt.03.10.2025@17.30pm
2) Pre-Bid Meeting : Nil
3) Date of Opening of Bid : Dt.06.10.2025 @ 11.00am At Office of The Superintending Engineer (Elect.), Pune Regional Ele. Circle, PWD Pune, Shivkirti Government Colony, Apartment No.G- 2/3,G-10,Ghorpadi, Pune-411001

The detailed tender notice will be available on www.mahatenders.gov.in (Any Changes in the NIT will be published on the above website)

Extcutive Engineer,
Public Works Solapur
Electrical Division, Solapur

ROC-2025-26/क्र.-5/C2714

नाला पार कर रहा युवक बाइक के साथ बहा

पलारी। क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही तेज बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी बरसात के चलते नदी-नालों में उफान आ गया। इसी बीच बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार सेमरिया–रोहांसी मार्ग पर एक युवक अपनी मोटरसाइकिल लेकर नाला पार कर रहा था। पानी का बहाव इतना तेज था कि युवक संतुलन नहीं बना सका और देखते ही देखते बाइक सहित बह गया। लोगों ने तत्काल प्रशासन को सूचना दी और मौके पर जुटकर युवक को बचाने का प्रयास किया और ग्रामीणों के सहयोग से युवक को सुरक्षित बाहर निकला गया । स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रही बारिश से नालों में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है। कई जगहों पर छोटे पुल-पुलियाओं के ऊपर से पानी बहने लगा है। बावजूद इसके लोग जोखिम उठाकर आवागमन कर रहे हैं, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है।इस घटना के बाद प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है।

तेज रफ्तार वाहनों ने दो आदिवासी युवतियों को रौंदा

जगदलपुर । नवरात्र में देवी दंतेश्वरी शक्तिपीठ दंतेवाड़ा दर्शन के लिए उत्साह से लबरेज परिजन और साथियों के साथ घर से निकली दो युवतियों को काल ने अपनी चपेट में ले लिया। उनके सपने भी तेज रफ़्तार वाहनों ने रौंद डाले। वहीं परिजनों के लिए जिंदगीभर का दर्द, परिवार के पालन-पोषण और भविष्य की चिंता भी सामने खड़ी हैं। नवरात्र के दूसरे दिन मंगलवार की शाम कोंडागांव और बीजापुर में पदयात्रियों पर तेज रफ़्तार ट्रैक्टर और हाइड्रा ने मौत का काल बनकर कहर बरपाया। जब वे देवी दर्शन के लिए घर से निकली थी। कोंडागांव जिले के माकड़ी ब्लाक के कांटागांव की रहने वाली 25 साल की महादई नेताम की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक पिता के निधन के बाद उसके जिम्मे परिवार का पूरा भार था। वहीं दूसरी घटना भी मंगलवार शाम 7 बजे की हैं। जब 12वीं क्लास की पढ़ाई कर रही बीजापुर की साक्षी नक्का अपनी बहनों और अड़ोस पड़ोस के रहने वालों के साथ पिता के घर से दंतेवाड़ा के लिए निकली थी। बीजापुर एजुकेशन हब के पास तेज रफ़्तार हाइड्रा ने उन्हें चपेट में ले लिया। ये 8 लोग एक साथ थे जिसमें साक्षी की मौत हो गई। दो बहनें घायल हो गई ।

स्कार्पियो की टक्कर से कार सवार दो घायल, पहुंचाया गया अस्पताल

कांकेर। बाबूकोहका आईटीआई के पास स्कार्पियों की टक्कर से कार में सवार दो लोगो को चोट आई। घायलों को चारामा के अस्पताल में भर्ती किया गया। कार चालक की शिकायत पर पुलिस ने स्कार्पियों वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए विवेचना में लिया गया। चारामा थाना में शिकायत करने पहुंचे नरहरपुर थानांतर्गत ग्राम अरौद निवासी 24 वर्षीय ऐमन लाल निषाद ने पुलिस को बताया कि अपने मामा की कार वाहन क्रमांक सीजी 19 बीआर 3623 में मैं अपने मामा ईश्वर लाल पटेल, मामी गोदावरी पटेल उनकी बेटी दीप्ती पटेल, विद्ंयवाशिनी पटेल के साथ काम से मेडिकल चेकअप के लिए भिलाई गए थे। कार को मैं चलाते हुए गया था और भिलाई में काम होने के उपरांत वापिस अपने घर अरौद आ रहा था कि बाबूकोहका आईटीआई के आगे ढाबा मोड़ के पास पीछे से सफेद रंग की स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 27 बी 5072 का चालक वाहन को तेज एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए हमारी कार को पीछे से ठोकर मार दिया। स्कार्पियों की ठोकर से कार में बैठे गोदावरी पटेल व उनकी बेटी विद्ंयवाशिनी पटेल को चोट आई। दोनों घायल को चारामा अस्पताल लाकर भर्ती किया गया।

बिहार सरकार

समाहरणालय, बाँका
(मद्य निषेध शाखा)
वाहन नीलामी हेतु अति अल्पकालीन आम सूचना

(बिहार मद्यनिषेध एवं अधिनियम 2016 एवं संशोधित अधिनियम 2018 के सुसंगत प्रावधानों के तहत् राजसात् किये गये वाहनों की अल्पकालीन सार्वजनिक नीलामी सूचना)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बाँका जिलान्तर्गत विभिन्न थाना काण्डों / उत्पाद वादों में राजसात किये गये वाहनों को बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 के सुसंगत प्रावधानों के तहत् विभिन्न अधिहरण वादों में अधिहरण न्यायालय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बाँका, भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता, बाँका, अपर समाहर्त्ता–सह–मद्यनिषेध दण्डाधिकारी, बाँका, जिला प्रंचायती राज पदाधिकारी–सह–मद्यनिषेध दण्डाधिकारी, बाँका एवं जिला परिवहन पदाधिकारी–सह–मद्यनिषेध दण्डाधिकारी, बाँका द्वारा राजसात् किये वाहनो कि सार्वजनिक नीलामी जो जहाँ है जैसे है के रुप में **11.30 बजे पूर्वाह्न में अधीक्षक मद्यनिषेध, महेशाडीह, बाँका के कार्यालय वेश्म में निम्न प्रकार से की जायेगी।**

वाहन नीलामी की तिथि		आवेदन प्राप्त की अंतिम तिथि	आवेदन प्राप्त करने का स्थान
दिनांक 06.09.2025 को आयोजित नीलामी से शेष बचे वाहनो की नीलामी की दूसरी तिथि	09.10.2025	07.10.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक	कार्यालय अधीक्षक मद्यनिषेध बाँका
शेष वचे वाहनों की नीलामी की तीसरी तिथि	18.10.2025	16.10.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक	

नोटः– (1) विभागीय पत्रांक–5964, दिनांक–04.08.2022 के आलोक में नियमानुसार क्रमाशः प्रथम नीलामी के उपरान्त मूल्यांकित राशि का 10 प्रतिशत कम करके एवं द्वितीय नीलामी के उपरान्त मूल्यांकित राशि का 20 प्रतिशत कम करके तृतीय नीमाली कराई जाएगी।
(2) निम्नांकित वाहन के स्वामियों को भी सूचित किया जाता है कि यदि वे निम्नांकित वाहनों के लिये अपील / रिवीजन / प्रपत्र IV दायर किये हों तो इसकी सूचना साक्ष्य सहित नीलामी की तिथि के पूर्व नीलामी समिति को उपलब्ध करा देंगे।
(3) उक्त वाहन से संबंधित वाहन स्वामी यदि इच्छुक हैं तो नीलामी में भाग ले सकते हैं।

क्र0 सं0	न्यायालय, बांका का ज्ञापांक / दिनांक	उत्पाद /थाना नाम	उत्पाद /थाना कांड सं0	वाहन का प्रकार	पंजीयन संख्या	चेचिस सं0	इंजन सं0	MVI द्वारा मूल्यांकित राशि (रूपया में)	पहली नीलामी के उपरान्त राशि (10% कम करने के उपरान्त)	अग्रधन की राशि (20%)	वाहन स्वामी का नाम व पता	वाहन निर्माण का वर्ष (मॉडल)	वाहन की भौतिक उपस्थिति	नीलामी समय बीमाकृत मूल्य (वाहन की बीमाकृत मूल्य)	वाहन जहाँ पर है
1	2	3	4	5	6	7	8	9		10	11	12	13	14	15
01	6035/R 23.10.24	रजौन (नवादा बाजार)	618/22	कार	CG12R2266	MA3ESKD1S0 0319899	K12MN1 081187	110000	99000	19800	नाम–डबलू कुमार पे0–प्रशांत सा0–रेलवे कॉलनी झोपड़ पट्टी हाउस नं0–213 थाना वो जिला कोरबा छत्तीसगढ़	2010			रजौन (नवादा बाजार)

विस्तृत जानकारी **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** से प्राप्त की जा सकती है।

PR. No. 015844 (Excise) 25-26

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

समाहर्त्ता, बाँका

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment
आवश्यकता

ड्रायवर

आवश्यकता है- चाय पत्ती की फैक्ट्री में ड्राइवर की भी आवश्यकता है **संपर्क - जैन ट्रेडर्स आकृति बिहार अमलीडी रायपुर 7469980000, 0771-4075490.** (RO-6720)

आवश्यकता है- तेलीबांधा के आस पास घरेलू कार चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन -15000, 11 घंटे ड्यूटी,सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक **सम्पर्क करे मोबाईल नं.- 97541 60228.** (RO-7229)

आवश्यकता है- शंकरनगर स्थित सॉफ्टवेयर कम्पनी में ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु अनुभवी , कुशल ड्राईवर जो साथ में ऑफिस कार्य भी कर सके आवश्यकता है। बायोडाटा सहित **संपर्क करें:- 9300532000 । 9893132000.** (RO-368)

असिस्टेंट अकाउंटेंट

आवश्यकता है- चायपत्ती के फैक्ट्री में असिस्टेंट अकाउंटेंट की आवश्यकता है **संपर्क करें जैन ट्रेडर्स आकृति विहार अमलीडीह रायपुर मोबाइल नंबर- 074699- 80000, 0771- 4075490.** (RO-6718)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- एम्बीशन मार्केटिंग कंपनी में आवश्यकता हैं लड़के एवं लड़कियों की सैलरी 10.000/- से 15.000/- तक **पताः- सुंदर नगर एक्सिस बैंक के पास रायपुर** Mob. **7722856852, 8962606852.** (RO-291)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- मेडिकल होलसेल (सीएंडएफ) में आवश्यकता है बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कंप्यूटर ऑपरेटर, **संपर्कः मणिधारी ट्रेडर्स ,औषधि वाटिका, मेडिकल कॉम्प्लेक्स डूमरतराई रायपुर. 9669164000, 9165929000.** (RO-441)

मैनेजमेंट एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- रायपुर के आस- पास 132/ 33kv सब स्टनो में ऑपरेटर तथा गार्ड के कार्य करने हेतु ITI इलेक्ट्रिकल पास तथा 10वीं पास लड़की की आवश्यकता है। **संपर्क नंबर 97543-73800, 79873-82110, 9644800809.** (RO-A)

ऑपरेटर/मार्केटिंग

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कार्य हेतु 04, पद कंप्यूटर 03 पद पैकिंग 03 पद अकाउंट व मार्केटिंग 02 पद डिलीवरी 02 पद रूम रहने की व्यवस्था है **करमचंद डिस्ट्रीब्यूटर देवपुरी 9827166180.** (RO-6721)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5-G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- **8420549466.** (RO-1171)

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घरबैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है! अगर आपको नौकरी की जरूरत है! तो **संपर्क करें:- 8335914373.** (RO-1173)

छोटा विज्ञापन

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या-950 वनरक्षक फील्डऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (23500+47500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने हेतु आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (अनिल कुमार)- **9208433816.** (RO-1164)

Property
प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- आदर्श नगर दुर्ग, प्राइम लोकेशन में 4000 स्क्वेयर फीट प्लॉट एरिया में निर्मित 3BHK मकान बेचना है। दलाल सम्पर्क न करें। **मो.- 93032 93456.** (आगे नं.-SPD/925)

प्लाट

प्लॉट बेचना है - प्लॉट साइज 21x36 =756 स्क्वायर फीट फ्रंट 21 फीट, लेंथ= 36 फीट, कर्मा धाम मंदिर के पीछे **हनुमान नगर, कृष्णा नगर, वार्ड नंबर 55 संतोषी नगर रायपुर छत्तीसगढ़. हितेन्द्र कुमार साहू सर- 9516851107.** (RO-6718)

Finance
फायनेंस

फाइनेंस - रोजगार योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधारकार्ड पर (50,000/- से 25 लाख तक) (1% ब्याज वार्षिक) प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिजनेस, दुकानदारी, ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए, **संपर्कः- 9311830460.** (RO-292)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Healthcare

इसे जरूर पढ़िये और समझिये

● इसे नजर अंदाज कर छणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए तुरंत खून की जाँच कराए।
● क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण रोग हैं। जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना, खुजली लाल होना, पेशाब में जलन या पीब आना, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग, हेपाटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक), रुबेला या एच.आई.वी. (HIV. AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं।
● क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग हैं सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रूसी, जोड़ो में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना, नाखूनो का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग हैं।
● क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान हैं जैसेः शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि।

ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं हैं। नीम हकिमो से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्नुनों थैरिपी पर आधारित केवल रस -रसायन में ही हैं।

सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा साईंटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659
9617789223, 9303242200

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।

द गेम : यू नेवर प्ले अलोन का ट्रेलर जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अभिनेत्री श्रद्धा श्रीनाथ की अपकमिंग थ्रिलर वेब सीरीज 'द गेमः यू नेवर प्ले अलोन' रिलीज होने के लिए तैयार है। इसका ट्रेलर मेकर्स ने गुरुवार को जारी कर दिया। यह नेटफ्लिक्स की पहली तमिल सीरीज है। यह सीरीज एक ऐसी कहानी बयां करती है, जहां वर्चुअल और वास्तविक दुनिया की सीमाएं धुंधली हो जाती हैं। यह न केवल एक थ्रिलर है, बल्कि इसमें पारिवारिक रिश्तों की जटिलताएं, विश्वास का संकट और तकनीक के अनियंत्रित होने का डर भी शामिल है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे एक गेम में लिया गया हर फैसला असल जिंदगी में गंभीर परिणाम ला सकता है। यह कहानी दर्शकों को सोचने पर मजबूर करेगी जब आपका बनाया हुआ खेल ही आपके खिलाफ हो जाए, तो क्या होगा?

ज्यादातर फिल्मों में होती है हैप्पी एंडिंग, दर्शक हो जाते हैं खुश

एक साल में आईं वो 3 ब्लॉकबस्टर फिल्में, जिनका लास्ट देख चकराया दिमाग

नई दिल्ली। बॉलीवुड में कुछ फिल्में ऐसी भी बनीं जिन्होंने भारतीय सिनेमा को अलग पहचान बनाई। इन फिल्मों का लास्ट सीन इतनी चालाकी से लिखा गया कि बड़े-बड़े मूवी लवर्स भी नहीं समझ पाए। 90 फीसदी दर्शकों ने बार-बार लास्ट सीन देखा और जवाब तलाशने की कोशिश की, लेकिन मन में आए सवालों के जवाब नहीं मिले। कई दर्शकों ने अपना माथा पकड़ लिया। हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी खासियत यही है कि फिल्म के अंत में सब कुछ ठीक हो जाता है। ज्यादातर फिल्मों में हैप्पी एंडिंग होती है। सभी दर्शक लास्ट सीन देखकर खुश हो जाते हैं। लेकिन, बॉलीवुड में कुछ फिल्में ऐसी भी बनीं जिनका लास्ट सीन 90 फीसदी दर्शकों की समझ में नहीं आया। इन फिल्मों ने अपने कंटेंट से पूरी दुनिया में भारतीय सिनेमा को अलग पहचान भी दिलाई। ये फिल्में थीं - अंधाधुन, स्त्री और तुंबाड़। इन फिल्मों का लास्ट सीन सस्पेंस से भरा हुआ था। लास्ट सीन में इतने परते थी कि दर्शकों ने सोचने को मजबूर हुए। थिएटर्स से बाहर आने के बाद लास्ट सीन की अपने-अपने ढंग से व्याख्या की। फिल्म के लास्ट सीन ने कई सवाल छोड़े थे। क्या आकाश अंधा है, क्या सच में उसे कुछ नहीं दिख रहा, क्या वो अंधा होने का नाटक कर रहा है, कुछ ऐसे सवाल थे, जिनको लेकर दर्शकों के बीच बहस छिड़ गई।

अंधाधुन

सबसे पहले बात करते हैं 5 अक्टूबर 2018 में आई अंधाधुन फिल्म की। यह एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में दिखाई गई स्टोरी दर्शकों की सोच से एक कदम आगे की थी। फिल्म एक ब्लाइंड पियानो प्लेयर आकाश की कहानी को दिखाती है जो अनजाने में एक मर्डर का गवाह बन जाता है। चालाक पत्नी सिमी और उसका पुलिस इंस्पेक्टर प्रेमी मर्डर करते हैं। फिल्म के लास्ट सीन में आकाश यूरोप के एक शहर में बैठा होता है। उसके साथ उसकी प्रेमिका बैठी होती है, जिसे वह कहानी का लास्ट सीन बता रहा होता है। वह खुद को बेचारा साबित करने की कोशिश करता है और सिमी को विलेन बताता है। लेकिन, दिलचस्प बात यह है कि आकाश फिल्म खत्म होने से ठीक पहले रोड पर पड़ी स्टिक से कैन को दूर हटा देता है। इससे साबित होता है कि वो ब्लाइंड नहीं है। फिल्म के डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने ऐसी एंडिंग रखी थी कि फिल्म खत्म हो जाने के बाद दर्शक सोचने को मजबूर हुए कि आखिर हुआ क्या था. फिल्म में एक डायलॉग भी था कि 'कुछ चीजें अधूरी होकर भी पूरी लगती हैं।' फिल्म अधूरी होते हुए भी पूरी लगती है। श्रीराम राघवन को सस्पेंस थ्रिलर फिल्मों का मास्टर कहा जाता है। उन्होंने 2004 में एक हसीना से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था।

स्त्री

स्त्री : 31 अगस्त 2018 में ही एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री आई थी। फिल्म में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म का डायरेक्शन अमर कौशिक ने किया था। फिल्म में गांव की एक ऐसी कहानी को सामने रखा गया था, जिसमें एक चुड़ैल गांव के मर्दों के पीछे पड़ जाती है। जो भी मर्द उसकी ओर से देखता है, उसे गायब कर देती है। फिल्म में एक विकी नाम का टेलर था। चुड़ैल से विकी का प्यार भी दिखाया जाता है। फिल्म के लास्ट

में दिखाया जाता है कि श्रद्धा कपूर चुड़ैल की चोटी निकालकर अपने बालों में जोड़ लेती है। फिर बस से गायब हो जाती है। फिल्म के इस लास्ट सीन ने दर्शकों का दिमाग घुमाकर रख दिया था। यह सीन दर्शकों को समझ नहीं आया था। स्त्री फिल्म की कहानी एक सच्ची घटना से प्रेरित थी। 90 के दशक में बेंगलुरु के पास ग्रामीण इलाकों में प्रचलित थी। लोग बताते थे कि एक महिला रात में गलियों में अपने पति को खोजते हुए घूमती है। घर से मर्दों को उठाकर अपने साथ ले जाती है।

तुम्बाड़

2018 में ही एक और सस्पेंस थ्रिलर फिल्म सिनेमाघरों में आई थी जिसे मास्टरपीस माना जाता है। यह फिल्म थी तुम्बाड़। यह फिल्म पौराणिक कथाओं पर आधारित थी। पूर्ति की देवी और हस्तर की कहानी को सामने रखा गया था। हस्तर इंसान के लालच का फायदा उठाकर उसका शिकार करता था। फिल्म में विनायक राव नाम का एक कैरेक्टर है जो तुम्बाड़ गांव में किले के नीच खुदाई करता है। वह अपने बेटे को भी अपने साथ ले जाता है। फिल्म के लास्ट सीन में देखने को मिलता है कि विनायक का बेटा उससे भी ज्यादा लालची निकलता है। वो आटे की गुड़यि लेकर आता है ताकि ज्यादा से ज्यादा खजाना निकाल सके। कहनी में शॉकिंग ट्विस्ट तब आता है जब आटे की हर गुड़िया से एक हस्तर जन्म लेता है। ऐसे में विनायक आटे की बची हुई गुड़यि खुद से बांधकर रस्सी के सहारे वहां से भागने की कोशिश करता है। सारे हस्तर उसकी ओर बढ़ते हैं। अपने बेटे की जान बचाने के लिए विनायक खुद को हस्तर के श्राप में फंसा देता है। उसका पूरा शरीर जल जाता है। विनायक हस्तर से पोटली चुराकर अपने बेटे की ओर फेंकता है लेकिन उसका बेटा समझ जाता है कि लालच बुरी बला है। वो विनायक को जलाकर श्राप से मुक्ति देता है। लालच का मोह त्याग देता है।

जान्हवी ने वरुण, सान्या के साथ संस्कारी अंदाज में मनाई नवरात्रि

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने नवरात्रि का उत्सव पारंपरिक अंदाज में शुरू किया और इसकी तस्वीरें साझा कीं। उनके साथ उनकी आने वाली फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के सह-कलाकार वरुण धवन, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ और मनीष पॉल भी नजर आए। जान्हवी कपूर ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के अपने को-स्टार्स के साथ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में वरुण, रोहित, सान्या और खुद जान्हवी पारंपरिक स्टाइलिश कपड़ों में नजर आ रहे हैं। जान्हवी ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'हैप्पी नवरात्रि संस्कारी स्टाइल।'

पहली तस्वीर में सभी साथ में पोज देते दिखे। बाती तस्वीरों में जान्हवी अकेले और वरुण और सान्या के साथ मुस्कुराते हुए नजर आईं। हाल ही में फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का रोमांटिक गाना 'तू है मेरी' रिलीज हुआ, जिसे सचेत-परंपरा ने गाया और बनाया, जबकि बोल कौसर मुनीर ने लिखे। शशांक खेतान के निर्देशन में बनी यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। यह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, अक्षय ओबेरॉय और मनीष पॉल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का हॉलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

जॉइंट्स पेन के लिए रामबाण तेल
Since-2000
S.M. OIL®
हर प्रकार के वात रोग, गठिया वात, लकवा, हाथ पांव, कमर, पीठ, जोड़ों का दर्द, जोड़ों का अकड़ना, सूजन, मोच, हड्डी फ्रैक्चर आदि में परम गुणकारी
सभी आयुर्वेदिक एवं ऐलोपैथिक दुकानों में उपलब्ध।
Customer Care No. 9425296176

उज्जैन में भस्म आरती में शामिल हुए संजय

मुंबई। गुरुवार सुबह बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में नवरात्रि उत्सव के दौरान भस्म आरती में भाग लिया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। संजय दत्त ने उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन किए। जहां वे साधारण पारंपरिक पोशाक में अन्य भक्तों के साथ भक्ति में डूबे दिखे। संजय को मंदिर के नंदी हॉल में बैठकर भस्म

आरती करते हुए देखा गया। संजय दत्त हाल ही में फिल्म 'बागी 4' में नजर आए, जिसमें टाइगर श्रॉफ, हरनाज संधू और सोनम बाजवा भी अहम भूमिका में थे। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। उनकी अगली फिल्म 'धुरंधर' होगी, जिसमें रणवीर सिंह, आर. माधवन और अक्षय खन्ना जैसे सितारे हैं। यह एक जासूसी थ्रिलर फिल्म है, जो एक गुप्त एजेंट की कहानी पर आधारित है।

हरिभूमि THE DIAGNOSTIC CARE
छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर
दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
ट्यूबरक्युलोसिस
मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम
• क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून
• एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007
मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773
विज्ञापन हेतु संपर्क करें - 9303508130, 9302016344, 7909631282

टीवी मसाला

एलिस इन बॉर्डरलैंड का तीसरा सीजन रिलीज

मुंबई। लोकप्रिय जापानी सीरीज 'एलिस इन बॉर्डरलैंड'का तीसरा सीजन गुरुवार को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुका है। फैंस के लिए सबसे ज्यादा खुशी की बात ये है कि इस हिट जापानी साइंस-फिक्शन सीरीज के सभी एपिसोड एकसाथ रिलीज हुए हैं। यानी गुरुवार से सारे एपिसोड नेटफ्लिक्स पर मौजूद हैं। अब फैंस को इस शो के अलग-अलग एपिसोड के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इस सीजन में कुछ छह एपिसोड हैं। दिसंबर 2022 में रिलीज होने वाली इस सीरीज का दूसरा सीजन एक रोमांचक मोड़ पर खत्म हुआ था। जब उसागी (ताओ त्सुचिया) और अरिसु (केंटो यामाज़ाकी) किसी तरह वास्तविक दुनिया में वापस आने में कामयाब रहे। जहां दोनों अपने भविष्य को लेकर खुश दिख रहे थे, वहीं कैमरा एक जोकर कार्ड की ओर घूम गया। रिपोर्ट के अनुसार, सीजन 3 में वे शादीशुदा हैं और खेलों की उनकी यादें मिट चुकी हैं। लेकिन अंततः उन्हें वापस उस भयावह दुनिया में ले जाया जाएगा। एलिस इन बॉर्डरलैंड हारो असो के इसी नाम के मांगा (कॉमिक्स) पर आधारित है। चूंकि दूसरा सीजन मांगा की कहानी के साथ समाप्त होता है, इसलिए निर्देशक शिंसुके सातो और उनकी टीम ने सीरीज के तीसरे सीजन के लिए स्क्रिप्ट से हटकर काम किया है। नए सीजन की कहानी समय के साथ आगे बढ़ेगी क्योंकि दोनों सितारे, उसागी और अरिसु, अब खुशहाल शादीशुदा जिंदगी जी रहे हैं। लेकिन उन्हें बॉर्डरलैंड में फिर से कदम रखने में ज्यादा समय नहीं लगता, क्योंकि अरिसु, उसागी को बचाने के लिए उसका पीछा करेगी। इसका मतलब है कि यह जानलेवा खेल एक बार फिर शुरू होगा।

रामलीला में पुनीत का नया अवतार

नई दिल्ली। नवरात्रि का त्योहार आते ही देशभर में रामलीला का रंग चढ़ जाता है। हर साल लोग इस पल का बेसब्री से इंतजार करते हैं, जब

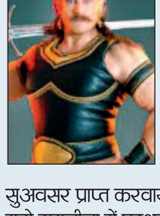

रामलीला मंचन होता है और बड़े-बड़े सितारे अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। ऐसे ही एक अभिनेता अयोध्या की रामलीला में एक अलग ही अंदाज में नजर आए हैं। अयोध्या में राम लीला हो रही है, जिसमें पुनीत इस्सर परशुराम का किरदार निभा रहे हैं। परशुराम का किरदार निभा रहे पुनीत ने मीडिया से इस बारे में बात की। उन्होंने कहा- बहुत ही बढ़िया लगा, मैं ईश्वर का आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे ये सुअवसर प्राप्त करवाया कि मैं रामलला की पावन धरती पर आया हूं और मुझे रामलीला में परशुराम का किरदार निभाने का सौभाग्य मिला है। मैं तो बस ये समझता हूं कि सनातन धर्म की सेवा में ये मेरा छोटा सा योगदान है। दिल्ली की रामलीला तो पहले से ही काफी मशहूर है, लेकिन इस बार अयोध्या की रामलीला पर भी सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। यहां परशुराम के रूप में पुनीत इस्सर को देखना दर्शकों के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है। पुनीत इस्सर का कॅरियर बेहद शानदार रहा है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सभीं प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

सुविधाएं: पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Gold Medalist, IUK) MD (Pathology, Utkal University)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG), F.M.A.S FRM (Gujarat University), DRM (Germany) स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
उपलब्ध विशेषताएं
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • यौन रोग
• आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सिस्ट, सोनोग्राफी,
• बांझपन का संपूर्ण इलाज
• सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण)
• गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑंकोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्युकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

अब नहीं चाहिए फोन-कार्ड! अंगूठा लगाते ही होगा पेमेंट, भारत में बना डिवाइस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में डिजिटल भुगतान को और आसान बनाने के लिए एक नई तकनीक सामने आई है जो बिना फोन और कार्ड के केवल अंगूठे के जरिए पेमेंट की सुविधा देती है। अब आपको कैश, डेबिट-क्रेडिट कार्ड या मोबाइल वॉलेट की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि अंगूठे का निशान ही आपकी पहचान और भुगतान का जरिया बन जाएगा। भारतीय स्टार्टअप कंपनी प्रॉक्सी ने इस अनोखे डिवाइस का नाम थंबपे रखा है।

डिजिटल भुगतान को आसान बनाने नई तकनीक आई सामने, बिना फोन और कार्ड के केवल अंगूठे के जरिए पेमेंट की सुविधा

धोखाधड़ी की संभावना कम

इस प्रक्रिया में न क्यूआर कोड स्कैन करने की जरूरत है और न ही स्मार्टफोन की। यही वजह है कि थंबपे छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े स्टोर्स तक हर जगह काम आ सकता है। कंपनी के संस्थापक पुलकित आहूजा का कहना है कि भारत ने पिछले एक दशक में आधार और यूपीआई जैसी मजबूत डिजिटल नींव रखी है और थंबपे इन्हीं तकनीकों का बेहतरीन उपयोग है। इसमें सर्टिफाइड फिंगरप्रिंट स्कैनर दिया गया है जो धोखाधड़ी की संभावना को कम करता है।

बुजुर्ग, मजदूर व ग्रामीण क्षेत्र के लिए उपयोग आसान

यह तकनीक खासकर उन लोगों के लिए वरदान साबित हो सकती है जो स्मार्टफोन या वॉलेट का इस्तेमाल नहीं करते। बुजुर्ग, दिहाड़ी मजदूर और ग्रामीण क्षेत्र के लोग आसानी से इस डिवाइस के जरिए भुगतान कर पाएंगे। पुलकित आहूजा के अनुसार, थंबपे का मकसद है "यूपीआई की ताकत को हर व्यक्ति के अंगूठे तक पहुंचाना।" यह कदम न केवल शहरों में बल्कि गांवों और कस्बों में भी डिजिटल इंडिया की दिशा को और मजबूत करेगा।

डिवाइस की कीमत 2000 रुपए

कंपनी ने इस डिवाइस की कीमत 2,000 रुपए से कम रखी है ताकि यह छोटे व्यापारियों और ग्रामीण इलाकों में भी अपनाया जा सके। बैटरी से चलने वाला यह डिवाइस बिजली न होने पर भी काम करता है और किसी भी आधार से जुड़े बैंक अकाउंट वाले व्यक्ति द्वारा बिना रजिस्ट्रेशन के इस्तेमाल किया जा सकता है। इसका पायलट टेस्ट पूरा हो चुका है और अब यूआईडीएआई तथा एनपीसीआई से मंजूरी मिलने के बाद इसे बैंकों और फिनटेक कंपनियों की मदद से बाजार में उतारा जाएगा।

बिजनेस साइट

'कॉन्टिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल' जल्द होगा शुरू, मिलेगी विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएं

जगदलपुर को मिलेगी अत्याधुनिक स्वास्थ्य

जगदलपुर। बस्तर क्षेत्र के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक बड़ी और ऐतिहासिक शुरुआत होने जा रही है। वर्षों से उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधाओं से वंचित रहे इस क्षेत्र को अब एक अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल मिलने जा रहा है। 'कॉन्टिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल' का निर्माण एनएमडीसी और सरकार के सहयोग से किया गया है, जो निकट भविष्य में आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। नया सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, प्रशिक्षित विशेषज्ञों और आपातकालीन सेवाओं से युक्त है। इसमें आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर, डायलिसिस यूनिट, सीटी/एमआरआई, अत्याधुनिक लैब और डायग्नोस्टिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल्स के फाउंडर और चेयरमैन डॉ. गुरू एन रेड्डी ने कहा कि मेरा सपना है कि देश के हर नागरिक को सस्ती, सुलभ और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा मिले - विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में। उन्होंने कहा कि उन्होंने अस्पताल को एक कॉर्पोरेट संस्था के रूप में नहीं, बल्कि एक सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया है, जहां डॉक्टर न केवल रोग का इलाज करें, बल्कि रोगी को एक इंसान के रूप में समझें। हैदराबाद स्थित कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल, जिसने पिछले 13 वर्षों में अपनी सेवा, ईमानदारी और करुणा के बल पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है, अब छत्तीसगढ़ में अपने अनुभव और गुणवत्ता का विस्तार कर रहा है। अमेरिका के ज्वाइंट कमीशन इंटरनेशनल से प्रमाणित इस संस्था ने हमेशा 'रोगी पहले' की नीति पर काम किया है।

खबर संक्षेप

डॉलर के मुकाबले रुपया सात पैसे चढ़कर 88.68 पर बंद

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को रुपया सीमित दायरे में कारोबार करते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे बढ़कर 88.68 (अस्थायी) पर बंद हुआ। डॉलर में मजबूती और कमजोर घरेलू बाजारों के बीच रिजर्व बैंक के संभवतः हस्तक्षेप के कारण रुपये में मजबूती आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि एच1बी वीजा शुल्क में बढ़ोतरी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने रुपये पर दबाव डाला।

बाजार प्रतिस्पर्धा को लेकर एसबीआई एमएफ आश्वस्त

SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE

मुंबई। एसबीआई म्यूचुअल फंड ने कहा कि वह निवेशकों की जरूरतों को बेहतर तरीके से समझती है और अपने उत्पादों के लिए प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारित करती है। विशेषीकृत निवेश कोष 'मैग्नम हाइब्रिड लॉन्ग शॉर्ट फंड' पेश किये जाने के मौके पर एसबीआई म्यूचुअल फंड के उप प्रबंध निदेशक और संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डीपी सिंह ने यह बात कही। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जियो ब्लैकरॉक के प्रवेश से बाजार का विस्तार होगा और इसका लाभ एसबीआई म्यूचुअल फंड को भी मिलेगा।

एचएसबीसी श्रीलंका में खुदरा कारोबार समेटेगी

कोलंबो। वित्तीय कंपनी एचएसबीसी अगले साल के मध्य तक श्रीलंका में अपने खुदरा बैंकिंग परिचालन को बंद कर देगी। यह श्रीलंका में सबसे पुराने विदेशी बैंकों में से एक है। एचएसबीसी अपना खुदरा बैंकिंग कारोबार श्रीलंका के नेशंस ट्रस्ट बैंक (एनटीबी) को 18 अरब श्रीलंकाई रुपये में बेच रही है। एनटीबी ने कोलंबो शेयर बाजार को लिखे एक पत्र में कहा कि उसने ''24 सितंबर, 2025 को हांगकांग और शंघाई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एचएसबीसी) के साथ एक पक्का बिक्री और खरीद समझौता किया है।

ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की समय सीमा 31 अक्टूबर तक बढ़ाई

टैक्सपेयर्स के लिए बड़ी राहत, बढ़ाई गई टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की डेडलाइन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टैक्सपेयर्स के लिए राहत भरी खबर है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब करदाताओं को अपनी ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की नई समय सीमा 31 अक्टूबर 2025 तक कर दी गई है। पहले यह तारीख 30 सितंबर 2025 थी। इस निर्णय का उद्देश्य करदाताओं को रिपोर्ट तैयार करने और दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय देना है, ताकि वे सभी जरूरी डॉक्यूमेंट्स और डिटेल सही तरीके से प्रस्तुत कर सकें।

उद्देश्य रिपोर्ट तैयार करने और दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय देना

सीबीडीटी ने पहले करदाताओं को रिपोर्ट फाइल करने की समय सीमा निर्धारित की थी, लेकिन बढ़ते काम के दबाव और प्रशासनिक कारणों से इसे आगे बढ़ा दिया गया है। यह कदम उन व्यवसायों और पेशेवरों के लिए राहत देने वाला है जिन्हें ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने में समय की चुनौती का सामना करना पड़ रहा था।

पहले ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की तारीख 30 सितंबर 2025 थी

30 रिट याचिकाएं दायर की जा चुकी

देशभर के अलग-अलग हाईकोर्ट्स में अब तक 30 रिट याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच ने सरकार और सीबीडीटी को 30 सितंबर की समय सीमा बढ़ाकर 31 अक्टूबर करने का निर्देश दिया। कर्नाटक हाईकोर्ट ने भी सीबीडीटी को डेडलाइन 31 अक्टूबर तक बढ़ाने को कहा। इसी क्रम में ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स ने भी सीबीडीटी से टैक्स ऑडिट रिपोर्ट की समय सीमा 31 अक्टूबर तक बढ़ाने की मांग की थी।

विभाग ने एक्स पर दी जानकारी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इनकम टैक्स विभाग ने एक पोस्ट में जानकारी दी है कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने पिछले वर्ष 2024–25 (आकलन वर्ष 2025–26) के लिए विभिन्न ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की निर्धारित तिथि बढ़ा दी है। यह विस्तार उन करदाताओं पर लागू होगा जो आयकर अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) की व्याख्या 2 के खंड (ए) में उल्लिखित हैं।

ई-फाइलिंग पोर्टल सुचारु रूप से काम कर रहा

सीबीडीटी ने यह भी स्पष्ट किया है कि इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पूरी तरह सुचारु रूप से काम कर रहा है और टैक्स ऑडिट रिपोर्ट्स बिना किसी तकनीकी समस्या के सफलतापूर्वक अपलोड की जा रही हैं। 24 सितंबर तक लगभग 4,02,000 टैक्स ऑडिट रिपोर्ट्स दाखिल की जा चुकी हैं। वहीं, 23 सितंबर 2025 तक 7.57 करोड़ से अधिक आईटीआर फाइल किए जा चुके हैं।

टैक्स ऑडिट डेडलाइन बढ़ाने की मांगें

सीबीडीटी को टैक्स ऑडिट की समय सीमा बढ़ाने के लिए कई पेशेवर संगठनों से रिक्वेस्ट मिले थे। इनमें चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थाएं भी शामिल थीं। इन संगठनों ने करदाताओं और टैक्स प्रैक्टिशनरों द्वारा समय पर ऑडिट रिपोर्ट पूरी करने में आ रही कठिनाइयों को सामने रखा। अनुरोधों में बताया गया कि देश के कुछ हिस्सों में आई बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं ने सामान्य व्यवसाय और पेशेवर गतिविधियों को प्रभावित किया है। यही कारण है कि समय सीमा बढ़ाने की मांग की गई। यह मामला कई उच्च न्यायालयों में भी उठाया गया।

एलन टैलेंटेक्स रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 30 सितंबर

कोटा। देश की प्रतिष्ठित प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा 'एलन टैलेंटेक्स 2025' के लिए रजिस्ट्रेशन जोरों पर है और 30 सितम्बर अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। 5 अक्टूबर को आयोजित होने जा रही यह परीक्षा विद्यार्थियों को 2.50 करोड़ रुपए तक के कैश प्राइज और 250 करोड़ रुपए की स्कॉलरशिप जीतने का मौका दे रही है।

■ **कैश प्राइज और 90 फीसदी तक स्कॉलरशिप पाने का सुनहरा मौका**

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के वाइस प्रेसीडेंट एवं टैलेंटेक्स के नेशनल हेड पंकज अग्रवाल ने बताया कि यह परीक्षा कक्षा 5 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए है, जो ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में दी जा सकती है। परीक्षा में भाग लेकर छात्र एलन के क्लासरूम और डिजिटल कोर्सेज में 90 फीसदी तक स्कॉलरशिप प्राप्त कर सकते हैं। अब तक इस परीक्षा में 18.25 लाख से अधिक विद्यार्थी भाग ले चुके हैं। टैलेंटेक्स 5 अक्टूबर को चंडीगढ़, दिल्ली-एनसीआर, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान और उत्तराखंड में आयोजित होगी। परीक्षा का सिलेबस एनसीईआरटी आधारित होगा और इसकी सम्पूर्ण जानकारी तथा प्रैक्टिस टेस्ट पेपर वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। प्रतिभागियों को उनकी नेशनल व स्टेट रैंक के साथ ही कॉम्पिटिटिव सक्सेस इंडेक्स (सीएसआई) भी प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें अपनी ऑल इंडिया लेवल पर स्थिति का आकलन करने में मदद मिलेगी।

देश में लॉजिस्टिक लागत जीडीपी के 7.97 प्रतिशत होने का अनुमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की लॉजिस्टिक लागत वित्त वर्ष 2023-24 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 7.97 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

यह रिपोर्ट डीपीआईआईटी के लिए आर्थिक शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) द्वारा तैयार की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों के अनुमानों से पता चलता है कि लॉजिस्टिक लागत में वृद्धि की गति धीरे-धीरे धीमी हो रही है।

■ **डीपीआईआईटी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी**

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों के लिए निकाले गए अनुमान बताते हैं कि लॉजिस्टिक लागत की वृद्धि दर धीरे-धीरे कम हो रही है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, मालगाड़ियों के लिए अलग से

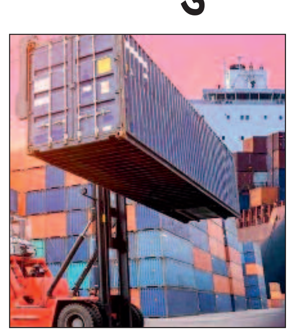

बनाया गया गलियारा, सागरमाला परियोजना, एकीकृत जांच चौकियों और एकीकृत लॉजिस्टिक इंटरफेस मंच के विकास जैसी कई पहलों को दिया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, /"डीपीआईआईटी के लिए एनसीएईआर द्वारा तैयार किए गए वर्तमान मूल्यांकन के अनुसार, भारत में लॉजिस्टिक लागत कुल जीडीपी का लगभग 7.97 प्रतिशत अनुमानित है।/"वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले सप्ताह भारत में लॉजिस्टिक लागत के आकलन पर एक रिपोर्ट जारी की थी। इसके साथ ही, अब देश के पास लॉजिस्टिक लागत का एक व्यापक और वैज्ञानिक रूप से प्राप्त अनुमान उपलब्ध है।

शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन गिरावट, सेंसेक्स 556 अंक लुढ़का

विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी जारी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला लगातार पांचवें दिन बृहस्पतिवार को भी जारी रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी और अमेरिकी एच-1बी वीजा शुल्क से जुड़ी चिंताओं के कारण सेंसेक्स 556 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 166 अंक की गिरावट रही।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 555.95 अंक यानी 0.68 प्रतिशत टूटकर 81,159.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 622.74 अंक गिरकर 81,092.89 अंक पर आ गया था। निफ्टी भी 166.05 अंक यानी 0.66 प्रतिशत गिरकर 24,890.85 अंक पर आ गया। यह शेयर बाजारों में गिरावट का लगातार पांचवां सत्र रहा। इस दौरान सेंसेक्स में कुल 1,854.28 अंक यानी 2.23 प्रतिशत और निफ्टी में 532.75 अंक यानी दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स और बजाज फाइनेंस में गिरावट का रुख रहा।

निवेशकों का विश्वास डगमगाया

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक एवं संस्थापक हरिप्रसाद के. ने कहा, /"निफ्टी 25,000 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गया जो इसमें गिरावट के रुख को दर्शाता है। कई वैश्विक एवं घरेलू चुनौतियों ने निवेशकों का विश्वास डगमगाया हुआ है।

अनिश्चितता के बीच मुनाफावसूली

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, /"भारतीय बाजारों में लगातार पांचवें सत्र में गिरावट रही। निवेशकों ने एफआईआई की सतत निकासी और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच मुनाफावसूली की।

चांदी में 1000 रुपए का उछाल और सोना 630 रुपए फिसला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 1,000 रुपये की तेजी के साथ 1.40 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई।

अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 1,39,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। स्थानीय सराफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 630 रुपये की गिरावट के साथ 1,17,370 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित)

रहा। पिछले कारोबार में यह 1,18,000 रुपये प्रति 10 ग्राम था। सर्राफा संघ के अनुसार, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बृहस्पतिवार को 700 रुपये घटकर 1,16,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रही। बुधवार को यह 1,17,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

चांदी 14 साल के उच्चतम स्तर पर

अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 21.40 डॉलर या 0.57 प्रतिशत बढ़कर 3,757.54 डॉलर प्रति औंस हो गया। हाजिर चांदी दो प्रतिशत से अधिक बढ़कर 45.03 डॉलर प्रति औंस के उच्च स्तर पर पहुंच गई। यह 14 साल के उच्चतम स्तर के करीब है।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था) नई दिल्ली

संस्कृति मंत्रालय MINISTRY OF CULTURE

प्रविष्टियों के लिए आमंत्रण

25 वां भारत रंग महोत्सव, 2026

(भारत का अंतर्राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव)

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय 25 वें भारत रंग महोत्सव 2026 भारत का अंतर्राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव (विश्व का सबसे बड़ा नाट्य महोत्सव) में भागीदारी के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है जो जनवरी एवं फरवरी, 2026 में नई दिल्ली और देश के अन्य शहरों तथा विदेश में आयोजित किया जाएगा। भारत और विदेश दोनों के इच्छुक नाट्य समूहों, नाट्य संस्थानों, ड्रामा कंपनियों तथा नाट्य निर्देशकों से केवल ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

विस्तृत जानकारी और आवेदन पत्र के लिए दिनांक 26 सितम्बर 2025 से राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की वेबसाइट www.nsd.gov.in पर जाएँ।

आवेदन भरने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर, 2025.

*** आवेदन शुल्कः-**

- भारत एवं सार्क देशों के लिएः ₹250/-
- अन्य देशों के लिएः ₹500/-

पूछताछ : फोन : 011-23073647, 011-23031116

वेबसाइटः www.nsd.gov.in

CBC 09130/12/0010/2526

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

साईकोलि/मप्र/कुस(क्षेत्र)/भू.रा./2024/902 दिनांक 12.09.2025

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र ग्राम पाली के 295.795 हे. की भूमि का अर्जन सीबीए एक्ट (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 के तहत् किया गया है जिसमें लागू सी.आई.एल. (आर एंड आर) पालिसी 2012 के अनुसार घटते क्रम (रकबा में) Concept के आधार पर 147 भू स्वामियों/आश्रितों की पात्रता बनती है जिसमें 01 भूमि स्वामी/आश्रित द्वारा रोजगार हेतु नामांकन पत्र जमा किया गया है, जिसका विवरण अधोलिखित तालिकानुसार है :-

क्र.	स्टेटमेंट 5 के अनुसार भूस्वामी का नाम/पिता का नाम	खाता नम्बर	खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)	कुल रकबा (एकड़ में)	उम्मीदवार का नाम (नामांकित व्यक्ति का नाम) एवं खातेदार से संबंध	भूस्वामियों/नामित उम्मीदवार द्वारा जमा किए गए पत्रों में भूस्वामी/उम्मीदवार का नाम			टिप्पणी
							विभिन्न दस्तावेज	विभिन्न दस्तावेज के आधार पर खातेदार का नाम	विभिन्न दस्तावेज के आधार पर उम्मीदवार	
1	सुकरिता बाई पिता बहोरन	701	438/1 450	0.65 0.15	0.80	सुकरिता बाई पिता बहोरन संबंध-स्वयं	नामांकन पत्र	सुकरिता बाई पिता बहोरन	सुकरिता बाई पिता बहोरन	खातेदार एवं उम्मीदवार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों/दस्तावेजों में भिन्न-भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है।
							सत्यापन	सुकरिता बाई पिता बहोरन	सुकरिता बाई पिता बहोरन	
							घटते क्रम की सूची के अनुसार क्र.सं. 108	सुकरिता बाई पिता बहोरन	सुकरिता बाई पिता बहोरन	
							बी-1 वर्ष 2012-13	सुकरिता बाई पिता बहोरन	सुकरिता बाई पिता बहोरन	
							पी-2 वर्ष 2008 से 2013	सुकरिता बाई पिता बहोरन	सुकरिता बाई पिता बहोरन	
							ऋण पुस्तिका	सुकरिता बाई पिता बहोरन	सुकरिता बाई पिता बहोरन	
							वंशवृक्ष	सुकृता बाई पिता बहोरन	सुकृता बाई पिता बहोरन	
							निवास प्रमाण पत्र	सुकरीता बाई पिता बहोरन	सुकरीता बाई पिता बहोरन	
							जाति प्रमाण पत्र	सुकरिता बाई पिता बहोरन	सुकरिता बाई पिता बहोरन	
							शैक्षणिक प्रमाण पत्र (कक्षा 8 वीं)	सुकरीता बाई पिता बहोरन	सुकरीता बाई पिता बहोरन	
							रोजगार पंजी	सुकरिता बाई पिता बहोरन	सुकरिता बाई पिता बहोरन	
							आधार कार्ड	सुकृता बाई पिता बहोरन	सुकृता बाई पिता बहोरन	

उक्त भूस्वामी/नामांकित व्यक्ति (उम्मीदवार) के रोजगार या उनके नाम के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की यदि आपत्ति हो तो वे प्रकाशन दिवस से 7 दिनों के अंदर अपना दावा आपत्ति महाप्रबंधक, कार्यालय एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र में प्रस्तुत कर सकते है, दिये गये समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

SECL/25-26/172

स्टाफ अधिकारी (भू-राजस्व), एसईसीएल, कुसमुण्डा क्षेत्र

सैमसन की असफलता चिंता का सबब, भारत के पास जितेश को आजमाने का आखिरी मौका

एजेंसी ▶▶| दुबई

मध्यक्रम में संजू सैमसन की असफलता मुख्य कोच गौतम गंभीर की चिंता का सबब होगी और भारतीय टीम प्रबंधन श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार को एशिया कप सुपर 4 चरण के आखिरी और बेमानी मुकाबले में जितेश शर्मा को आजमा सकता है। भारत की बांग्लादेश पर जीत के साथ ही श्रीलंका फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया, जिसे सुपर 4 में बांग्लादेश और पाकिस्तान ने भी हराया था। पूरी संभावना है कि रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

टूर्नामेंट में छूटे दस कैच

भारतीय बल्लेबाजी क्रम में सैमसन फिट होते नहीं दिख रहे। भारतीय टीम के लिए चिंता का दूसरा कारण टूर्नामेंट में अभी तक दस कैच छूटना भी है, जिनमें से पांच बांग्लादेश के खिलाफ छूटे। बड़े मैचों में इस तरह की कोताही की गुंजाइश नहीं रहती और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने भी स्वीकार किया कि इस विभाग में सुधार करना होगा। चक्रवर्ती की गेंदों पर भी कई कैच छूटे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ दो विकेट लेने वाले चक्रवर्ती ने कहा,' इस स्तर पर कोई बहाना नहीं बनाया जा सकता। एक टीम के रूप में हमें सारे कैच लपकने ही होंगे। हम फाइनल में पहुंच गए हैं और कैच नहीं टपकाए जा सकते।' वैसे उन्होंने क्षेत्ररक्षकों का बचाव किया क्योंकि दुबई स्टेडियम की फ्लडलाइट ऊंचे टावर पर नहीं है और फुटबॉल स्टेडियम की लाइट जैसी लगती है। चक्रवर्ती ने कहा,' वैसे 'रिंग आफ फायर' (फ्लडलाइट डिजाइन) से बाधा पहुंचती है क्योंकि यह कभी कभी सीधे आंख पर आती है। हमें इसकी आदत डालनी होगी।'

श्रीलंका के खिलाफ सुपर-4 का आखिरी मुकाबला आज

टीम में क्या कर रहे हैं सैमसन

बांग्लादेश के खिलाफ मैच में सैमसन को बल्लेबाजी में शीर्ष सात में भी नहीं उतारा गया और अब सवाल उठता है कि अगर वह अक्षर पटेल के पहले भी आने के लायक नहीं हैं तो टीम में क्या कर रहे हैं। चौथे नंबर पर शिवम दुबे को उतारना समझ में आता है क्योंकि कलाई के स्पिनरों को वह बखूबी खेलते हैं लेकिन मध्यक्रम में बायां-दायां संयोजन रखने के लिए यह सही नहीं था। हार्दिक पंड्या को उनसे पहले बाएं हाथ के दो बल्लेबाजों तिलक वर्मा और अक्षर के साथ भेजा गया। फील्डिंग कोच रियान टेन डोइशे ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले कहा था,' संजू अभी देख रहा है कि पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कैसे करनी है।' ऐसी भी संभावना है कि सैमसन को श्रीलंका के खिलाफ औपचारिकता के मैच में तीसरे नंबर पर उतारा जाए। समझा जाता है कि शीर्षक्रम के बल्लेबाज के तौर पर सैमसन के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें बाहर नहीं किया जा रहा लेकिन इस प्रारुप में हर खिलाड़ी की अपनी भूमिका है।

फिनिशर भी है जितेश

जितेश शर्मा मध्यक्रम के बल्लेबाज होने के साथ फिनिशर भी हैं। जितेश ने आईपीएल में पांचवें नंबर पर 18 पारियों में 374 रन बनाए जबकि छठे नंबर पर 15 पारियों में 384 रन जोड़े। सातवें नंबर पर उन्होंने सात पारियों में 178 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से 136 रन बनाए हैं। श्रीलंका के खिलाफ मैच में जसप्रीत बुमराह को भी आराम दिया जा सकता है अगर वह इसके इच्छुक हैं।

टीमें इस प्रकार

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, जसप्रित बुमरा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

श्रीलंका : चरित असलंका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, जेनिथ लियानगे, चमिका करुणारत्ने, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

खबर संक्षेप

हॉकी : आज से आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज

कैनबरा। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम आगामी एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप से पहले शुक्रवार से शुरू हो रहे पांच मैचों के आस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी कमजोरियों से पार पाना चाहेगी। भारतीय टीम 26 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच कैनबरा में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेगी । पहले तीन मैच 26, 27 और 29 सितंबर को आस्ट्रेलियाई जूनियर महिला टीम के खिलाफ खेले जाएंगे जबकि आखिरी दो मैच 30 सितंबर और दो अक्टूबर को आस्ट्रेलिया के हॉकी वन लीग क्लब कैनबरा चिल के खिलाफ होंगे।

23 नवंबर से राजस्थान में 'टूर डे थार' साइकिलिंग स्पर्धा

नई दिल्ली। राजस्थान 23 नवंबर को अपनी तरह के पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर की साइकिलिंग स्पर्धा 'टूर डे थार' की मेजबानी करेगा। खेल मंत्रालय ने यह घोषणा करते हुए कहा इस आयोजन में 300 किमी रिले, 200 किमी और 100 किमी की तीन अलग-अलग वर्गों में रेस प्रतियोगिता होगी। इसमें 2500 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इस स्पर्धा को बीकानेर के नोरंगदेसर गांव से हरी झंडी दिखाई जाएगी।

श्रृंखला 2 अक्टूबर से, जडेजा को उपकप्तान की कमान

वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज में खेलेंगे बुमराह नायर को आराम, पडिक्कल की वापसी

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है जबकि देवदत्त पडिक्कल ने खराब फॉर्म से जूझ रहे करुण नायर की जगह ली। भारतीय टीम के 15 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने संकेत दिए कि नायर और बंगाल के सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन अब टीम प्रबंधन की रणनीति का हिस्सा नहीं हैं। ऋषभ पंत की गैर मौजूदगी में रविंद्र जडेजा को वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में उपकप्तान बनाया गया है जबकि 25 वर्ष के कर्नाटक के खब्बू बल्लेबाज पडिक्कल और 23 वर्ष के साई सुदर्शन को भविष्य की उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है।

पंत अभी तक पूरी तरह फिट नहीं

नियमित उपकप्तान ऋषभ पंत अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं और चयन के लिए उपलब्ध नहीं है । इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के दौरान पंत के पैर में फ्रेक्चर हो गया था। अगरकर ने कहा,' उम्मीद है कि वह नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला तक उपलब्ध हो जाएगा।'

भारतीय टीम इस प्रकार

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, एन जगदीशन, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव ।

बुमराह को मिल चुका अच्छा आराम

बुमराह के बारे में अगरकर ने कहा कि उन्हें अच्छा आराम मिल चुका है और वह दो अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला खेलेंगे। अगरकर ने कहा,' बुमराह वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों मैच खेलना चाहते हैं । यह टीम दोनों टेस्ट के लिए है और वह दोनों खेलेंगे। इंग्लैंड दौरे के बाद अच्छा ब्रेक मिल चुका है और वह पांचवां टेस्ट नहीं खेले थे। एक महीने या पांच सप्ताह का ब्रेक हो चुका है।' नायर के बारे में उन्होंने कहा कि वह मौकों का पूरा फायदा नहीं उठा सके हैं और इंग्लैंड दौरे पर आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक लगाया। उन्होंने कहा,' हमें लगता है कि इस समय पडिक्कल बेहतर विकल्प हैं। काश हम सभी को 15 या 20 टेस्ट दे पाते लेकिन ऐसा नहीं हो सकता।' अगरकर ने कहा ," पडिक्कल टेस्ट टीम में रहे हैं। हमने इंग्लैंड में करुण से बेहतर की उम्मीद की थी । पडिक्कल आस्ट्रेलिया में टेस्ट टीम में थे और इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला में अर्धशतक लगाया था।' पिछले तीन चार साल से टीम के साथ लगातार दौरा कर रहे ईश्वरन को अंतिम एकादश में मौका नहीं मिला है और अब तो वह टीम से भी बाहर हैं। अगरकर ने कहा कि इस फैसले के पीछे बहुत कुछ पढने की जरूरत नहीं है । भारतीय टीम को हालांकि अगले एक साल विदेश दौरा नहीं करना है लिहाजा ईश्वरन का टेस्ट पदार्पण मुश्किल ही लग रहा है ।

एशिया कप

बांग्लादेश को हराकर पाकिस्तान फाइनल में 41 सालों में पहली बार भारत से मुकाबला

एजेंसी ▶▶| दुबई

निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी पारियों के बाद शानदार गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान ने एशिया कप टी20 सुपर चार चरण के करो या मरो मैच में बांग्लादेश को 11 रन से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। पाकिस्तान के सामने फाइनल में भारत की चुनौती होगी। एशिया कप के 41 सालों के इतिहास में पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल खेला जाएगा। 28 सितंबर को खिताबी मुकाबला होगा।

एशिया कप के इस सत्र में दोनों टीमों के बीच दो मैचों में भारत ने एकतरफा जीत दर्ज की है। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 135 रन बनाने के बाद बांग्लादेश को नौ विकेट पर 124 रन पर रोक दिया। पाकिस्तान के लिए शाहीन शाह अफरीदी ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए। हारिस रऊफ को भी तीन सफलता मिली जबकि सईम अयूब ने दो और मोहम्मद नवाज ने एक विकेट लिया। बांग्लादेश के लिए शमीम हुसैन ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 का आंकड़ा पार करने में नाकाम रहा। तस्कीन अहमद (28 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में बांग्लादेश के गेंदबाजों में मैच शुरुआती 12 ओवर में पूरी तरह से शिकंजा कसे रखा। लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने 18 रन देकर दो जबकि महेदी हसन ने 28 रन देकर दो विकेट लिए।

शिकायतें लेकर आईसीसी के द्वार पहुंचे बीसीसीआई और पीसीबी

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत ने एशिया कप सुपर 4 मैच के दौरान भड़काऊ इशारे करने वाले पाकिस्तान के क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के खिलाफ आईसीसी के पास आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। समझा जाता है कि बीसीसीआई ने बुधवार को दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और आईसीसी को ईमेल भेजा है।आईसीसी इस मामले में सुनवाई करेगी क्योंकि साहिबजादा और रऊफ ने लिखित में इन आरोपों का खंडन किया है। उन्हें सुनवाई के लिए आईसीसी एलीट पेनल के रैफरी रिची रिचर्डसन के सामने पेश होना पड़ सकता है।

सूर्यकुमार की टिप्पणी राजनीतिक : पीसीबी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जवाबी कार्रवाई में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की आधिकारिक शिकायत की है, जिन्होंने 14 सितंबर को पाकिस्तान पर मिली जीत को आपरेशन सिंदूर में शामिल भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित करते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाई थी। पीसीबी ने आरोप लगाया है कि सूर्यकुमार की टिप्पणी राजनीतिक थी। अभी तकनीकी तौर पर यह देखना होगा कि शिकायत कब दर्ज कराई गई है क्योंकि टिप्पणी के सात दिन के भीतर ही शिकायत की जा सकती थी।

LAXMI MAHILA NAGRIK SAHAKARI BANK MYDT. RAIPUR (C.G.)
Phone No.0771-4038671, E-mail: info@laxmimahilabank.com

WALK-IN-INTERVIEW Banks needs to fill up following posts urgently

S.No.	POST NAME	NUMBERS	QUALIFICATION AND EXPERIENCE
1	MANAGING DIRECTOR/ CHIEF EXECUTIVE OFFICER	1	CAIIB/Diploma in Banking & Finance/Diploma in Co-operative Business Management or equivalent qualification; or (b) Chartered/Cost Accountant/MBA(Finance);or(c) Post graduation in any discipline. 8 years Experience in the capacity of Senior Management level with satisfactory service record.
2	ACCOUNT OFFICER	1	M.COM, CA INTER, CMA, CFA, ICWA Professional Degrees/diploma related to banking Finance and Accounting etc. with good knowledge of Banking, Finance, Taxation, Reconciliation and Audit, RBI and banking compliance. Proficiency in SAP, ERP System, MS office, word, Excel etc.
3	IT OFFICER	1	Graduation : B.E./B.Tech in Computer science, computer applications, Information Technology etc.
4	DRIVER	1	Minimum 10th passed with valid Driving License

Only candidates with good track records can apply.Candidates with relevant experience will be given preference. Decision of the selection Committee shall be final & binding.Those who are confident and fulfilling the above criteria may directly appear for the walk in interview on the mentioned date and time. Location : Laxmi Mahila Nagrik Sahakari Bank Maryadit, Raipur (C.G.), 1st Floor,Millenium Plaza complex, G.E. Road, Raipur Date : 27/09/2025, Time : 11:00 am To 1:00 pm.

SD/- C.E.O. in-charge LMNSBL

बीबीएल में खेलने वाले पहले बड़े क्रिकेटर बने अश्विन

सिडनी। आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी सत्र के लिए सिडनी थंडर से जुड़ गए और इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले भारत के पहले बड़े क्रिकेटर बने। हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अलविदा कहने वाले 39 वर्ष के अश्विन 14 दिसंबर से 25 जनवरी तक होने वाले बीबीएल के दूसरे हाफ में उपलब्ध होंगे। अश्विन ने कहा, 'सिडनी थंडर मेरे इस्तेमाल के बारे में स्पष्ट थे। उनके साथ मेरी बातचीत बहुत अच्छी रही, और हम मेरी भूमिका को लेकर पूरी तरह सहमत हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे डेव वार्नर का खेल बहुत पसंद है। मैं टीम के लिए प्रदर्शन करने के लिए बेताब हूं।'

लीसा नाइटली बनीं मुंबई इंडियंस की महिला कोच

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने आस्ट्रेलिया की पूर्व क्रिकेटर और दो बार की विश्व कप विजेता लीसा नाइटली को अपनी महिला टीम का मुख्य कोच बनाया। नाइटली 1997 और 2005 में आस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता टीम की सदस्य थी और अब महिला क्रिकेट की सबसे सम्मानित कोचों में से एक हैं । उन्होंने आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दुनिया की शीर्ष लीगों में कोचिंग की है। मुंबई इंडियंस महिला प्रीमियर लीग की सबसे कामयाब टीम है, जिसने तीन सत्र में दो बार 2023 और 2025 में खिताब जीते हैं ।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया / Union Bank of India
शाखाः सिंधिया नगर शाखा, सुपेला शाखा (छ.ग.)

परिशिष्ट–IV कब्जा नोटिस नियम 8 (1)

सेक्यूरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाइनेनशियल असेट्स एंड अनफोर्समेंट ऑफ सेक्युटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के तहत नियम-3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सिंधिया नगर शाखा, सुपेला शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में अधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित उधारकर्ता/जमानतदार व ऋणियों को निम्नलिखित तिथियों में डिमांड नोटिस में दर्शायी गई राशि उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने जारी किया गया था. उधारकर्ता/जमानतदार व ऋणियों द्वारा राशि अदायगी में असफल रहने पर एतद् द्वारा उधारकर्ता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियम-8 के साथ पठित उक्त एक्ट की धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए यहाँ नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा कर लिया गया है ।

विशेष रूप से उधारकर्ता/जमानतदार व ऋणियों और जनसामान्य को एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई लेन-देन न करें । निम्नलिखित संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन-देन इस पर वर्णित बकाया राशि ब्याज, आकस्मिक खर्च एवं लागत और शुल्क के लिये **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया** कि संबंधित शाखा के निर्मित प्रभार के अधीन होगी ।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिये ध्यानाकर्षित किया गया है ।

अ. उधारकर्ता का नाम ब. शाखा का नाम	संपत्तियों का विवरण	1. मांग सूचना की तिथि 2. मांग सूचना राशि रु 3. कब्जे की तिथि
ऋणी- गणेश प्रसाद देवांगन पुत्र नारायण देवांगन, म.नं. 89, महलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ़-491001. **शाखाः सिंधिया नगर, दुर्ग (छ.ग.)**	**स्वामित्व- गणेश प्रसाद देवांगन**, खसरा नं. 342/102, प्लॉट नं. 99 का भाग, मौजा- बघेरा, पीसी. नं. 7-ए, आरआइसी- दुर्ग 2, वार्ड नं. 56, चन्द्रशेखर स्कुल के पीछे, क्षेत्रफल- 750 वर्गफीट ।	16/07/2025 ₹ 12,37,775.77 + 01/06/2025 से ब्याज + कानूनी एवं अन्य शुल्क 25/09/2025
ऋणी- बाबा महंत दास **मिताली दास पति बाबा महंत दास, दोनों का पता-** एमआईजी- 62, वैशाली नगर, वार्ड नं. 10, सुपेला, भिलाई, छत्तीसगढ़- 491001 **शाखाः घड़ी चौक, सुपेला (छ.ग.)**	प्लॉट नं. ईडब्ल्यूएस- 115ए, वार्ड नं. 7, फरीद नगर, छ.ग. हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, कोहका, भिलाई (छ.ग.)	16/07/2025 ₹ 12,88,844.34 + 01/06/2025 से ब्याज + कानूनी एवं अन्य शुल्क 19/09/2025

दिनांकः 25.09.2025, स्थानः भिलाई (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

MATS UNIVERSITY

MATS UNIVERSITY ready for life.......

NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY

CHHATTISGARH'S FIRST AND ONLY STATE PRIVATE UNIVERSITY ACCREDITED WITH A+ GRADE BY NAAC

Your Ambition, Your Schedule, Your Degree

Empowering Lifelong Learners with Flexible, Accredited Education

FOR WORKING PROFESSIONALS

Advance your career without hitting pause. With our self-paced programs, get the degree that propels your promotion — all while managing your 9 to 5.

FOR HOMEMAKERS

It's never too late to learn. Gain your academic wings from the comfort of your home. Reignite your dreams on your schedule.

FOR MULTI-TASKING STUDENTS

Already juggling one course or exam prep? Our flexible online modules make it possible to add more skills without burnout.

FOR CAREER GROWTH SEEKERS

Learn today, lead tomorrow. Choose industry-relevant programs crafted to open doors in a competitive job market.

OPEN AND DISTANCE LEARNING PROGRAMS

B.A. | B.Com. | BBA
BCA | M.A.English
M.Com. | B.Lib.I.Sc.
DCA | PGDCA

www.matsodl.com
Call Toll Free : 8152079999

ONLINE PROGRAMS

MBA | MCA
BBA | BCA | B.Com.
DCA | PGDCA

www.matsuniversityonline.com
Call Toll Free : 8152029999

- UGC-DEB Recognized Degrees
- Career-Focused Curriculum
- 100% Flexible, Learn Anytime Anywhere
- Undergraduate, Postgraduate, Diplomas & Certifications
- Dedicated LMS & Expert Faculty
- Affordable Fees & EMI Options

Apply Now - Admissions Open till October 15, 2025

REGULAR PROGRAMS

Management | Engineering | Law | Pharmacy | Science
Psychology | Information Technology | Commerce English
Hindi | Education | Physical Education
Fashion & Interior Design | Library Science | Social Work

FOR DETAILS CALL : 1800 123 819999

ADMISSION OFFICE : RAIPUR CAMPUS, MATS TOWER, PANDRI, RAIPUR, CG, 492 004
UNIVERSITY CAMPUS : AARANG KHARORA HIGHWAY, AARANG, RAIPUR, CG, 493 441
Tel : 0771 4078995, 96, 98 **Mob:** 9109951184, 9755199381, 9109994500 **Web:** www.matsuniversity.ac.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com